हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक वीरवार, दिनांक 11 अगस्त, 2022 को माननीय अध्यक्ष, श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

11.08.2022/1100/बी.एस./ए0एस0/1

अध्यक्ष : आज दिनांक 11 अगस्त, 2022 को प्रश्नों के उत्तर सभा पटल पर रखे हुए समझे जाएंगे।

11.08.2022/1100/बी.एस./ए0एस0/2

नियम-278 के अन्तर्गत मंत्री परिषद में अविश्वास प्रस्ताव

अब मुकेश अग्निहोत्री जी अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1105/ए.एस.-एन.जी./1

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : अध्यक्ष महोदय, सभी प्रदेशवासियों को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि "This House expresses No-Confidence in the Council of Ministers", as the Government has failed on all fronts.

अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि "This House expresses No-Confidence in the Council of Ministers". जैसा मैंने पिछले कल माननीय सदन को अवगत करवाया था कि इस चर्चा में सत्तापक्ष व विपक्ष के सभी माननीय सदस्य हिस्सा ले सकते हैं। मेरा सभी से आग्रह है कि समय का ध्यान रखें। मुझे यहां से बार-बार यह आग्रह न करना पड़े कि आप वाइंडअप करें। यह मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह रहेगा। आज ठीक 03.00 बजे मुख्य मंत्री जी ने इस चर्चा का उत्तर देना है। एक बार फिर मेरा सभी सदस्यों से निवेदन है कि समय का बिलकुल ध्यान रखें। सत्तापक्ष से संसदीय कार्य मंत्री या मुख्य सचेतक से

आग्रह है कि बोलने वालों की सूची दे दें और विपक्ष से भी आग्रह है कि आप भी अपनी ओर से बोलने वालों की सूची दे दें। अब मैं श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को चर्चा हेतु आमंत्रित करता हूं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, चर्चा शुरू करने से पहले फिर से मेरा आग्रह है कि इसकी चर्चा का समय बढ़ाया जाए क्योंकि यह सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव है। इसके लिए चाहे आप सदन को रात के 12.00 बजे या 02.00 बजे तक चलाएं। ऐसी कोई भी वजह नहीं है कि सदन को 05.00 बजे ही समाप्त कर दिया जाए।

अध्यक्ष : आपका समय शुरू हो गया है इसलिए आप अपनी बात रखें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, आप विपक्ष के संरक्षक हैं और आपको कहना हमारा हक बनता है। अध्यक्ष महोदय, नियम-278 के तहत हम अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाए हैं क्योंकि मौजूदा सरकार व मंत्री मण्डल के खिलाफ पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। हर तरफ धरने-प्रदर्शन हो रहे हैं। आज लाखों लोग सड़कों पर आ गए हैं। ...व्यवधान... अभी कल व परसों देखना। ...व्यवधान... जिस

प्रकार से लोग सड़कों पर आ रहे हैं उससे यह साफ है कि ये लोग सरकार चलाने में बिलकुल विफल हो गए हैं। ...व्यवधान... भारद्वाज जी हमने जो किया था उसकी सजा हमने भुगत ली है और इसी कारण हम इधर बैठे हुए हैं। ...व्यवधान... आप अपने पांच साल का लेखा-जोखा दो। ...व्यवधान... हमने गलत किया होगा तो हम इधर आ गए। ...व्यवधान... अध्यक्ष महोदय, ये लोग सरकार चलाने में पूरी तरह विफल हो गए हैं। शुरूआत में ही मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आप अपनी कुर्सी छोड़ दें और अपने मंत्री मण्डल सहित स्टेप डाउन कर लें। क्योंकि it is a complete breakdown of the machinery. सभी वर्गों का इस सरकार से मोह भंग हो गया है। महंगाई ने कमर तोड़ दी है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1110/SS-DC/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागत :

जिस पर मुख्य मंत्री अपनी सभाओं में या किसी भी जगह एक अक्षर नहीं बोलते कि आटा क्यों 130 रुपये किलो हो गया? तेल क्यों 250 रुपये हो गया? सीमेंट की बोरी क्यों 500 रुपये हो गई? सरिया क्यों 9 हजार रुपये हो गया? सिलेंडर का दाम क्यों 1150 रुपये हो गया? मुख्य मंत्री इस पर क्यों नहीं बोलते? ये इस पर नहीं बोलेंगे। कमरतोड़ महंगाई पर ये मंत्रिमंडल कुछ नहीं बोलता है। पूरे प्रदेश में एक अक्षर नहीं बोलता है। दूध-दही पर जी0एस0टी0 लगा दिया है। श्मशानघाट तक पर जी0एस0टी0 लगा दिया है। कॉपी-कलम पर जी0एस0टी0 लगा दिया। आप हालात देखो। भारद्वाज साहब, आप संसदीय कार्यमंत्री हैं, आप थोड़ा संयम रखिए। आपका काम विपक्ष से डायलॉग करना है। इस समय बेरोज़गारी ने हाहाकार मचाकर रख दी है। चोर दरवाजे से भर्तियां की जा रही हैं। चोर दरवाजा एक ही है सिर्फ भाजपा के लोगों को घर से बुलाकर औने-पौने दाम की नौकरियां दी जा रही हैं। मैरिट का इस सरकार ने कत्ल कर दिया है। प्रदेश में कहीं मैरिट प्रिवेल नहीं कर रही है। न सबोर्डिनेट सर्विसिज सिलैक्शन बोर्ड से और न ही पब्लिक सर्विस कमिशन के माध्यम से भर्ती की जा रही है बल्कि चोर दरवाजे से स्कीमें बनाकर आखिर के दो महीने में भर्तियां की जा रही हैं। आप चिंता मत करो। आप जो अंत में भर्तियां कर रहे हैं ये आपको कोई ऑक्सीजन नहीं देने वाली हैं। आपका यहां से जाना तय हो रहा है। माफिया पूरे प्रदेश में हावी है। आप देखेंगे कि हर तरह का माफिया हावी है। मुख्य मंत्री जी ने पिछले चार साल से ठेके तक नीलाम नहीं किए। कम-से-कम एक हजार करोड़ रुपये का सरकारी खजाने को नुकसान हुआ होगा, जो हालात पैदा हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय, कर्जों के तमाम रिकॉर्ड टूट गए हैं। ये कहते थे कि डबल इंजन की सरकार है। एक ही बात कहते थे कि दिल्ली में हमारी सरकार है और हिमाचल में हमारी सरकार

है। हम कर्जा मुक्त प्रदेश बनाएंगे। आज की अखबार में छपा है कि कर्जा लेने के लिए एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में संशोधन करने की तैयारी

11.08.2022/1110/SS-DC/2

है। यह आज की ही अखबार है। आप कानून में संशोधन कर रहे हैं। आपने हजारों करोड़ रुपये के कर्जे ले लिए। मुख्य मंत्री जी न फिजूलखर्ची के अब तक के तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तमाम रिकॉर्ड टूट गए हैं जिस ढंग से ये सरकारी खर्चे पर पार्टी को चला रहे हैं। सरकारी खर्चे पर रैलियां कर रहे हैं। ईवन छोटे-छोटे काम भी सरकारी खर्चे पर हो रहे हैं। ...व्यवधान... सुनिए, पार्टी की रैलियां सरकारी खर्चे पर हो रही हैं। सैकड़ों करोड़ रुपया या अरबों रुपयों की फिजूलखर्ची हो गई। आपने अरबों रुपये रैलियों पर लगा दिए। जब यह सरकार जाएगी तो प्रदेश पर 85 हजार करोड़ रुपये का कर्जा होगा। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप सभी बैठिए। सुनिए, आप इनका समय ले रहे हैं। श्री मुकेश अग्निहोत्री जी, आप बोलिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष को कहो कि ये सदन को मछली मार्किट न बनाएं। ये जिस तरीके से बिहेव कर रहे हैं, सदन को मछली मार्किट बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस विधान सभा की अपनी एक गरिमा है। हिमाचल के हितों को बेचा जा रहा है। हिमाचल की सम्पत्तियों को बेचा जा रहा है, जिस तरीके से इन्होंने राज चलाया है।

जारी श्रीमती के0एस

11.08.2022/1115/केएस/डीसी/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी---

अध्यक्ष महोदय, जब जय राम जी सत्ता में आए, सबसे बड़ा वायदा इन्होंने महिलाओं की सुरक्षा का किया था। इन्होंने कहा था कि हमारे राज में महिलाएं सुरक्षित होंगी। जिस तरीके से यह शासन चला है, अध्यक्ष महोदय, 1574 रेप इनके समय में हो गए हैं और

...व्यवधान आपके शासन में महिलाओं के 354 मर्डर हुए हैं। 7406 महिलाओं के साथ छेड़छाड़ हुई है। सिर्फ महिलाओं के ही 119 मर्डर हो चुके हैं। मालेस्टेशन के 2265 केसिज़ आपके समय में हो गए हैं। आपकी सरकार के समय में 1600 के करीब रेप हो गए हैं आपको क्या शर्म नहीं आ रही है? ...व्यवधान

अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2018 में कसौली में टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग की अधिकारी सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के आदेश की अनुपालना करवाने गई थी। वह निहत्थी थी और उसका सरेआम आपके सामने कत्ल कर दिया गया। उसके बाद ऊना के अम्ब में 20 अप्रैल,2022 को 15 साल की युवती का गला रेत दिया गया। गगरेट के मंदिर में उस छोटी सी लड़की का मर्डर कर दिया गया। इसी तरह से कालका-शिमला हाईवे पर दो लड़कियों का शव मिला। दो लड़कियों को मारकर बोरी में डालकर रख दिया गया। यह आपकी सरकार के समय में हो रहा है। बोरियों में महिलाओं के शव मिल रहे हैं। अप्रैल महीने में गोविंद जी, आपके मनाली में महिला का शव स्लीपिंग बैग में पाया गया और आज तक यह पता नहीं चला कि वह किसका शव था। सितम्बर, 2021 में जोगिन्द्रनगर में मर्डर हुआ। कल भी उसके लिए आंदोलन हुआ लेकिन आज दिन तक भी पता नहीं चल पाया है कि जोगिन्द्रनगर में मर्डर किसका हुआ है? इसके अलावा 2022 में शिमला के पन्थाघाटी में 15 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म हुआ। दुष्कर्म की जितनी घटनाएं आपकी सरकार के समय में हुई है,उसकी सारी सूची मेरे पास है। मैं वह मुख्य मंत्री जी को दूंगा और यहां रिकॉर्ड पर भी रखूंगा। जितना यहां पर आपके समय में हुआ है, बलात्कार आदि के सारे मसले आपके सामने हैं।

11.08.2022/1115/केएस/डीसी/2

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के खिलाफ़ सबसे बड़ा मसला पुलिस की भर्ती का है। ...व्यवधान.. आप सुनिए, आपको सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। मुख्य मंत्री जी, आप बताएं कि आपने सी.बी.आई. को पुलिस भर्ती का मामला दिया। सी.बी.आई. आज दिन तक क्यों नहीं आई? आपने यहीं पर उस मामले को क्लोज़ करने की चाल चल दी। आप

लोकल पुलिस से जांच करवाकर फटाफट चालान कोर्ट में पेश कर रहे हैं कि हमने जांच कर ली। जब आपने मामला सी.बी.आई. को दे दिया, दो लाख बच्चों का सवाल था इसका क्या कारण रहा? आप बताएं दूसरी दफ़ा क्यों पर्चा लीक नहीं हुआ, वह तो हिमाचल में ही छपाथा? पहले किसने छपवाया, कहां जा कर छपवाया और कौन लोग उसके पीछे जिम्मेवार थे, किन लोगों ने बेचा? आप कहते हैं कि प्रिंटिंग प्रैस के एक चौकीदार ने, एक चपरासी ने पर्चा बेच दिया। ...व्यवधान...पर्चा लीक नहीं हुआ, पर्चा नीलाम हुआ है। पुलिस भर्ती सबसे बड़ा घोटाला है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11-08-2022/1120/av/hk/1

चर्चा क्रमागत--------

श्री मुकेश अग्निहोत्री--------- **जारी**

उसके लिए कौन लोग जिम्मेवार हैं और आपने उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की है? ...व्यवधान... आपने 122 बच्चों को डिबार किया और लगभग 275 व्यक्ति आपने गिरफ्तार किए। बाहर धारणा है कि लगभग 3,000 लोगों को पर्चा बेचा गया। आप हमें यह बताएं कि जो प्रति पर्चे के अनुसार 6 लाख रुपये से 8 लाख रुपये की राशि एकत्रित की गई; वह डेढ़ सौ-दो सौ करोड़ रुपये की राशि कहां गई? ...व्यवधान... यह हमने नहीं कहा है, आपने कहा है। वह पैसा कहां गया? ...व्यवधान... आपने जांच बंद कर दी और यह नहीं बताया कि कि एकत्रित की गई राशि कहां गई? ...व्यवधान...

श्री जगत सिंह नेगी (किन्नौर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। ...व्यवधान... जब हमारे नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रख रहे हैं तो नियम-299 के तहत सत्ता पक्ष के लोग इस प्रकार से बीच में नहीं बोल सकते। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी, कृपया आप बैठ जाएं। अभी माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी की बात पूरी नहीं हुई है। नेगी जी, आप माननीय अग्निहोत्री जी का समय ले रहे हैं, आप बैठ जाइए। ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, पुलिस भर्ती का जब दूसरी बार पेपर हुआ तो लगभग 6,000 लोग तो पर्चा देने ही नहीं आए, वे कौन लोग थे; ...व्यवधान... यह आपका प्रैस नोट है। दूसरी बार 75,000 लोगों में से केवल 69,000 लोग पेपर देने के लिए आएं। लोगों ने पेपर खरीदने के लिए अपनी जमीनें बेच दीं और जमीनें मोर्टगेज कर दीं क्योंकि वह पेपर बाजार में बिक रहा था। वह पर्चा लोगों द्वारा खरीदा गया, मगर अब आपने यह नहीं बताया कि वह 6 लाख रुपये से 8 लाख रुपये प्रति पेपर जो पैसा एकत्रित किया गया; वह पैसा कहां है। वह पैसा किसने एकत्रित किया, उसके लिए कौन जिम्मेवार थे? सबसे

11-08-2022/1120/av/hk/2

बड़ा जांच का मसला यह है कि आपने 200 लोग गिरफ्तार कर दिए जिन्होंने पेपर बेचे; मगर जो रिकवरी है इसके बारे में कौन जांच करेगा। वर्ष 2020 में भी पेपर बिका था।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष बहुत ज्यादा उत्साहित होकर बोल रहे हैं। मैं चाह रहा था कि इनकी बात को आराम से सुना जाए। ...व्यवधान... आप आराम से बोलिए। मैं यहां इस बात को जरूर कहना चाह रहा हूं कि उस दिन रात के 11.00 बजे जब मुझे यह सूचना मिली कि पेपर लीक हुआ है तो मैंने उसी वक्त मुख्य सचिव और डी0जी0पी0 को आदेश किए कि इस संदर्भ में एफ0आई0आर0 दर्ज की जाए। फिर एफ0आई0आर0 दर्ज करने के बाद मैंने सुबह 09.00 बजे कहा कि इसकी जांच के लिए एस0आई0टी0 गठित की जाए। उसी दिन 09.30 बजे(पूर्वाह्न) मैंने प्रैस कॉंफ्रैंस करके यह ऐलान किया कि कॉंस्टेबल भर्ती का पेपर लीक होने का जो विषय सामने आया है मैं तुरंत प्रभाव से उसको रद्द करने का आदेश करता हूं। ...व्यवधान... उस पेपर को रद्द करने के

पीछे की मंशा यह थी कि इस संदर्भ में प्रश्न खड़ा करने की एक प्रतिशत गुंजाइश न बचे, इसलिए हमने कहा कि इस पेपर को तुरंत प्रभाव से रद्द किया जाता है। उसके बाद बार-बार यह विषय सामने आ रहा था कि पुलिस ही भर्ती कर रही है और पुलिस को ही इसकी जांच का जिम्मा दिया गया तो हमने कहा ठीक है, हम इसको सी0बी0आई0 को रैफर करते हैं। हमने फिर उसको सी0बी0आई0 को रैफर कर दिया। आप जानते हैं कि सी0बी0आई0 किसी भी मामले में सारी चीजों का आकलन करती है। सी0बी0आई0 अभी सारे तथ्यों को देख रही है और उन्होंने इस बारे में अभी तक न तो इनकार की है तथा न ही हां की है।

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1125/टी0सी0वी0/एच0के0-1

मुख्य मंत्री .... जारी

लेकिन उसके बावजूद जो एस0आई0टी0 कांस्टिच्यूट की गई है और इंवैस्टिगेशन का प्रोसैस कांटिन्यू है। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि 1334 कांस्टेबल की भर्ती होनी थी और उसकी वजह से आज 204 आरोपी जेल की सलाखों के पीछे हैं। वर्ष 2016 में पुलिस की भर्ती हुई थी और पुलिस भर्ती का पर्चा बेचा गया था लेकिन उसके बावजूद भी उस वक्त आप लोगों ने वह भर्ती बंद नहीं की और हमने उसकी जांच पूरी की। आपने उनके खिलाफ एफ0आई0आर0 तक दर्ज नहीं की । मैंने पुलिस की भर्ती का रिटन टैस्ट तुरन्त प्रभाव से रद्द किया लेकिन वर्ष 2016 में आप लोगों ने क्यों नहीं किया? आप इस प्रश्न का जवाब दीजिए।

अध्यक्ष : मुकेश जी बात सुनिए, आप बोल रहे हैं लेकिन आपके दूसरे साथी बोल रहे हैं कि 3-4 मिनट ले लिए हैं। ...व्यवधान सदन के नेता को तो इंटरविन करना है। मुकेश जी आप बोलें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मैं कहना चाहता हूं कि इन लोगों ने उन लोगों पर कार्रवाई की है जिन लोगों ने पेपर बेचा है लेकिन जो अधिकारी पुलिस के पेपर के लिए जिम्मेवार थे उनके ऊपर आपने क्या एक्शन लिया? आप रिक्वरी के बारे में बिल्कुल साइलेंट हो गए हैं। इन्होंने आज तक यह नहीं बताया कि जो 7-8 लाख रुपये में पर्चा नीलाम हुआ जिसमें तीन हजार लोग शामिल थे, वे लोग कौन थे? ...व्यवधान अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2020 में भी यही हुआ जब प्रौर में पर्चा हो रहा था वहां बाहर सोल्वर बैठे हुए थे और अंदर पर्चा हो रहा था। क्लर्कों की भर्ती हुई और 20 हजार लोगों ने पर्चा दिया लेकिन पर्चा लीक हो गया, विश्वविद्यालय का पर्चा लीक हो गया। ...व्यवधान मुख्य मंत्री जी आप बार-बार नहीं बोल सकते। ... व्यवधान ।

अध्यक्ष : मुकेश जी, आपके जो ये साथी-सहयोगी हैं, ये आपके समय को खराब कर रहे हैं। जब आपकी तरफ से कोई बात आ रही है तो सदन के नेता को उसका उत्तर देना है। यदि वे उत्तर नहीं देंगे तो कौन उत्तर देंगे? ...व्यवधान आप बैठिए ।

11.08.2022/1125/टी0सी0वी0/एच0के0-2

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं इतना कहना चाहता हूं कि जो फैक्ट्स हैं उनको डिस्टॉर्ड न किया जाए। आप बोलें, बोलने में हमें कोई आपत्ति नहीं है। वर्ष 2019 में भर्ती हुई थी और उसमें भी तुरन्त प्रभाव से रिटन टैस्ट रद्द किया गया था। हमने वर्ष 2016 की तरह नहीं किया कि भर्ती हो गई और उसमें कुछ भी नहीं किया गया।

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1130/NS/YK/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री : मुख्य मंत्री जी विपक्ष अपनी बात रख रहा है और आपको पहले यह बात सुननी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, देखिए हिमाचल प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन से आपने एक साल के दौरान कितनी भर्ती की? आपने इससे एक साल के दौरान 74 लोग भर्ती किए और ये आपने पिछले साल भर्ती किए और इतने ही इस साल भर्ती किए। आपने

फिर यह सैटअप क्यों बनाया है अगर आपने चोर दरवाजे से ही सारी नौकरियां भरनी हैं? आपने अगर हिमाचल प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन, हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग या भर्ती के दूसरे कायदे कानून करने ही नहीं हैं तो इनको क्यों बनाया है? आप कैबिनेट में 5000 पदों को भरने का फैसला करते हैं और अगले दिन चोर दरवाजे से भरते जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को भरते जा रहे हैं। आपने पूरे प्रदेश में मैरिट का गला घोंट दिया है। आपने पूरे प्रदेश के लगभग 11 लाख बेरोजगारों के साथ धोखा किया है। जिस ढंग से आप चोर दरवाजे से भर्त्तियां करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसा किसी सरकार ने नहीं किया। आज तक ऐसी चोर बाजारी किसी ने नहीं की। ...व्यवधान... अध्यक्ष महोदय, सुनिए, भारद्वाज साहब सुनिए। आप ये पर्चे मत दिखाइए, इन्होंने पता नहीं किस-किस का टिकट काट देना है। ये अपनी कार्रवाई में लगे हुए हैं इसलिए अपने-अपने पर्चे अपने पास रखो।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने इस सदन में संपत्तियां बेचने का ऐलान किया और टूरिज्म की संपत्तियां बेची जा रही हैं। तब हमने दखल दिया कि आप ये संपत्तियां बेच रहे हैं। तब मुख्य मंत्री जी ने इन्कवायरी ऑर्डर की और जो उस समय सेक्रेटरी (टूरिज्म) था उसको ओहदे से हटाया। ये कभी नहीं बताते कि इन्होंने क्यों हटाया? आपने मुख्य सचिव को क्यों हटाया और आप इसे आज दिन तक नहीं बता रहे हैं। क्या आपको दिल्ली से कहा गया या किसी और बात के लिए मुख्य सचिव को हटाया गया? ...व्यवधान... आपने मुख्य सचिव को हाल ही में रात के अंधेरे में हटा दिया। आप बताएं कि क्या आपको कोई हुक्मनामा दिल्ली से आया था कि मुख्य सचिव को हटाओ या आपने कुछ खुद पाया कि मुख्य सचिव को हटाना जरूरी है? पहले भी आपने मुख्य सचिव को रात के अंधेरे में हटाया। कुछ तो पता लगना चाहिए। उस समय भी आपने सेक्रेटरी

11-08-2022/1130/NS/YK/2

(टूरिज्म) को हटाया और आपने यहां पर इन्कवायरी ऑर्डर की। आप यहां पर उस इन्कवायरी की रिपोर्ट क्यों नहीं रखते हैं? जब आपने टूरिज्म की संपत्तियां बेचने की इन्कवायरी ऑर्डर कर दी और आपने कहा कि 10-15 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाएगी लेकिन आपने उसकी रिपोर्ट यहां पर नहीं रखी। ए0डी0बी0 के माध्यम से जो संपत्तियां थीं वे आपने अपने चहेतों को लूटा दी। आपने मण्डी, कंडाघाट और मनाली की संपत्ति भी बेच दी। ए0डी0बी0 के माध्यम से लगभग 200 करोड़ रुपये की संपत्तियां बनाई गईं थीं उनको आपने रात के अंधेरे में औने-पौने दाम में बेच दिया। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी को

हमने पहले भी कहा था कि जो इनके पिछले शासन में निजी विश्वविद्यालयों को जमीनें दी गई थीं और हम उसके विरोध में थे। अब वहां पर कालोनियां बन रही हैं। आप बताएं कि उनको कौन परमिशन दे रहा है? जिन्होंने विश्वविद्यालय के लिए जमीनें ली थीं और उनको कालोनियां बनाने की परमिशनें दे दीं। अध्यक्ष महोदय, ये कागज हैं 'The Akshata' ये रेवेन्यू के कागज हैं और इसमें कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश में देश दुनिया का कोई भी आदमी आ जाए, उसको माउटेन्ज़ में जमीन लेने के लिए हिमाचली होना जरूरी नहीं है। विश्वविद्यालयों की जमीनें विश्वविद्यालय बनाने के लिए खरीदी गईं थीं और आप वहां पर कालोनियां बनाने की इजाजत दे रहे हैं। ये रेवेन्यू के पेपर हैं। ये जमाबंदियां हैं और ये देखो यहां पर लिखा जा रहा है, book your home in Himachal Hills. ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य अग्निहोत्री जी आप चेयर को संबोधित करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : हम इनको यहां पर ले करेंगे लेकिन हिमाचल को सेल किया जा रहा है, हिमाचल की बिक्री हो रही है। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय अग्निहोत्री जी, बैठिए। इस तरफ इशारा हुआ है तो आप कृपया करके बैठिए। ...व्यवधान...

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.08.2022/1135/RKS/YK-1

अध्यक्ष : माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी आप कृपया बैठिए। ...व्यवधान... माननीय संसदीय मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

<u>व्यवस्था का प्रश्न</u>

संसदीय कार्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नियमों के अंतर्गत जब कोई कागज़ सदन में लहराया जाए तो पहले उसे प्रमाणित करके टेबल पर लिया किया जाता है अन्यथा आप इस तरह कागज़ नहीं लहरा सकते। जो कागज़ आप लहरा रहे हैं पहले आप उन्हें प्रमाणित

करके टेबल पर रखें। अगर आप इन कागज़ों को प्रमाणित करके टेबल पर नहीं रखेंगे तो यह बात रिकॉर्ड में नहीं आ सकती। ...व्यवधान...

(कांग्रेस विधायक दल के सदस्य बैठे-बैठे नारेबाजी करने लगे।)

अध्यक्ष : श्री मुकेश अग्निहोत्री जी अब आप अपनी बात रख सकते हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, चिटकारा एजुकेशन ट्रस्ट की सोलन में चक्की मोड के पास 150 बिघा से ज्यादा ज़मीन है। पहले यह ज़मीन यूनिवर्सिटी बनाने के लिए दी गई थी। तीन साल बाद यह ज़मीन सरकार को हस्तांतरित होनी थी लेकिन कुछ माह से नॉरविच हिल्ज नाम से भूमि प्लॉट तथा बिलाज़ इत्यादि बुक किए जा रहे हैं। और इनके विज्ञापन अखबारों में भी छप रहे हैं। वे कह रहे हैं कि विश्वविद्यालय या क्लास रूम बनाने का कार्य खत्म कर दिया गया है और अब यहां पर कॉलानीज़ इत्यादि बनाई जाएगी। हमने उस समय भी विश्वविद्यालय बनाने का विरोध किया था। जिन लोगों ने अखबारों में ये इतने लम्बे विज्ञापन दिए हैं, आप उन्हें रोकिये। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष जी कृपया बैठिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, 'रेरा' आपने बनाया। आपने 'रेरा' पर करोड़ों रुपये खर्च कर दिए।

11.08.2022/1135/RKS/YK-2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बैठिए। ...व्यवधान... आप कृपया बैठिए। ...व्यवधान... माननीय सदस्य, जिन पेपर्ज़ को आप दिखा रहे हैं उन्हें प्रमाणित करके पहले टेबल पर ले करना होता है। इसलिए जो पेपर्ज़ आप यहां लहरा रहे हैं यह सदन की परंपरा के विरुद्ध है। मैंने सुबह भी गुजारिश थी कि इस चर्चा का तीन बजे समापन होना है औ उसके बाद मुख्य मंत्री जी इसका उत्तर देंगे। ...व्यवधान... इस चर्चा में भाग लेने दोनों पक्षों की ओर से

काफी लंबी सूची आई है इसलिए कृपया आप एक मिनट में वाइंड-अप करें।...व्यवधान... मैं सभी का संरक्षक हूं। आप कृपया एक मिनट में वाइंड-अप करें।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष जी, अगर आप नेता प्रतिपक्ष को अपनी बात नहीं रखने देंगे तो यह अविश्वास प्रस्ताव किस चीज़ का है?

अध्यक्ष : श्री मुकेश अग्निहोत्री जी आपको बोलते हुए 22 मिनट हो गए हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में वाहन पंजीकरण का घोटाला हुआ। पूरे देश में BS4 मॉडल की गाड़ियां कहीं भी पंजीकृत नहीं हो सकती थी। लेकिन हिमाचल प्रदेश में 5, 10 या 15 करोड़ रुपये की महंगी गाड़ियों के पंजीकरण का स्कैम हुआ है। ये गाड़ियां कहां पंजीकृत हुई? ये गाड़ियां पालमपुर, देहरा, नूरपुर और दाएं-बाएं पंजीकृत होती रही।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1140/बी.एस./ए0जी0/-1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी...

ये गाड़ियां कहां रजिस्टर्ड हुईं? पालमपुर, देहरा और नूरपुर में रजिस्टर्ड हुई हैं। जब मसला उठा तो वी0एस0-6 की गाड़ियों के डाक्यूमेंट्स नकली बनाए गए। उसके बाद उन गाड़ियों की कीमत घटाई गई। इन 10 करोड़ रुपये की गड़ियों को 2-3 करोड़ रुपये कर दिया गया। सारे देश की गाड़ियां हिमाचल प्रदेश में रजिस्टर्ड हो गई। हिमाचल प्रदेश में उनकी फीस भी तीन प्रतिशत थी। आप देश के किसी भी बड़े होटल में चले जाइए आपको हिमाचल प्रदेश के नम्बर की गाड़ियां मिल जाएंगी। हमने यह मसला उठाया उसके बावजूद इसे नजरअंताज किया जा रहा है। आखिर ये बड़े-बड़े घन्ना सेठों की गाड़ियां हिमाचल प्रदेश में रजिस्टर्ड की गई हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंडअप करें। आपका सारा विषय आ गया है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, विकास कैसे चला है? अभी इस पर तो चर्चा ही नहीं हुई है। 65 हजार करोड़ रुपये के नेशलन हाईवे कहां बने कृपया बताइए? आपने ऐलान किए कि 69 नेशनल हाइवे बनेंगे। आपने कौन सा नेशन हाइवे बनाया। आपने फोर-लेन बनाने की बात की थी। कौन सा फोर-लेन आपने बनया? आपने चार गुना मुआवजा देने की बात की थी। अब तक कहां दिया? रेल बनाने की बात की थी कि ऊना से हमीरपुर तक रेल लाइन बनेगी वह अभी तक नहीं बनी है। हम तो जंगलों में भी जा करके देख आए हैं। वहां पर कोई रेल लाइन नहीं बिछी है। मुख्य मंत्री जी पिछले पौने पांच साल से एयरपोर्ट की बात करते हैं। कल इनके अपने एयरपोर्ट की हवा निकल गई जब इन्होंने कहा कि मुआवजे की बात तो दूर जमीन भी अधिग्रहण नहीं हुई है और पैसा भी दिल्ली से नहीं आया है। यह इनका डवलपमैंट का मॉडल है। ये मण्डी का अवाई अड्डे की बात करते हैं। अध्यक्ष महोदय, फिजूलखर्ची रोकने के लिए इस सरकार ने कोई काम नहीं किया है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया समाप्त करें। आपको बोलते हुए 30 मिनट का समय हो गया है और आपकी सारी बात आ गई है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : किस तरीके से माफिया दनदना रहे हैं? शराब माफिया किस तरह से पैर पसार रहा है? 12 लोग पटाखा फैक्ट्री में मर गए और 6 लोग शराब माफिया

के कारण मर गए। रोज लोग दुर्घटना से मर रहे हैं। आज प्रदेश की हालत खराब हो गई है। आपने यहां कहा था कि चिट्टा के लिए निर्णायक काम करेंगे। आप बताइए कि आपने क्या काम किया है? आये दिन रोज लोगों की मृत्यु हो रही हैं। रोज अखबारों में लिखा जा रहा है कि संदिग्ध मौत। अब तक 40 किलों चिट्टा पकड़ा जा चुका है और कितना बिका है? चिट्टा जन जातीय क्षेत्रों तक पहुंच गया है, चिट्टा शिमला तक पहुंच गया है। माइनिंग में डी0जी0पी0 कहते हैं कि हमारे पास पॉवर ही नहीं है। आज सारी नदियां लूट दी गई हैं। प्रदेश को पर्यटन स्थल की जगह ड्रग्ज डेस्टिनेशन बना दिया है। मानव भारती ने पूरे भारत और दूसरे देशों में डिग्रियां बेच दी हैं। किस तरह से शिक्षा का सिस्टम चल रहा है? ये सब आपके सामने है। मुख्य मंत्री जी ने लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं की पौने पांच साल का

समय बीत चुका है। आपने जानबूझ कर लोकायुक्त तैनात नहीं किया। चीफ इन्फॉरमेशन कमिशनर इन्होंने तैनात नहीं किया। पब्लिक सर्विस कमीशन की सारी पोस्टे खाली पड़ी हैं। हम बार-बार कह रहे हैं और आपके नेता आदरणीय शांता कुमार जी भी कह रहे हैं कि जिस ढंग से लूट मची है वह सही नहीं है, यह उनका ब्यान है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया बैठ जाइए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात कहनी है। मण्डी में मुख्य मंत्री जी शिव धाम बना रहे हैं। आप बनाइए, हम भी शिव के आपसे ज्यादा भक्त हैं। लेकिन आपने 18,08, 63,615 रुपये का टैंडर लगाया था और उसे आपने दिया कितने का? उसे आपने 38 करोड़ रुपये का दिया है। यह आपकी चिट्ठी है। उसकी वैल्यू आपने 16 करोड़ रुपये रखी थी फिर आपने उसे 38 करोड़ रुपये का दे दिया? हमने प्रश्न में पूछा कि किन-किन अधिकारियों ने सेब के बागीचे खरीदे हैं? तो उत्तर आया कि सूचना एकत्रित की जा रही है। आज गैर हिमाचली अधिकारी सेब के बागीचे खरीद रहे हैं।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1145/ए.जी.-एन.जी./1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी.....

ये आई.ए.एस. व आई.पी.एस. बड़े पैमाने पर बगीचे खरीद रहे हैं और ऐसा करने के लिए इन्हें कौन अनुमति दे रहा है? क्या इन लोगों को यहां पर अफ़िसर्स इसलिए बनाया गया है कि यहां पर ये लोग सेब के बगीचे खरीद सकें और सरकार इन्हें अनुमति देती जाए?

अध्यक्ष : आपकी सारी बात आ गई है। आप अपने सदस्यों का ही समय ले रहे हैं। कृपया वाइंडअप कर दीजिए।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, भर्तियों, डिग्रियों और स्कोलरशिप्स में फर्जीवाड़ा चल रहा है। जो लाइसेंस 250 रुपये में बनता था वह अब 5,000 रुपये में बन रहा है। चालान की फीस बढ़ा दी गई है। अध्यक्ष महोदय, ये लोग हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों को

ओ.पी.एस. नहीं देना चाहते हैं। आऊटसोर्स कर्मचारियों और सरकार के मध्य से बिचोलियों को भी नहीं हटाना चाहते हैं। ये लोग करूणामूलक आधार पर नौकरियां नहीं देना चाहते हैं। ये लोग पुलिस व होम गार्ड के मसलों को भी हल नहीं करना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को कर्मचारियों का हजारों करोड़ रुपये देना है। मुख्य मंत्री जी घर से बाहर जाते हैं तो गुस्सा हो कर कहते हैं कि यह बोर्ड किसने लगा दिया, ये कौन हैं जो कह रहे हैं कि मुख्य मंत्री आंखें खोलो? पिछले कल मुख्य मंत्री जी बिगड़ कर चले गए थे। (...लम्बी घण्टी...) अध्यक्ष महोदय, चार साल की नौकरी वाली अग्निवीर योजना के सबसे पहले समर्थक हमारे मुख्य मंत्री जी हैं। हमारे लोगों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं और ये चार साल की नौकरी के हिमायती हो गए हैं।

11-08-2022/1145/ए.जी.-एन.जी./2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य प्लीज़ बैठ जाइए। क्या सब कुछ आप ही कह देंगे? आपकी ओर से बोलने वाले और भी माननीय सदस्य हैं उन्हें भी तो कुछ कहना होगा। कृपया आप बैठ जाएं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, हमारे पांच हज़ार लोग आर्मी में भर्ती होने वाले थे और उन्होंने क्वालिफाई भी कर लिया था। लेकिन आज उनको हटा दिया गया है। उसके बाद मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं कि मैं तो चार साल की नौकरी का पक्षधर हूं। मैं तो 4500-3000 रुपये की नौकरी का पक्षधर हूं। आप लोग कर्मचारियों, बागवानों, किसानों और हर वर्ग को राहत देने का काम नहीं कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि ये लोग यहां पर क्यों बैठे हुए हैं? आप लोग अपनी कुर्सियों से हट जाओ और त्यागपत्र दे दो। अध्यक्ष महोदय, हम सरकार से त्यागपत्र मांगते हैं और पूरी सरकार को त्यागपत्र देना चाहिए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, यदि आप वाइंडअप नहीं करना चाहते तो मैं सत्तापक्ष की ओर से बोलने वाले का नाम ले रहा हूं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं मांग करता हूं कि सरकार को त्यागपत्र देना चाहिए और मुख्य मंत्री जी को कुर्सी छोड़ देनी चाहिए।

11-08-2022/1145/ए.जी.-एन.जी./3

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय वन मंत्री, श्री राकेश पठानिया जी भाग लेंगे।

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने नियम-278 के तहत जो चर्चा लाई उसमें मैं भी अपने आपको सम्मलित करता हूं और मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मुझे बहुत उम्मीद थी कि आज मुकेश जी का बड़ा अच्छा भाषण सुनने को मिलेगा लेकिन ये इतना झूठ बोलेंगे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं कह सकता हूं कि इन्होंने यहां पर शुरू से लेकर अंत तक केवल झूठ का पुलिंदा रखा है। ये हर सत्र में एक बात उठाते हैं कि इतने रेप हो गए, इतने कांड हो गए और इतने मर्डर हो गए। मुझे इनकी इस बात का जवाब देते हुए पांच साल हो गए हैं कि यह जो रेप या चौरी-डकैती करने वाला होता है, ये सभी असमाजिक तत्व होते हैं। ये लोग हर सरकार के समय होते हैं और हर सरकार इन्हें ढूंढने व सजा देने का प्रयास करती है। क्या कोई रेपिस्ट किसी भी मुख्य मंत्री की पर्ची लेकर रेप करने जाता है? ...व्यवधान... मेरी बात ध्यान से सुन लो।...व्यवधान... आप गला फाड़ कर बोल रहे हैं, क्या आपको शर्म नहीं आती? इस बात की शर्म तो हम सब को आनी चाहिए। ...व्यवधान... अगर आपने मेरी बात ही नहीं सुननी है तो क्या फायदा? मैं कहना चाहता हूं कि ये रेपिस्ट किसी की प्रोपर्टी नहीं होते। ये असमाजिक तत्व होते हैं जिन्हें सभी को कंडेम्पट करना चाहिए। आप हर बार इस मामले को यहां पर उठा कर हमारे साथ जोड़ देते हैं। ...व्यवधान... जिस गुडिया कांड की आप बात कर रहे हैं उसके लिए तो आपके ही लोग कहते हैं कि बड़ा छोटा-सा कांड हुआ था। ...व्यवधान... आप हमेशा गला फाड़-फाड़ कर बोलते हैं कि आपने तो ठेकों की नीलामी नहीं की। मैं पूछना चाहता हूं कि आप भी सरकार में मंत्री थे तब आपने कब-कब नीलामी की थी? आपके समय में रेवन्यू ग्रोथ 11.13, 13.93, 14, 8 व 9 थी और फिर माइनस 61

चली गई जब आपने कॉरपोरेशन बनाई। इससे प्रदेश को कितने करोड़ रुपये का नुकसान हुआ? आज आप पूछ रहे हैं कि पुलिस कांड का पैसा कहां गया?

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1150/SS-AS/1

वन मंत्री क्रमागत :

आज आप पूछ रहे हैं कि वह पुलिस कांड का पैसा कहां गया, जनाब ये 700 करोड़ रुपया किसकी जेब में गया? किसने ये कारपोरेशन बनाई, तब आपने क्या पैसे को गिना था? आप 32 मिनट तक बोले हैं और 32 मिनट में आपने अपने 5 साल की मिनिस्टरशिप की एक भी उपलब्धि नहीं गिनाई। आपने कुछ कमाया होता तो बताते। आपने एक काम भी नहीं बताया। आप अपने इंडस्ट्री डिपार्टमैंट का एक काम बताते जो आपने मंत्री रहते हुए किया था। ये माफिया से कहां से आया। माफिया को लाने वाले आप लोग थे। आप लोग ही माफिया को लेकर आए। इसलिए मुकेश जी, बोलना बड़ा आसान है लेकिन सुनना बड़ा मुश्किल है। आप जरा ध्यान से सुनो। 32 मिनट के बाद जब आपका भाषण खत्म होने लगा तो आपने ओ0पी0एस0 का नाम लिया। 32 मिनट तक आपको ओ0पी0एस0 का नाम याद नहीं आया। आप मंदिर में जाकर खड़े होते और कसम खाते कि जब मैं सरकार में आऊंगा तो ओ0पी0एस0 देंगे। आपके छतीसगढ़ के मुख्य मंत्री अभी हाल में आए थे, छः प्रैस कॉंफ्रेंस कीं, मैं उन सभी की कॉपीज लेकर आया हूं। मैं आपको पूरी डिटेल दे देता हूं। वे खुद बोलकर गए हैं कि हमको भारत सरकार पर निर्भर करना पड़ेगा। ...व्यवधान... उन्होंने बिल्कुल ऐसा बोला। मैं प्रैस की कॉपीज लेकर आया हूं। वे बड़ा क्लीयर बोल कर गए हैं। ...व्यवधान... आप ओ0पी0एस0 बिल्कुल नहीं दे पाएंगे। कोई भी नहीं दे पायेगा। आप जरा ध्यान से बात सुन लीजिए। भवानी जी, आप कृपया बैठिए। बात को ध्यान से सुन लीजिए। ये 2006 में सी0पी0एस0 पर साइन किसने किए थे? इसको लागू 2003 से किया गया। ये साइन आपने कब किए? ज़रा ध्यान से बात सुन लीजिए। आशा जी, आप कृपया बैठें। आपने

2006 में साइन किए और सी0पी0एस0 2003 से लागू की। पूरे हिन्दुस्तान में जो इम्प्लॉइज की कंट्रीब्यूशन है वह 10 परसैंट जाती है और हिमाचल प्रदेश की 14 परसैंट जाती है। Thanks to the BJP Government कि आज हमारी 14 परसैंट की कंट्रीब्यूशन जाती है। आप गला फाड़-फाड़ कर बोल रहे हैं। जरा ध्यान से सुनिए, आपका छतीसगढ़ का मुख्य मंत्री और राजस्थान का मुख्य मंत्री, आप एक व्यक्ति बताएं जिसको उन्होंने पेंशन दी है। आप यहां पर खड़े होकर सिर्फ झूठ

11.08.2022/1150/SS-AS/2

बोलते हैं। आप केवल सदन को गुमराह करते हैं। ठाकुर साहब, आप बैठिए। आपके समय में 12 कर्मचारी नेता नौकरी से निकाले। धूमल साहब ने सत्ता में आते ही पहले उनको बहाल किया। आप तो केवल इम्प्लॉइज के दुश्मन हैं। आपने कभी उनका भला नहीं किया। आशा जी, आप बीच में न बोलें, फिर आपके केस के भी सारे किस्से निकालने पड़ेंगे। आप भी यहां पर जमानत पर बैठी हुई हैं। आप लोग कमाल करते हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली): ये इस माननीय सदन की चुनी हुई एम0एल0ए0 हैं। आप बार-बार जमानतों की बात कर रहे हैं आपको यह शोभा नहीं देता।

वन मंत्री : मैंने कब मना किया। ये जमानत पर हैं। ...व्यवधान... आप बोल रहे हैं कि महिला के विरोधी हैं। आपने रोहडू में जाकर क्या भाषण दिया और आप महिला के बारे में बात कर रहे हो? आपने रोहडू में जाकर भाषण दिया कि महिला नेत्री गोद में बैठी हैं। क्या यह भाषा आपके मुंह से अच्छी लगती है? आप ऐसी भाषा का प्रयोग करते हो और आप बोलते हो कि आप महिला हितैषी हो। आप लोग क्या बात कर रहे हैं ...व्यवधान...

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1155/केएस/एएस/1

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः राकेश जी, कम से कम रक्षा बन्धन के दिन आप महिलाओं को गाली तो मत दो।

वन मंत्रीः मुकेश जी, मैं तो केवल एक पासिंग रैफरेंस दे रहा हूं। मैंने कोई झूठ तो बोला नहीं और अगर झूठ बोला है तो आप मुझे बताएं। ...व्यवधान... आपने कहा कि इतना बड़ा पुलिस कांड हो गया। वर्ष 2016 में आपका क्या पुलिस कांड हुआ था? उसमें पेपर लीक हुआ था या नहीं? क्या आपने उसके ऊपर कोई इन्क्वायरी बिठाई थी या क्या आपने उसी वक्त उस पेपर को कैंसिल किया था? आपने नहीं किया था। आपके समय में पी.एम.टी. कांड हुआ था और उस समय जब लोग कोर्ट में गए तब जा कर उसके ऊपर इन्क्वायरी हुई। आपने क्या किया?...व्यवधान... मुकेश जी, आपने गला फाड़-फाड़ कर बोला कि टूरिज्म की प्रॉपर्टी बेच दी। आप हमें बताएं कि वाइल्ड फ्लावर हॉल किसने बेचा था? आप कमाल करते हैं, झूठ बोलते हैं। कम से कम एक हजार करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी आपने कौड़ियों के भाव में बेच दी थी और अब हिमाचल प्रदेश के बड़े रक्षक बन रहे हैं। जिस तरीके से आप लोगों ने हिमाचल को बेचा, लूटा उस तरीका का कोई एग्ज़ेम्पल भी सैट नहीं कर सकता। ...व्यवधान... आपने वाइल्ड फ्लावर हॉल कितने में दिया? हमने कोई प्रॉपर्टी नहीं बेची। सब लीज़ पर गई हैं। ...व्यवधान... चलो ज़रा पी.एम.टी. कांड पर भी आ जाएं। उसमें क्या हुआ था, कैसे पेपर बिके थे, कितने के पेपर बिके ? ...व्यवधान...

अध्यक्षः राकेश जी, एक मिनट बैठिए। यह इस चेयर ने निश्चित करना है कि कौन कितना बोलगा। मुकेश जी, आप 32 मिनट बोले हैं। आपको 32 मिनट का समय दिया है और इनको अभी 9 मिनट हुए हैं। प्लीज़ ऐसा मत करिए।...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः अध्यक्ष जी, जिस कुर्सी पर आप बैठे हैं उस कुर्सी पर कभी विट्ठल भाई पटेल बैठे थे। आज आप बैठे हैं तो कृपया न्याय करो।

11.08.2022/1155/केएस/एएस/2

अध्यक्षः मुकेश जी, आप 32 मिनट बोले हैं। श्री राकेश पठानिया जी, आप बोलिए।

वन मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, अगर ये 35 मिनट बोल सकते हैं तो 10 मिनट हम भी बोल सकते हैं। ...व्यवधान... सुक्खू जी, यही तो आपकी लड़ाई है जो आपको ले डूब रही है। जो हालात आपके बने हुए हैं और क्या आप समझते हैं कि हिमाचल के लोग बेवकूफ हैं जो आपको वोट डालेंगे। ... व्यवधान... आपने उत्तर प्रदेश में अभी चुनाव लड़ा। मैं पूरे देश की कांग्रेस की बात कर रहा हूं। 399 सीटों पर आपने चुनाव लड़ा और 387 में आपकी जमानत जब्त हुई। ...व्यवधान... ज़रा ध्यान से सुन लो। परसों जब विधान सभा खत्म होगी तो आप सभी से निवेदन है कि बाहर जा कर फोटो खींचवा लेना क्योंकि अगली बार आप में से आधे सदस्य भी वापिस विधान सभा में नहीं आएंगे। आप नो कॉंफिडेंस की बात कर रहे हैं? आज हिमाचल के लोग इतने बेवकूफ नहीं है कि कांग्रेस को वोट डालेंगे। कांग्रेस को वोट डालकर मिलेगा क्या? आज कांग्रेस है ही कहां और यहां भी अब कांग्रेस जाने वाली है। ...व्यवधान... वर्ष 2022 का आपका लास्ट काउंट होगा। इसके बाद आप 10 से भी नीचे आएंगे, यह बात आप ध्यान से सुन लेना। आज यहां पर नो कॉंफिडेंस नहीं, आज हमारा यह ट्रेज़री बैंच जय राम ठाकुर के नेतृत्व में कॉंफिडेंस व्यक्त करता है कि सरकार ने बेहतरीन काम किया है और हिमाचल प्रदेश की जनता को हर सम्भव राहत दी है। कोरोना की लड़ाई में भी आपकी बकवास बंद नहीं हुई। वहां पर भी आप सरकार के साथ खड़े नहीं हुए। ...व्यवधान....

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः राकेश जी, बकवास से आपका क्या मतलब है?

वन मंत्रीः बकवास मतलब जो आप अभी कर रहे हैं, इसको बकवास बोलते हैं। एग्जेंम्पल मैंने आपको दे दिया है। जो अभी आप बोल रहे हैं इसको बकवास बोलते हैं। ...व्यवधान...

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

चर्चा क्रमागत--------

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आप कैसे शब्दों का का प्रयोग कर रहे हैं, आप एक मंत्री हैं। ...व्यवधान...

वन मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं वर्तमान सरकार द्वारा पिछले 5 वर्षों में किए गए कार्यों के लिए माननीय श्री जय राम ठाकुर जी को बधाई देना चाहूंगा। माननीय मुकेश अग्निहोत्री जी, आपने आज यहां पर महंगाई, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था इत्यादि के संदर्भ में जो मुद्दे उठाए हैं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि इन सारी चीजों के चैंपियन तो आप लोग खुद हैं। आप इसके लिए हमें क्यों कोस रहे हैं? आपने इन सारी चीजों में पी0एच0डी0 कर रखी हैं, आप तो सारे-के-सारे इस काम के डॉक्टर्ज हैं और दोष आप हमारे ऊपर लगा रहे हैं। आपने कौन-सा भ्रष्टाचार का कांड नहीं किया? आप जो यहां पर बेवरेज कॉर्पोरेशन की बात कर रहे थे तो इस बारे में मेरे पास पूरी डिटेल है। आपने जिस तरीके से आबकारी एवं कराधान विभाग का गला घोंटा है और किसने घोंटा, किस परिवार ने घोंटा, उस वक्त आबकारी एवं कराधान विभाग का मालिक कौन था और वह पैसा कहां गया; आप इन सारी बातों को सुनना चाहेंगे या मैं आपको इस बारे में लिखकर दूं। इसलिए सही कहा गया है कि जब अपने घर शीशे के हों तो दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं मारा करते। ...व्यवधान... सुन लिया करो, हमारी बात को सुन लिया करो। आज पूरे देश में रिवाज बदल रहा है और बड़ी तेजी से बदल रहा है। उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा और उत्तराखण्ड में रिवाज बदला है। ...व्यवधान... मैं आपको बता दूं कि न राज बदलेगा और न ही सरकार बदलेगी। आप इस बार 22 सदस्य हैं और अगली बार आपमें से केवल 9 रह जाएंगे। मैं आपको स्पष्ट करना चाहूंगा कि आपके समय में जितने भी भ्रष्टाचार के कांड हुए ...व्यवधान... मैं डिटेल में जाऊंगा तो आपको तकलीफ होगी। ...व्यवधान... मेरा मुंह मत खुलवाओ क्योंकि आपने डेढ़ महीने बाद चुनाव लड़ने भी जाना है। ...व्यवधान... माननीय सदस्य श्री विक्रमादित्य

सिंह जी, आपको ऐसी बातें शोभा नहीं देती। ...व्यवधान... आप बोलने लायक है भी नहीं, आप क्या बोलेंगे?

11-08-2022/1200/av/dc/2

अगर आप बोलने लायक होते तो बोलते मगर इस लायक तो आप बचे ही नहीं हैं। इसलिए इस प्रकार के हसीन सपने लेना बंद कर दीजिए कि आप सरकार बनाएंगे। हां, यह फैसला जरूर कर लीजिए कि आपका लीडर कौन है। ...व्यवधान... हमारे लीडर को पूरा देश जानता है। यह पहली बार हुआ है जो हमारी सरकार ने इस प्रकार की पारदर्शिता दिखाई है। हमारे मुख्य मंत्री जी को रात के 11.00 बजे पेपर लीक का पता चला, उसी वक्त उसको रद्द करने के आदेश जारी हुए और एक महीने के अंदर सारी प्रक्रिया पूरी करके वह पेपर दोबारा लेकर सबको नौकरी भी दे दी गई। इस सरकार ने जितने भी कार्य किए वे सारे-के-सारे कर्मचारियों के हित में किए और आप लोग तो केवल कर्मचारियों के लीडर्ज का गला घोंटते रहें। आज भी श्री गोपाल दास वर्मा बाहर घूम रहा था। आपने अपने समय में जिस-जिस के गले घोंटे वह किसी से छिपा हुआ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वर्तमान सरकार और माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि अगर हिमाचल प्रदेश की किसी ने सही मायनों में रक्षा की है तो श्री जय राम ठाकुर जी ने की है। धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आपने निर्धारित समय के अंदर अपनी बात पूरी की है। अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री जगत सिंह नेगी जी भाग लेंगे।

श्री नेगी जी टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1205/टी0सी0वी0/डी0सी0-1

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, नियम-278 के अंतर्गत मंत्री परिषद् में अविश्वास प्रस्ताव " This House expresses No-Confidence in the Council of Minister", as

the Government has failed on all fronts, उसमें यह जोड़ना चाहता हूं कि miserably failed on all fronts. इसके साथ ही मैं आपका ध्यान नियम-299 (ii) की ओर दिलाना चाहता हूं जिसमें लिखा गया है कि "(ii) shall not interrupt any member while speaking by disorderly expression or noises or in any other disorderly manner;" इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि आप इस नियम के तहत मझे बोलने दें और मुझे डिस्टर्ब न करें। माननीय वन मंत्री जी अभी माननीय सदन में इस तरह से बोल रहे थे जैसे अविश्वास प्रस्ताव हमारे खिलाफ है जबकि अविश्वास प्रस्ताव इनके खिलाफ है। ये भूल गए कि किधर बैठे हैं? दूसरा, ये कह रहे थे कि इतने मर्डर और रेप के केसिज तो होते रहते हैं, ये कोई नई बात नहीं है। ...व्यवधान आपके कहने का मतलब यही था। मुख्य मंत्री ने जब इस माननीय सदन में पहली बार वक्तव्य दिया तो इन्होंने बहुत बड़ी-बड़ी बातें की। इन्होंने कहा कि राम राज्य लाउंगा, यह इन्होंने अच्छी बात कही। इन्होंने जो दूसरी बात कही उसमें थोड़ा-सा घमंड और अहंकार था। इन्होंने कहा कि हम 25 साल राज करेंगे। मैं वन मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या राम राज्य में इतने रेप और मर्डर होते थे। अगर आपने राम राज्य लाना है तो आपको यह बताना होगा कि पिछली सरकार के समय में रेप और मर्डर के जितने केसिज हुए, हमारी सरकार के समय में उससे कम हुए हैं। इसका मतलब आपने अच्छा काम किया और आपने सुशासन चलाया। लेकिन इनकी सरकार निकम्मी थी इसलिए इतने सारे मर्डर और रेप के केसिज हुए। हमने इसलिए ही यह अविश्वास प्रस्ताव लाया है कि आप निकम्मे हैं, आपने कोई काम नहीं किया है, हमारा आप में विश्वास नहीं है और आप इस कुर्सी पर बैठने लायक नहीं है। इसलिए आप जाइये।

अध्यक्ष महोदय, मुंह चलाने और प्रदेश चलाने में बहुत फ़र्क है। ये अपनी पांच साल के समय में केवल मुंह चलाते रह गये। अब आखिरी दिनों में क्या करेंगे और हमें इनसे उम्मीद भी नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी पांच साल में आपने प्रदेश को राम राज्य नहीं बनाया। आपने प्रदेश को माफिया राज्य, महंगाई राज्य,

किसान विरोधी राज्य, बेरोजगार राज्य, महिला विरोधी राज्य, जनजातीय विरोधी राज्य, अनुसूचित जनजाति विरोधी राज्य बना दिया। ऐसा कौन-सा वर्ग है जिसके लिए आपने कुछ किया है? आपके राम राज्य का मॉडल सामने आ गया है। आपने विकास की ऐसी-तैसी फेर दी है। मुख्य मंत्री जी आपसे पहले भी यहां मुख्य मंत्री रहे। उनमें डॉ0 यशवंत सिंह परमार जिन्होंने इस प्रदेश का निर्माण किया और उनको आज भी लोग याद करते हैं। उसके बाद ठाकुर राम लाल जी आए उनका नाम भी लोग बड़ी इज्जत से लेते हैं। उसके बाद श्री वीरभद्र सिंह जी आए और उन्होंने हिमाचल को एक विकास प्रदेश बनाया। इसके पश्चात् श्री शांता कुमार जी और धूमल जी आए, उनका भी लोग इज्जत से नाम लेते हैं परंतु आपको हेलिकॉप्टर वाले मुख्य मंत्री के रूप में याद रखा जाएगा क्योंकि आप हेलिकॉप्टर से नीचे उतरते ही नहीं है या फिर आपका नाम होर्डिंग वाले मुख्य मंत्री रखा जाएगा। आपने इस गरीब प्रदेश के करोड़ों रुपये होर्डिंगों में लगा दिए। आप जनजातीय क्षेत्र के किसी गांव में नहीं पहुंचे लेकिन आपका होर्डिंग जरूर पहुंच गया। ये 5-5 लाख रुपये के होर्डिंग (***) उन होर्डिंग का क्या फायदा? इतने पैसों से कहीं शौचालय बना देते, किसी स्कूल में कम्प्यूटर ही लगा देते तो अच्छा होता। आपको यह प्रदेश हेलिकॉप्टर वाले मुख्य मंत्री के रूप में याद रखेगा। जब मरीज ज्यादा समय तक बिस्तर में रहता है तो उसको बैड-सोर हो जाते हैं। आपको तो हेलिकॉप्टर-सोर हो गया होगा। अब आपको कुशन की जरूरत है और आपको कुशन देना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, जिस दिन वर्ष 2017 में कांग्रेस की सरकार गई और जिस दिन मुख्य मंत्री जी की सरकार ने अपना कार्यभार संभाला तो क्या आपको

(***)अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1210/NS/HK/1

श्री जगत सिंह नेगी ..... जारी

कोई (***) **ऐसा** प्रदेश दिया? 50,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनी हुई थीं। 10,000 से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बने हुए थे, लगभग 3000 ए थे, होस्टल बने हुए थे और हर गांव में बिजली व पानी पहुंचा हुआ था। क्या हमने आपको (***) **ऐसा** प्रदेश छोड़ा था? जब आप जाओगे तो आप इस प्रदेश को कर्ज़दार राज्य बना कर जा रहे हो। हमारे ऊपर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का ऋण छोड़ कर जाएंगे। ये आपकी बात है। आपके अंदर क्या कॉन्फिडैंस आएगा? क्या आपको हमने (***) **ऐसा** प्रदेश छोड़ा था? हम आपको सब कुछ देकर गए थे। आपने उसके ऊपर अगर सुशासन चलाया होता तो बात कुछ और होती। आप वर्दी घोटाला नहीं करते, आपसे पुलिस का अधिकारी नहीं पकड़ा जाता है। बेचारे जिस गरीब ने अपनी नौकरी के लिए जमीन बेच कर पेपर खरीदा उसको जेल के अंदर कर दिया और जिस पुलिस वाले ने पेपर बेचा आप उसको अंदर नहीं कर पाए। 150 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि कहां गई? आप उसकी बात नहीं करते हैं। आप इस बात को सुनने के लिए तैयार ही नहीं हैं। ठीक है, आपका हिमाचल प्रदेश पर राज करने का 5 साल का समय जा रहा है। यह आज पहली बार है कि 'No Confidence Motion' बहुत कम आता है। यह तब आता है जब कॉन्फिडैंस भूल जाते हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठिए। माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाह रहे हैं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर एक चीज़ जरूर कहना चाह रहा हूं कि जब भी कोई सदस्य उठता है तो वह ऋण पर जरूर बोलता है। एक सदस्य बोलता है कि ऋण 80,000 करोड़ रुपये है, दूसरा बोलता है 70,000 करोड़ रुपये, तीसरा बोलता है 90,000 करोड़ रुपये है और कोई बोलता है कि 75,000 करोड़ रुपये ऋण है। कम-से-कम मुझे आपसे इस प्रकार की उम्मीद है कि अगर आप बोलें तो आप तथ्य पर बोलें। मैं आपसे यह जरूर कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक्चुअल पोजीशन में मैं आपके इस कथन पर ही बोलना चाह रहा हूं बाकी और जो आप बोल रहे हैं उसको आप बोलते रहिए। देखिए, वर्ष 2017-18 में पांच वर्ष के कार्यकाल में ऋण 28,707 करोड़ रुपये से बढ़ कर जब आपकी सरकार गई तो लगभग 48,000 करोड़ रुपये कर्ज के रूप में हमें मिला। देखिए, इसमें ऋण की कितनी वृद्धि थी? आपके समय में ऋण की वृद्धि 67

(***)अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

11-08-2022/1210/NS/HK/2

प्रतिशत बढ़ी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं पत्रकार बंधुओं से भी चाहूंगा कि पूरा रिकॉर्ड करें कि फैक्चुअल पोजीशन क्या है? वर्तमान सरकार में आज की तारीख में 64,904 करोड़ रुपये का कर्ज है और यह फैक्ट है। आप यहां पर 80,000 करोड़ रुपये कर्ज बोल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, दूसरा, हमारे कार्यकाल के दौरान अगर वृद्धि की दर निकालें तो it is 35 percent और इनकी 67 प्रतिशत थी। मैं यहां पर यह फैक्ट लाना चाहता हूं। आप इस बात को समझा करो। आपकी सरकार के समय में कोविड महामारी नहीं फैली थी। कोविड के कारण पूरी दुनिया और देश तथा प्रदेश की इकोनोमी बर्बाद हुई है और ये सिचुएशन आपके सामने थी। आप जो मर्जी कहें। यह हैलीकॉप्टर वर्ष 1993 के पश्चात प्रयोग में लाया जा रहा है। जय राम आया तो मैंने यह हैलीकॉप्टर नहीं लाया। वर्ष 1993 में जब आपकी सरकार थी उस समय से लेकर प्रदेश सरकार के पास लगातार हैलीकॉप्टर है। आपकी सरकार के दौरान बड़ा हैलीकॉप्टर था। ...व्यवधान रूस से जो हैलीकॉप्टर आ रहा था उसको हमने रद्द कर दिया क्योंकि उसमें टैक्निकल फाल्ट था। उसको लगभग 8 करोड़ रुपये की पैनल्टी पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, आज तक का सबसे चीपेस्ट कोस्ट पर हैलीकॉप्टर अगर है तो वर्तमान में हिमाचल प्रदेश सरकार के पास है। मैं आपको फैक्ट बता रहा हूं। हैलीकॉप्टर किसके लिए इस्तेमाल होता है? हम दूरदराज़ के क्षेत्रों जैसे किन्नौर, भरमौर और पांगी में जाने के लिए इस्तेमाल करते हैं

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.08.2022/1215/RKS/HK-1

मुख्य मंत्री ... जारी

ताकि हम उन क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुन सके। ऐसा नहीं है कि हम हैलीकॉप्टर में ही बिस्तर लगाकर सो जाते हैं। जिस शब्द का आप इस्तेमाल कर रहे हैं, यह उचित नहीं है। आपको शब्दों के चयन में सब्र रखनी चाहिए।

अध्यक्ष : श्री जगत सिंह सिंह नेगी जी अब आप अपनी बात रख सकते हैं।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, हम पहले से ही समझदार हैं, समझने की जरूरत इन्हें हैं। अगर मैं 80 हजार करोड़ रुपये की गलत बात कर रहा हूं तो मुख्य मंत्री जी इसके लिए श्वेत पत्र लेकर आएं। आपके पास सभी विभाग हैं और आप एक बड़ी प्रैस कॉन्फ्रेंस करके जनता को बताएं की हम गलत कह रहे हैं। दूसरा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हैलीकॉप्टर नहीं होना चाहिए। आप 10 हैलीकॉप्टर रख सकते हैं लेकिन सोलन जाने के लिए हैलीकॉप्टर का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। सोलन के लिए बाई रोड एक घंटे का रास्ता है। लेकिन जब आप हैलीकॉप्टर से जाते हैं तो पहले ही सारा ट्रैफिक रोक दिया जाता है जिससे जनता को काफी पेरशानी होती है। 15 मिनट तो हैलीकॉप्टर के पंखे को घुमाने में ही लग जाते हैं।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य हैलीकॉप्टर का मामला आ गया है। आप अगली बात रखिए।

श्री जगत सिंह नेगी : सर, मैं हैलीकॉप्टर की बात को छोड़ देता हूं। मैं अभी मुख्य मंत्री के पिछले पांच बजटों के भाषणों को खंगाल रहा था। इनमें आगे दौड़ पीछे चौड़ वाली बात है। आपने पिछले बजट में नई राहें, नई मंजिलें का ज़िक्र किया था लेकिन अगले बजट में वे नई राहें, नई मंजिलें खत्म हो गई। हर बार नई योजनाओं का नामकरण हो रहा है और पांच वर्षों में आपने यही किया। ...व्यवधान... माननीय शिक्षा मंत्री जी आपने शिक्षा का बेड़ागर्क कर दिया है। शिक्षा विभाग में जो हो रहा है पहले आप उसकी चिंता कीजिए। मुझे टोकने से आपका शिक्षा विभाग ठीक नहीं होगा। आपने जनजातीय

11.08.2022/1215/RKS/HK-2

विकास योजना व अनुसूचित जनजाति योजना का नाम बदल दिया। आपने इन योजनाओं के लिए बजट में भी हेरा-फेरी कर दी। आपने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जितने भी स्कैटर्ड ट्राइब्ज हैं उनके लिए बजट दिया जाएगा। लेकिन मैं इस विषय पर बाद में चर्चा करुंगा।

आपने बजट भाषण में काफी शेरो-शायरी की है और इसके लिए मैं आपकी तारीफ करुंगा। आपने 98 शेर बोले हैं। आपने कहा थाः

घर के बाहर रास्ते में भी जला लो कुछ दीये।
ये न सोचा की कौन गुजरेगा उधर से।

आपने ये बहुत अच्छी बात कही है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया वाइंड-अप करें।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी तारीफ कर रहा हूं। इन्होंने दीये जलाने की बहुत बढ़िया बात की थी लेकिन आपने सारे-के-सारे दीये अपने घर में ही जला दिए। इन्होंने अपने साथियों के घरों में भी दीये नहीं जलाये। हमारी बात तो दूर थी लेकिन जो इन्होंने अपने घर में दीये जलाए हैं वे भी आधे-अधूरे थे जो बाद में बुझ गए।

आपने कहाः

ख्वाब देखे हैं, हौंसले भी जिंदा हैं।
हम वो हैं जिनसे मुश्किलें भी शर्मिंदा हैं।

आपने यह ठीक कहा है। आज बेरोज़गार, महंगाई, भ्रष्टाचार, जनजातीय लोग, किसान और अनुसूचित जाति के लोग शर्मिंदा है। क्योंकि आपने किसी भी वर्ग का काम नहीं किया है।

आपने एक शेर और कहा हैः

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1220/बी.एस./वाई0के0/-1

श्री जगत सिंह नेगी जारी...

"जिनके होंठों पर हंसी और पांव में छाले होंगे,

वही लोग अपनी मंजिल पाने वाले होंगे।

आप तो हैलीकॉप्टर में उड़ते रहे, पांव में छाले आपके नहीं परंतु हमारे आए। हम तो सड़कों पर बैठे रहे और हमारे पांव भी टूट गए। आज किसान, कर्मचारी,जनजातीय लोग, आउटसोर्स, शिक्षक सड़कों पर हैं। आज उनके पांव में छाले नहीं परंतु फोड़े हो चुके हैं। मुख्य मंत्री जी आप उनकी चिंता कीजिए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें अभी सत्ता पक्ष से भी माननीय सदस्यों ने बोलना है।

श्री जगत सिंह नेगी : अध्यक्ष महोदय, मुझे 15 मिनट बालने दीजिए। ...व्यवधान बी0जे0पी0 के राज में राम राज्य तो नहीं आया परंतु विधायकों की संस्था को सबसे कमजोर किया है। आप विधायकों को मान सम्मान नहीं दे सके। विधायकों के मान को अगर ठेस पहुंची है तो आदरणीय जय राम जी की सरकार में पहुंची है। आज अधिकारी हमारी चिट्ठी का जवाब नहीं देते हैं। आज अधिकारी मुख्य मंत्री का नाम ले करके कहते हैं विधायक को किसी कार्यक्रम में न बुलाया जाए। विधायको को आपने हर तरफ से कमजोर किया है। जिस दिन आप जाओगे यह हिमाचल के इतिहास में लिखा जाएगा।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य कृपया बैठ जाइए।

श्री जगत सिंह नेगी: आज ट्राइबल कौंसिल की मिटिंग क्यों नहीं हो रह है? संविधान के अनुच्छेद-पांच के तहत यह जरूरी है कि वर्ष में एक मिटिंग होनी चाहिए। ये कम-से-कम वर्ष में दो बार होती है। जनजातियों के बजट का पैसा 65 प्रतिशत गैर जनजातीय क्षेत्रों में खर्च कर रहे हैं। हमारे साथ वेइंसाफी हो रही है। ...व्यवधान

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, ये विधान सभा है आप तथ्यों के ऊपर बोलिए

11.08.2022/1220/बी.एस./वाई0के0/-2

श्री जगत सिंह नेगीः महोदय, मुख्य मंत्री जी के नाम के आगे जय राम लगने से राम राज्य नहीं आएगा। (घंटी) इनके इस मंत्री मंडल को तुरंत प्रदेश हित में, कर्मचारी हित में, जनजातीय लोगों के हित में, अनुसूचित जातीय लोंगो के हित में और बागवानों के हित में तुरंत इस्तीफा देना चाहिए और हरिद्वार की तरफ जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया आपका धन्यवाद।

अध्यक्ष : माननीय सदन में माननीय सदस्य ने कुछ शब्दों का प्रयोग किया है जैसे (***) । ऐसे शब्द जो असंसदीय हैं इन्हें कार्यवाही से निकाला जाए। माननीय सदस्यों से मेरा निवेदन है कि आप विषय को बार-बार न दोहराएं और अगर उनको लगता है कि वे अविश्वास प्रस्ताव लाये हैं तो वे तथ्यों पर बोलें। हम यहां कई बार पेपर्ज को हाथ में ले करके हिला रहे हैं, कृपया उन्हें बोलने से पहले मान्य सदन में पस्तुत करें। यहां कोई जन सभा नहीं है। मैं पूरे सदन को यह कह रहा हूं।

(***)अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1225/वाई.के.-एन.जी./1

अध्यक्ष जारी.....

माननीय श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी आप बैठ जाइए। आपके एल.ओ.पी. जो बोलते हैं हम उसे एंडोर्स कर देते हैं। आप उनके साथ तालमेल बनाएं। ...व्यवधान... मुख्य मंत्री जी क्यों नहीं बोलेंगे? ...व्यवधान... यहां पर मुख्य मंत्री जी व मंत्रियों की तरफ इशारा होगा तो क्या वे अपनी बात नहीं रखेंगे? क्या ये स्पष्टीकरण नहीं देंगे? यह इनका अधिकार है। ...व्यवधान... माननीय सुक्खु जी आप इस सदन में काफी वर्षों से सदस्य हैं और आपको

मालूम होना चाहिए कि यहां पर चर्चा के दौरान मुख्य मंत्री, मंत्रीगण या विधायकों के बारे में कुछ कहा जाएगा तो उन्हें स्पष्टीकरण देने का अधिकार है। चेयर उनको अलाऊ करती है तभी ये बोलते हैं। ये लोग अनुमति मांगते हैं तो मैं अलाऊ करता हूं। ...व्यवधान... यह जन सभा नहीं बल्कि विधान सभा है। यहां पर जो भी बोलना है फैक्ट के ऊपर बोलें। माननीय श्री मुकेश अगिन्होत्री जी 35 मिनट बोले हैं और हमने उन्हें नहीं रोका। ये तो दो घण्टे भी बोल सकते हैं लेकिन इन्होंने अपनी बात को कम समय में बंद कर दिया। माननीय श्री राकेश पठानिया जी तो मंत्री हैं लेकिन इन्होंने 10 मिनट में अपनी बात समाप्त कर दी। ...व्यवधान... बैठ जाइए। ...व्यवधान... आपके हिसाब से व्यवस्था नहीं हो सकती। आप कुछ कहेंगे तो सत्तापक्ष को बोलने का पूरा अधिकार है। ...व्यवधान... संसदीय कार्य मंत्री जी कोर्डिनेट करते हैं। ...व्यवधान... मैं पूरे सदन की चिंता करता हूं। ...व्यवधान... हमारी शब्दावली और हम जो बात यहां पर रख रहे हैं वह वैसी न हो कि सत्तापक्ष को बीच में उसका उत्तर देना पड़े। यदि आप लोग किसी विभाग, मंत्री या मुख्य मंत्री जी की तरफ इशारा कर रहे हैं तो क्या इन्हें बोलने का अधिकार नहीं होना चाहिए? आप लोग अपनी भाषा को ठीक कीजिए। ...व्यवधान... यहां पर स्पष्टीकरण तो होगा।...व्यवधान.. अब इस चर्चा में माननीय उद्योग मंत्री, श्री बिक्रम ठाकुर जी भाग लेंगे।

11-08-2022/1225/वाई.के.-एन.जी./2

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नियम-278 के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर जो चर्चा हो रही है उसमें आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। विपक्ष के लोग मंत्रियों के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाए हैं लेकिन यहां पर तो यह महसूस हो रहा है कि इन कांग्रेसी मित्रों को अपने आप पर ही विश्वास नहीं है। मुझे ऐसा लगता है कि इनके मन में केवल सरकार या मंत्रियों की कारगुजारी का प्रश्न नहीं है बल्कि इनके मन में यह प्रश्न है कि कैसे इस माननीय सदन में अपने आप को नेता या जन नेता साबित किया जाए। विपक्ष में यह बहुत बुरी तरह से प्रतिस्पर्धा चली हुई है। पिछले कईं दिनों से यही चला हुआ है कि किस प्रकार से श्री मुकेश अग्निहोत्री जी को डाऊन किया जाए, किस प्रकार से श्री

सुखविन्द्र जी को डाऊन किया जाए या किस प्रकार से किसी तीसरे को डाऊन किया जाए। ...व्यवधान... आप लोग अपनी लड़ाई को खत्म करो। आप लोग हमसे पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है तो हम आपको बेबाक बोल रहे हैं कि हमारे नेता आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी हैं। आप हमें ये बताएं कि आपका नेता कौन है और आप किस पर विश्वास करते हैं? ...व्यवधान... आप हमें बताएं कि आप लोग किसके पीछे चलना चाहते हैं?

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1230/SS-AG/1

उद्योग मंत्री क्रमागत :

देखिए, सच्चाई बड़ी कड़वी होती है। आदरणीय पठानिया जी ने एक छोटी-सी बात कह दी और उसको आपने महिला के साथ जोड़ दिया, आपने दूसरी बात के साथ जोड़ दिया। क्या आप यह नहीं मानते कि अगर कोई व्यक्ति जमानत पर है तो उसके बारे में बोलना चाहिए कि वह जमानत पर है? हमें यह मानना चाहिए कि उन्होंने कोई-न-कोई गलती की है जिसके कारण से ये विषय आए हैं। केवल और केवल उनकी बात नहीं है बल्कि इस सदन के अंदर बहुत से ऐसे लोग हैं जो जमानत पर हैं। उनके ऊपर केसिज लगे हुए हैं। ठीक है, जब फैसला आयेगा तो देखेंगे। आज यहां पर भ्रष्टाचार की बात होती है, आज यहां पर महिलाओं के सम्मान की बात होती है। ये वे दिन भूल गए जिस दिन आपके एक सम्माननीय सदस्य बोल रहे थे कि फलांनी महिला ठेकेदार की गोद में बैठकर फैसले करती है। आपको भूलना नहीं चाहिए कि जिस समय आप दूसरे के ऊपर अंगुली उठाते हो तो उस समय यह ध्यान रखें कि आपने क्या कहा और क्या किया। भ्रष्टाचार की बात आप हमें सीखा रहे हो। मुझे अच्छा लगता, जब आप यहां पर बोले रहे थे तो मंत्रियों की कारगुजारी व उनके विभाग पर बात करते। आप लोग मंत्रियों की कारगुजारी और विभाग के ऊपर कोई बात नहीं कर रहे हो। आदरणीय अग्निहोत्री जी ने जाते-जाते एक बात कही। आप उस विषय के ऊपर बात कर रहे हो जिस विषय को आपने बंद किया। आप उस

विषय के ऊपर बात कर रहे हो जहां पर आपने कर्मचारियों के गले को दबाया। उसके बाद आप दोबारा 2012 में सत्ता में आए, तब आपको ओ0पी0एस0 याद नहीं आई। आप 2017 तक सत्ता में रहे, तब आपको ओ0पी0एस0 याद नहीं आई। आज कैसा वक्त आ गया कि आदरणीय अग्निहोत्री जी को मंदिर में खड़े होकर बोलना पड़ रहा है कि मुझे माता की कसम है कि अगर हम सत्ता में आ गए तो ओ0पी0एस0 लेकर आएंगे। सुनिए, ये कसम इसलिए नहीं खाई की ओ0पी0एस0 दिलवाएंगे बल्कि कसम इसलिए खाई और यह शो करने की कोशिश की कि मैं कांग्रेस का नेता हूं। ये लड़ाई और नहीं है, ये लड़ाई ओ0पी0एस0 की नहीं है, ये लड़ाई भ्रष्टाचार के विरुद्ध नहीं है बल्कि आपके मन में

11.08.2022/1230/SS-AG/2

जो लड़ाई है आप उसके बारे में बात करिए। काबलियत की बात करिए। मेरे को बड़ी तकलीफ होती है जब मैं आपके मुख से ऐसी बातें सुनता हूं कि भ्रष्टाचार हो गया। आपके जमाने में क्या-क्या हुआ सब जानते हैं। सेब ढोने से लेकर अभी माननीय वन मंत्री ने बात की है कि आपने किस प्रकार से एक्साइज पॉलिसी का सत्यानाश किया। उसको खराब किया। उसका पूरा-का-पूरा डाटा मैं आपको बता रहा हूं। ये मंत्रियों की कारगुजारी के ऊपर आपका अविश्वास प्रस्ताव है। सुनिए, सिरमौर वालों आपको अभी तक समझ नहीं आई कि असली मसला क्या है। इसलिए पहले बात को समझो और समझने के बाद बोलो। ...व्यवधान... माननीय अध्यक्ष जी, आपने देखा कि हर्षवर्धन के बाद श्री विनय कुमार जी को अब समझ आया कि बात क्या है। यहां पर बहुत कुछ बोला गया, अच्छा होता कि अगर आप बात करते कि आदरणीय श्री जय राम ठाकुर की सरकार एक ऐसी सरकार है कि अगर भर्ती के अंदर किसी प्रकार की गड़बड़ी हुई तो एकदम डिसीजन लिया गया कि भर्ती को रद्द किया जाए। आप लोग कौन-सी बातें कर रहे हैं? पी0एम0टी0 में इतना बड़ा घपला हो गया और उस समय की सरकार ने मन में ठान लिया कि इसको कैंसल नहीं करना है। लोग कोर्ट के अंदर गए तब कैंसल करने का फैसला लिया गया। आप वे बातें कर रहे हैं जो

काम आप लोगों ने किए हैं। हमारी साफ-सुथरी सरकार है। आप कहते हैं कि ये तो पिछले दरवाजे से भर्तियां करने वाली सरकार है।

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1235/केएस/एजी/1

उद्योग मंत्री जारी---

क्या आप भूल गए, आपकी सरकार के समय में ही चिट्टों पर भर्तियां हुईं। आपके जमाने में एक ही विधान सभा क्षेत्र के सारे के सारे लोग जो बड़े होशियार थे, कंडक्टर रख लिए गए। ...व्यवधान... हमने ऐसा काम नहीं किया। रिकॉर्ड निकाल कर देख लो। हमने ड्राइवरों की भर्ती की है, एक भी आदमी कोर्ट में नहीं गया। एक ही विधान सभा क्षेत्र के लोगों को नहीं रखा गया। वहां पर यह नहीं हुआ कि केवल मात्र मुख्य मंत्री या किसी मंत्री के क्षेत्र के लोग रखे जाएं। पारदर्शिता के साथ काम हुआ है लेकिन आप लोगों ने तो कंडक्टरों की भर्ती में भी घोटाला किया था। वर्ष 2016-17 में स्पोर्टस् कोटे की रिक्रूटमेंट हुई बहुत बड़ा घपला हुआ जिसमें शिमला डिविज़न ...व्यवधान... मुकेश जी, आपको पता ही नहीं है, यही तो आपकी समस्या है। यह केस कोर्ट में चल रहा है भाई साहब और अगर आपने मुख्य मंत्री बनना है तो कृपया शांत बैठे। शिमला डिविज़न, धर्मशाला डिविज़न, मण्डी डिविज़न, हमीरपुर डिविज़न, इन चारों डिविज़नों के चार-चार ऑफिसर्ज़,...व्यवधान... आज वह केस कोर्ट में चल रहा है। ये ईमानदारी की बात करते हैं, भर्तियों की बात करते हैं और करुणामूलक आधार की बात करते हैं। करुणामूलक आधार के अंदर परिवहन विभाग पहला ऐसा विभाग है, आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में पॉलिसी लाई गई कि अगर किसी ड्राइवर का मौके पर एक्सिडेंट होता है, मौत हो जाती है तो 10 दिन के अंदर उसके परिवार के सदस्य को करुणामूलक आधार पर रखा जाएगा। ...व्यवधान... बोलने के लिए तो आप कुछ भी बोल सकते हैं लेकिन अच्छा होता यदि आप मंत्रियों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले कर आए होते और आप उनकी कारगुज़ारी पर कोई बात करते। आप

केवल यहां-वहां की बातें कर रहे हैं। आज आप कर्मचारियों की बात कर रहे हैं। आप कर्मचारियों के कितने हितैषी रहे हैं, आप अपना पिछला रिकॉर्ड निकाल लें। आपने किस-किस कर्मचारी का गला घोंटा है ज़रा उसकी डिटेल निकालिए। आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में हर वर्ग के लिए मानवीय दृष्टिकोण के साथ यहां पर पिछले साढ़े

11.08.2022/1235/केएस/एजी/2

चार वर्षों के अंदर काम हुआ है। आप केवल और केवल भाषण ही देते हैं। ...व्यवधान... भवानी जी, आप यहां विधान सभा में पहली बार आए हैं। वे पहली बार नहीं खड़े हैं, हम इनको पिछले 25 सालों से देख रहे हैं, आपने अब देखे। आदरणीय भवानी जी, यह सिसिल होटल आज नहीं बना या एक साल से जब से आप विधायक बने हैं, तब से नहीं बना। यहां पहले से ऐसे ही मुर्दाबाद होता रहा है। आपके खिलाफ भी नारे लगते रहे हैं। आज हमारे खिलाफ लग रहे हैं, कोई बात नहीं। लेकिन एक बात याद रखना अग्निहोत्री जी, आप चाहे माता के दरबार में जा कर कसमें खाओ या बाबा बालक नाथ जी के मंदिर में जाकर अपना नाक घिसाओ, सरकार आदरणीय श्री जय राम ठाकुर की ही बनेगी। आप अपना कुनबा सम्भालो।

अध्यक्षः मंत्री जी, कृपया आप बैठिए। ऐसा है कि सरकार में मंत्रियों के खिलाफ अविश्वास, यह मोशन आपने मूव किया है तो मंत्रियों को तो जो आपने कहा है उसका उत्तर देना ही है इसलिए इन्हें बोलने दें। मंत्री जी, आप बोलिए।

उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी पांच साल उद्योग मंत्री रहे हैं अच्छा होता ये बताते कि मैंने क्या किया और आपने क्या किया? मैंने क्या गलती की और आपने क्या गलती की क्योंकि यह अविश्वास प्रस्ताव मंत्रियों के खिलाफ है। लेकिन मुझे बताते हुए, मैं देख रहा था, वर्ष 2013 से 2017...व्यवधान.. आप ज़रा सब्र करो मुकेश जी, आपने मुख्य मंत्री बनना है या नहीं? इसलिए कृपया चुप रहो।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11-08-2022/1240/av/as/1

चर्चा क्रमागत--------

उद्योग मंत्री--------- **जारी**

मैं यह देख रहा था कि वर्ष 2013 से वर्ष 2017 तक इन्होंने 46 एफ0आई0आर0 दर्ज करवाईं और आप यहां पर खनन माफिया की बात करते हैं। वर्ष 2018 से 2022 तक हमने 154 एफ0आई0आर0 दर्ज करवाई हैं और 31,900 लोगों के चालान किए हैं। ...व्यवधान... माननीय सदस्य श्री सतपाल सिंह रायजादा जी, आपको जब बोलने का मौका मिलेगा तब ऊना जिला के ऊपर बोल लेना। आप लोग ऊना के ऊपर अब बोल रहे हैं, आप लोगों को तो शर्म आनी चाहिए कि आप लोगों ने अपने अधिकार के लिए लड़ाई तक नहीं लड़ी। मैं आपको उस समय के दो-चार उदाहरण देकर कुछ बातें याद करवाना चाहता हूं जिस समय आपके आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी उद्योग मंत्री थे। उस दौरान इंडक्शन हीटर बांटे गए। ये लोग अपने एरिया की दुहाई देते हैं और अपने एरिया के हकों की बात करते हैं। केवल और केवल सदन के अंदर बैठकर बोलने से इनका एरिया तरक्की नहीं कर सकता। आदरणीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने जो इंडक्शन हीटर दिए उसमें से श्री सतपाल सिंह रायजादा जी के निर्वाचन क्षेत्र में 835, हरोली निर्वाचन क्षेत्र में 1750, कुटलैहड़ 513 और गगरेट में 357 दिए गए। मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्री केवल और केवल अपने विधान सभा क्षेत्र के लिए नहीं होते। ...व्यवधान... मुझे मालूम है, मेरे कार्यकाल में लेबर इंस्पैक्टर सिर्फ एक विधान सभा क्षेत्र की रजिस्ट्रेशन नहीं करता। मैं आपको अभी डाटा देता हूं, पूरे हिमाचल प्रदेश में चार गुणा ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुई है। मंत्री होने का मतलब यह नहीं होता कि आप केवल अपने विधान सभा क्षेत्र के अंदर बिल्डिंग्ज खड़ी कर दो। ...व्यवधान... मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंदर बी0ओ0सी0डब्ल्यू0एक्ट जोकि उद्योग विभाग का है, आप कोई भी आंकड़ा निकालकर बताइए जहां आपको यह लगता है कि मैंने जिला कांगड़ा के साथ किसी प्रकार का भेदभाव किया है। ...व्यवधान... आपने तो

यही किया है। आपने जगह-जगह करोड़ों रुपये की बिल्डिंग्ज खड़ी कर दीं जिनका आज तक कोई लाभ नहीं मिला। ...व्यवधान... बता रहा हूं। आपने बिल्डिंग्ज 5 वर्ष पहले

11-08-2022/1240/av/as/2

यह सोचकर बनाई थी कि जब कोरोना महामारी आएगी तो मरीजों को उन बिल्डिंग्ज में रखना है। ...व्यवधान... आप मुझे बोलने दो। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी, आप मंत्री जी को बोलने दीजिए। मंत्री जी, आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात समाप्त करने वाला हूं मगर विपक्ष के लोग मुझे बोलने तो दें। ...व्यवधान... जिस समय तकलीफ होती है तो आदमी अपनी कुर्सी से खड़ा होकर बोलने लगता है। ...व्यवधान... आप मुझे बोलने तो दीजिए। ...व्यवधान... आपने जो इंडस्ट्रियल एरिया में गुल खिलाएं हैं; उसके बारे में भी सबको पता है। ...व्यवधान... आपने वहां पर एक 10 करोड़ रुपये में बिल्डिंग खड़ी कर दी कि उसमें हमारे मज़दूर रहेंगे, बहुत अच्छी बात है, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1245/टी0सी0वी0/ए0एस0-1

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आप कन्क्लूड करें।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं कन्क्लूड कर रहा हूं लेकिन अगर ये बोलने दें। आपने वहां पर एक बिल्डिंग 10 करोड़ रुपये से बनाई थी और यह मजदूरों के रहने के लिए बनाई गई थी। यह एक अच्छी बात थी लेकिन आप बताएं कि उस हॉस्टल में कभी कोई मजदूर रहने के लिए गया? ...व्यवधान... आपने अपने विधान सभा क्षेत्र में बस अड्डा बनाया लेकिन वहां कोई बस नहीं जाती, जहां किसान मंडी बनाई वहां कोई किसान नहीं जाता और जहां तलाब बनाया वहां पानी नहीं है ...व्यवधान...

श्री मुकेश अग्निहोत्री : ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपने बसें नहीं भेजीं। आपने हरोली की सारी बसें बंद कर दी। यदि आर0एम0 को कहते है तो जवाब मिलता है कि मंत्री जी से कहलाओ। ...व्यवधान...

उद्योग मंत्री : इसमें कोई दोराय नहीं है, जब तक मंत्री नहीं कहेंगे, बसें नहीं चलेगी। ...व्यवधान... बसें मेरे कहने से ही चलेगी। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आप कन्क्लूड करे।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, उद्योग विभाग का कुछ लेखा-जोखा बताना चाहता हूं। जब ये उद्योग मंत्री थे तो उस समय पूरे पांच सालों में कोई भी इन्वैस्टर प्रदेश में नहीं आया और कोई भी इन्वैस्टर मीट नहीं हुई ....व्यवधान... इंडस्ट्रियल प्लॉट इसलिए खाली नहीं है क्योंकि मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी ने ग्लोबल इंवैस्टर्ज मीट किया। ...व्यवधान... इनके समय में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग 17 नम्बर पर थी और आज आदरणीय जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में 7वें नम्बर पर है। ...व्यवधान...

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1250/NS/DC/1

उद्योग मंत्री..... जारी

मुख्य मंत्री आप ही होंगे। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आप कन्क्लूड कर दें। ...व्यवधान... देखो, यह बात बहुत लम्बी चली जाएगी। प्लीज, माननीय मंत्री जी आप कन्क्लूड करें।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ये मुझे बोलने ही नहीं दे रहे हैं। आप दो मिनट का समय दें,मैं इसे शीघ्र ही समाप्त कर दूंगा। ...व्यवधान...

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आप एक मिनट में अपनी बात कन्क्लूड कर दें।

उद्योग मंत्री : स्टार्ट अप योजना वर्ष 2016 में शुरू की गई थी और जिस समय मुकेश जी मंत्री थे तो उस समय एक भी योजना नहीं आई। आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी के समय में 261 स्टार्ट अप योजनाएं आईं। यहां पर केपिटल सब्सिडी की बात बार-बार करते

हैं। कई बार भाषण आता है कि आपने लोगों का पैसा बहुत दबाया हुआ है। इन्होंने 90 यूनिट्स के ऊपर केवल 62 करोड़ रुपये केपिटल सब्सिडी दी और हमने 381 यूनिट्स के ऊपर 321 करोड़ रुपये केपिटल सब्सिडी दी। हमने "मुख्य मंत्री स्वावलंबन योजना" शुरू की जोकि इनके ध्यान में कभी नहीं आई। इन्होंने बड़े लम्बे समय तक हिमाचल प्रदेश में राज किया कि हिमाचल प्रदेश का नौजवान अपने पैरों पर कैसे खड़ा हो सकता है? आदरणीय श्री जय राम ठाकुर जी ने बहुत ही बढ़िया योजना "मुख्य मंत्री स्वावलंबन योजना" शुरू की । इसमें लगभग 7300 यूनिट्स सैंक्शन हुए हैं और 1337 करोड़ रुपये की प्रपोज़ल्ज़ गई हैं तथा 4697 यूनिट्स एस्टेब्लिश हुए हैं। विपक्ष कहता है कि जो लैंड हम ठीक कर गए थे उसमें हर जगह इंडस्ट्री आ गई है। मैं अभी आपको बताता हूं कि लैंड का क्या हाल है? इनके समय में 133 हैक्टेयर लैंड थी और आज की तारीख में मुझे बताते हुए खुशी हो रही है और मैं आदरणीय जय राम ठाकुर जी को बधाई देना चाहता हूं कि 1499 हैक्टेयर जमीन हिमाचल प्रदेश में इंडस्ट्री लगने के लिए मौजूद है। आप यहां कलस्टर की बात करते हैं। इन्होंने टाहलीवाल, नालागढ़, काला अंब के लिए कलस्टर भेजे और एक भी कलस्टर स्वीकृत नहीं हुआ। हमारे समय में टाहलीवाल, परवाणू, गोंदपुर, जीतपुर भेड़ी सभी स्थानों पर कलस्टर आए हैं। मैं मुख्य मंत्री जी को इस बात की बधाई देता हूं। ...व्यवधान... अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिंद।

11-08-2022/1250/NS/DC/2

अध्यक्ष : अब राम लाल ठाकुर जी इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री राम लाल ठाकुर (श्री नैना देवीजी) : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में जो 'No Confidence Motion' under Rule 278 रखा है, इस पर चर्चा हो रही है और आपने मुझे इस पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं। साथ ही सत्ता पक्ष से निवेदन करना चाहूंगा कि फिजूल में बीच में न बोला जाए और अपने मित्र साथियों को भी यही बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है और मैंने एक मामला उठाया था कि प्रदेश की सरकार ने कर्जे लिए हैं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.08.2022/1255/RKS/DC-1

श्री राम लाल ठाकुर...जारी

मैंने साथ में यह भी कहा था कि कर्ज़ श्री शांता कुमार और प्रो0 प्रेम कुमार धूमल जी ने भी लिया था। कुछ लोगों ने कहा कि स्वर्गीय श्री वीरभद्र जी ने प्रदेश को कर्ज़ के नीचे डूबो दिया लेकिन मैं इसके लिए इन्हें कसूरवार नहीं ठहराउंगा। जब चुनाव की घोषण हुई थी तो उस वक्त आपने मुख्य मंत्री की घोषणा की थी कि जीतने के बाद कौन मुख्य मंत्री होगा। आज और उस समय की परिस्थितियों में बहुत अंतर है। जब प्रो0 प्रेम कुमार धूमल नेता प्रतिपक्ष और श्री सतपाल सिंह सत्ती भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष थे तो भारतीय जनता पार्टी ने यह घोषणा की थी कि अगले मुख्य मंत्री प्रो0 प्रेम कुमार धूमल ही होंगे। उस समय प्रो0 प्रेम कुमार धूमल, श्री सतपाल सिंह सत्ती एवं आपके दिल्ली के वरिष्ठ नेताओं ने यह बात कही थी कि स्वर्गीय श्री वीरभद्र सिंह जी ने प्रदेश को कर्ज़ के नीचे डूबो दिया है। जब हम सत्ता में आएंगे तो प्रदेश को कर्ज़ मुक्त बनाएंगे, यह कहकर भारतीय जनता पार्टी चुनाव में उतरी थी। यह अलग बात है कि चुनाव के बाद अलग तस्वीर बनी और जिन लोगों ने जनता से यह वायदा किया था वे विधान सभा से बाहर हो गए। जो अगली पंक्ति में बैठने वाले लोग थे वे सभी इस चुनाव में हार गए। लेकिन लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को जनादेश दिया। उद्योग मंत्री कह रहे थे कि हमारा नेता श्री जय राम ठाकुर है लेकिन आपका नेता कौन है? मैं आपसे यह पूछना चाहूंगा कि जब श्री जय राम ठाकुर जी मुख्य मंत्री बने थे तो उस समय भारतीय जनता पार्टी की क्या स्थिति थी? जिन्होंने कर्ज़ के बारे में बड़े-बड़े बयान दिए थे, जिनको आपने नेता बनाया था या जो भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष था, वे तो विधान सभा से बाहर हो गए। आपने कहा था कि दिल्ली की सरकार हमारी है, हम वहां से पैसा लाएंगे और सभी कर्ज़ों को हटा देंगे। आप उस परिस्थिति को देखकर बयान करें। मैं यह भी रिकॉर्ड में लाना चाहूंगा कि स्वर्गीय श्री वीरभद्र सिंह जी के

समय में ज्यादा कर्ज़ लिया गया था। इस पर मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि जो पहले कर्ज़े लिए गए थे वे ज्यादा ब्याज पर लिए थे। हमने उन कर्ज़ों को चुकाने के लिए कम ब्याज पर नये कर्ज़ लिए । इस तरह ज्यादा

11.08.2022/1255/RKS/DC-2

ब्याज के ऋण को चुकता करने के लिए कम ब्याज पर कर्ज़ लिए गए। माननीय मुख्य मंत्री जी ने पिछले बजट भाषण में खुद माना है कि प्रदेश के ऊपर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज़ है। ...व्यवधान... मुख्य मंत्री जी अगर मैं गलत कह रहा हूं तो आप इसे बाद में कॉरैक्ट कर सकते हैं। अभी आप मुझे बोलने दीजिए। आपने आज की तारीख में 1500 करोड़ रुपये का कर्ज़ लिया है। इस विषय पर वित्त विभाग की तीन अधिसूचनाएं जारी हुई और तीनों अधिसूचनाओं में अलग-अलग कर्ज़ लेने की बात कही गई। आपने कहा कि यह 1500 करोड़ रुपये की राशि सर्वांगीण विकास के लिए खर्च की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, जब चुनाव नज़दीक आते हैं तो माननीय प्रधान मंत्री, भूतल परिवहन मंत्री एवं जो हमारे हमीरपुर से केंद्रीय मंत्री हैं उनके प्रदेश में दौरे लगने शुरू हो जाते हैं। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा कि प्रदेश की जनता को यह बताया जाए कि जब-जब हिमाचल प्रदेश में प्रधान मंत्री जी आए उनके विज़िट पर कितनी राशि खर्च हुई ...व्यवधान... मुख्य मंत्री जी आप तीन बजे के बाद जवाब देंगे। अभी आप हमें बोलने का मौका दीजिए।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य आपको बोलने का मौका दिया जाएगा, पहले आप मुख्य मंत्री को बोलने दीजिए।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1300/बी.एस./एच0के0/-1

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत विचित्र परिस्थिति हमारे मित्रों की हो गई है। देश के प्रधान मंत्री प्रदेश में आते हैं और प्रदेश में आ करके सैकड़ों और हजारों करोड़ रुपये के शिलान्यास करते हैं और केन्द्र से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हमें मदद करते हैं। आप क्या चाहते हैं कि प्रधान मंत्री जी आए ही नां? अगर प्रधान मंत्री जी आयेंगे तो उनका स्वागत किया जाएगा। आज से पहले भी प्रदेश में प्रधान मंत्री जी आए हैं। जब प्रधान मंत्री जी आयेंगे तो यह प्रदेश सरकार का एक नैतिक दायित्व बनता है और सवैंधानिक दृष्टि से भी सरकार की जिम्मेवारी है कि उनके प्रवास के दौरान जो भी उनकी रिक्वायरमेंट है, चाहे वह जन सभा है या रहने आदि की व्यवस्था करनी है यह सारी प्रदेश सरकार का दरयित्व और नैतिक जिम्मेवारी है। हमने उस नैतिक जिम्मेवारी को पूरा किया है। यहां पर आदरणीय प्रधान मंत्री जी जब भी आए, मुझे इस बात की खुशी है कि इन पौने पांच वर्षों में सात बार हिमाचल प्रदेश में आए हैं। उनका प्रदेश के लोगों के साथ स्नेह और प्यार है इसलिए वे यहां पर आए हैं। ऐसे भी दौर रहे हैं कि प्रधानी मंत्री पांच साल में एक बार भी नहीं आए। मैं इसलिए यह कह रहा हूं कि ऐसी टिप्पणियां करना उचित नहीं है कि प्रधान मंत्री जी के आने पर खर्च कितना कर दिया।

श्री राम लाल ठाकुर : आपको मुबारक हो, प्रधान मंत्री जी यहां पर आए और आपने प्रधान मंत्री जी की यहां पर रैलियां की। मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछला जब चुनाव था उसमें चुनाव से डेढ़ महीना पहले आपने बिलासपुर में एक रैली का आयोजन किया। उसमें आपने कुछ शिलान्यास किए। उन्होंने खेल परिसर, बिलासपुर में कार्यक्रम किया। वहां पर अंदर प्लेटे रखी और बाहर भारतीय जनता पार्टी की रैली की गई। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर एक भी राष्ट्रीय झण्डा लगाया गया था? मैं कहूंगा कि पूरे केहलूर स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी के झण्डों से भरा पड़ा था। कमरे से बाहर निकले तो भारतीय जनता पार्टी की रैली की गई। जिस एम्ज के काम के लिए वे वहां पर गए थे उसका कार्य दो वर्षों तक शुरू नही हो सका। मैं यह कहना चाहता हूं कि आदरणीय प्रधान मंत्री जी जो अपने प्यार की वजह से हिमाचल प्रदेश में आते हैं उन्होंने यहां आ करके कितना पैसा हिमचल प्रदेश को दिया है। जो हमने कर्ज

ले रखा है उसे यहां आ करके कितना खत्म किया है? आपने कहा था कि कर्ज मुक्त प्रदेश होगा। हमें आज कर्जे क्यों लेने पड़ रहे हैं? मुख्य मंत्री जी मैंने आपसे एक और निवेदन करना है। आज सड़कों के ऊपर जो आपकी 20x20 की होर्डिंग्ज लगी हैं जो 15x10 की होर्डिंग्ज लगी है। पूरे विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में ये 40 से 50 तक लगाई गई है। एक होर्डिंग्ज 25 हजार रुपये की और जो छोटे वाली है वह 20 हजार रुपये तक की है। मुझे यह बताया जाए कि यह पैसा कहां से आ रहा है? उसमें पब्लिक रिलेशन विभाग के माध्यम से ये होर्डिंग्ज लग रही है। एक तरफ हम 1500 करोड़ रुपये का कर्ज ले रहे हैं और दूसरी तरफ हम 100 करोड़ रुपये से ज्यादा पब्लिक रिलेशन विभाग के माध्यम से चुनावों को ध्यान में रखते हुए आज इस पैसे को खर्च कर रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आप रैलियां कर रहे हैं ठीक है भारत देश आजाद हुआ है। हिमाचल प्रदेश में आपकी 75 रैलियां होंगी। जो डोम्ज बने हैं उनकी एक की कीमत 44 लाख रुपये है। आप 75 डोम्ज की कीमत का अंदाजा लगाइए कि इनकी कीमत कहां पहुंचेगी। क्या यह प्रदेश के लिए अरितिक्त बोझ नहीं है?

मुख्य मंत्री : आज कल बारिश का मौसम है इसलिए यह आवश्यक है।

श्री राम लाल ठाकुर : मैने कण्डाघाट में जा करके देखा कि वहां पर 50 गाड़ियां एच0आर0टी0सी0 की खड़ी हैं और वह आपके कार्यक्रमों में लग रही हैं। मैं आपके विभाग को छेड़ना नहीं चाहता।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1305/एच.के.-एन.जी./1

श्री राम लाल ठाकुर जारी.....

अध्यक्ष महोदय, मैं इन सब से किनारे हट कर कहना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकार बहुत अच्छी चली हुई है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आटा-चावल के दामों में जो 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है उन्हें रोकने का काम कौन करेगा? किसान से जो गेहूं या मक्की खरीदी जाती है वह किस भाव में खरीदी जाती है और उन्हें बीज किस भाव से दिया जाता है? किसानों को फंगीसाइड या अन्यों दवाइयों पर जो सब्सिडी मिलती थी उसे आपने बंद कर दिया। आप मुझे यह बताएं कि इस प्रकार से किसानों की आय दोगुनी कैसे होगी? आप ने किसानों को 2000 रुपये देकर उनकी पीठ के पीछे से 50,000 रुपये निकाल लिए। आज बाजार में जाओ तो देखेंगे कि आटा-चावल का भाव 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गया है लेकिन क्या किसान को बढ़े हुए दाम मिले हैं? किसान के पैसों को बिचौलिया खा रहा है और उस पर नकेल कसने की जरूरत है। मैं कहना चाहता हूं कि जी.एस.टी. के लगने के बाद इनके दामों में 30 से 35 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है और सरकार इसे रोकने में नाकाम हुई है।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि डीजल व पैट्रोल किसानों से सीधा जुड़ा हुआ है और उनके दामों में 25 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इनके दामों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है? मैं कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में बेरोज़गारी दर बढ़ कर 14 प्रतिशत हो गई है। आज हम उन राज्यों की श्रेणी में आ गए हैं जहां पर बेरोज़गारी दर सबसे ज्यादा है। हिमाचल प्रदेश में बोरोज़गारी की दर लगातार बढ़ती जा रही है। मैं कहना चाहता हूं कि सरकार को इन सब बातों की ओर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

11-08-2022/1305/एच.के.-एन.जी./2

अध्यक्ष महोदय, यहां पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री जी बैठे हुए हैं। मेरा इनसे कहना है कि हिमाचल प्रदेश में सिविल सप्लाई के माध्यम से जो कारगुजारी चली हुई है वह सही नहीं है। मैं अपने जिला की बात करना चाहता हूं कि सिविल सप्लाई के माध्यम से 1440 क्विंटल आटा विभिन्न गांवों में लोगों को दिया जा रहा

है। विभाग द्वारा लगभग 717 रुपये के हिसाब से पिसाई का कार्य दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में 68 छोटी और 12 से 14 बड़ी मीलें हैं। जिला बिलासपुर में लगभग 1000 क्विंटल आटा बिलासपुर से न लेकर बाहर की बड़ी फर्मों से लिया जा रहा है क्योंकि उनका अधिकारियों के साथ लेन-देन है। मैं कहना चाहता हूं कि बड़ी मीलों में जो आटा बनता है उसमें से सूजी व मैदा निकाल दिया जाता है और उसके बाद जो कचरा बचता है उसे बहुत ज्यादा पीस कर उसकी ग्रेडिंग की जाती है। उसके बाद विभाग वाले कहते हैं कि ए-ग्रेड का आटा दिया जा रहा है। बड़ी-बड़ी कम्पनियों या मीलों वालों के साथ समझौता करके हिमाचल प्रदेश के गरीब लोगों, जिन्हें पी.डी.एस. के माध्यम से अनाज दिया जा रहा है, की अनदेखी की जा रही है। मेरा मंत्री जी से कहना है कि पिसाई के लिए ज्यादा दाम क्यों दिए जा रहे हैं और आपका अधिकारियों के ऊपर कंट्रोल क्यों नहीं है?

अध्यक्ष महोदय, माननीय वन मंत्री अभी यहां से उठ कर चले गए हैं। वे भी बहुत बड़ी-बड़ी बातें किया करते हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि क्या कारण है कि आज जंगल स्वाह हो रहे हैं? जंगलों की प्रोपर्टी जल रही है। पर्यावरण की रक्षा नहीं हो रही है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1310/SS-YK/1

श्री राम लाल ठाकुर क्रमागत :

अध्यक्ष महोदय, मैं आज आपको एक उदाहरण दूंगा कि जैसे हमारे भानुपल्ली से रेल लाइन का काम चला है, वह बिलासपुर से होते हुए कुल्लू और फिर लेह तक जाएगा। वहां पर क्या हो रहा है? जिन कम्पनियों को काम मिला है उन्होंने फॉरैस्ट के बीच में से 4-4 सड़कें निकाल दीं क्योंकि कहीं पर ब्रिज बनना है। ऐसे ही मैं कहूंगा कि कल्लर पंचायत है वहां पर एक सड़क गोबिंद सागर के किनारे तक चली गई। उन बड़ी-बड़ी कम्पनियों को कोई नहीं पूछ रहा है। उल्टे मैं कहना चाहूंगा कि अगर पंचायत ने कोई रास्ता बना लिया,

मान लो एम0पी0 साहब ने कोई पैसा दे दिया, विधायक निधि का पैसा चला गया कि गांव में हमने एम्बुलैंस रोड बनाना है और यह भी वह रास्ता है जोकि बहुत पुराना है जहां से लोग जाते हैं तो वहां पर फॉरैस्ट डिपार्टमैंट के डिप्टी रेंजर या गार्ड इत्यादि पहुंच जाते हैं। अगर दो लाख रुपया दिया है तो 50 हजार रुपये की डैमेज रिपोर्ट कट रही है।

अध्यक्ष : ठाकुर साहब, आप वाइंड अप कर दें।

श्री राम लाल ठाकुर : सर, आप मुझे बोलने तो दो, अभी मुझे सिर्फ पांच मिनट ही हुए हैं।

अध्यक्ष : आपको बोलते हुए 16 मिनट हो गए हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी को चर्चा का जवाब भी देना है।

श्री राम लाल ठाकुर : अब सत्तापक्ष के सदस्यों ने ज्यादा टाइम लगा दिया तो थोड़ा-सा टाइम मुझे भी दो। मैं करबद्ध आपसे कहना चाहूंगा कि आप गर्दन हमारी तरफ को भी घुमा लिया करो। दूसरी तरफ को ही न घुमाया करो। ये तो सत्ता में हैं। कृपा करके आप हमें भी बोलने की इजाज़त दो।

अध्यक्ष : समय भी हो रहा है इसलिए आप कृपया वाइंड अप करें।

11.08.2022/1310/SS-YK/2

श्री राम लाल ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह कहना चाहूंगा कि हो यह रहा है कि जो बड़ी-बड़ी कम्पनियां हैं उनको कोई नहीं पूछ रहा है। फॉरैस्ट कंजरवेशन एक्ट की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। देवदार के पेड़ भी काटे जा रहे हैं। जंगल से खैर की लकड़ी भी जा रही है, अभी पीछे एक केस पकड़ा था। मैं यह कहना चाहूंगा कि इसके पीछे कारण यह है कि अधिकारी पंचायतों, युवक मंडल और महिला मंडलों के पीछे पड़े हुए हैं जोकि गांव में रास्ता बना रहे हैं लेकिन आप बड़ी-बड़ी कम्पनियों को नहीं पूछ रहे हैं। आप यह देखें कि क्या फॉरैस्ट कंजरवेशन एक्ट की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं या नहीं?

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि यहां पर रसोई गैस की बात हो रही है। मैं थोड़े शब्दों में अपनी बात रखना चाहूंगा। आज रसोई गैस के दाम में 1112.25 रुपये से लेकर 1157.34 रुपये वृद्धि हुई है। आप बोलते हैं कि उज्ज्वला योजना चला दी, धुएं से महिला नहीं मरेगी, अब जब आपने इतनी कीमतें बढ़ा दीं तो फिर गैस को कौन खरीदेगा? लोग फिर लकड़ी के ऊपर जाकर अपना कामकाज चलाएंगे। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि रसोई गैस के दाम में वृद्धि को रोकना बहुत जरूरी है।

अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे एक बात करना चाहूंगा कि एक साल के अंदर शराब पर सैस लगाकर 18 से 20 करोड़ रुपया गौवंश के लिए इकट्ठा हो रहा है। आप मुझे नहीं बल्कि प्रदेश के लोगों को बता दें कि आपने वह पैसा कहां-कहां खर्च किया? जहां-जहां भी आपने गौसदन बनाए, मैं यह कहना चाहूंगा कि आज 6 हजार से ज्यादा गउएं सड़कों के ऊपर हैं। आपने पीछे कहा था कि जो हमने 6 हजार गौसदन बनाए उनमें सुधारीकरण कर दिया और हम इतना पैसा एक गाय के ऊपर खर्च कर रहे हैं। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि आप बिलासपुर में जाओ, अभी सांडू का मैदान डूबा नहीं है, वहां पर 400-500 गउएं घूम रही हैं। आप उसके बाद गम्बर की तरफ जाओ। 200-250 गउएं गम्बर के किनारे पर हैं। बिलासपुर से शुरू करके गरामौड़ा तक 150-200 गउएं सड़क के किनारे पर मिलेंगी। मेरा आपसे भी पहले

11.08.2022/1310/SS-YK/2

निवेदन था कि उनकी तरफ भी देखो। ये गौमाता सिर्फ आपके इलाके में ही नहीं है। ...व्यवधान... इसलिए मैं आपसे कहना चाहूंगा कि इन सारी बातों के ऊपर हमको ध्यान देना चाहिएं। मैं आपसे यह भी कहना चाहूंगा कि कुछ ऐसी भी चीज़ें हैं जिनकी तरफ ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

अध्यक्ष महोदय, आज 10.77 परसैंट कीमत दवाइयों की बढ़ी है।

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1315/केएस/वाईके/1

श्री राम लाल ठाकुर जारी....

आज कितने घोटाले हुए ? पी.पी.ई. किट का केस आपके सामने है। उसके बारे में सी.बी.आई. भी इन्क्वायरी कर रही है। आपकी इन्वैस्टिंग एजेंसी भी आज इन्क्वायरी कर रही है। मैं आपसे यह पूछना चाहूंगा कि क्या कारण है जो आज इस प्रकार के घोटाले हो रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय, मैं जल जीवन मिशन की बात करना चाहूंगा क्योंकि मैं नहीं बालूंगा तो आप लोग बोलेंगे कि इस बात पर राम लाल ठाकुर कैसे रह गया? आप मुझे बताएं कि जल जीवन मिशन का जो आपको पैसा मिला है, आपने कहा कि हमने रिकॉर्ड काम किया है परन्तु माननीय मंत्री जी,

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करिए।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष जी, मैं वाइंड अप ही कर रहा हूं। बाकियों को तो आपने वाइंड अप करने को 10-10 मिनट दिए हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आपकी बात आ गई है। आपको भी 20 मिनट हो गए। कृपया बैठ जाएं।

श्री राम लाल ठाकुरः अगर आप नहीं चाहते तो हम बैठ जाते हैं। हम नहीं बोलेंगे लेकिन सत्ता पक्ष से 20-20 मिनट तक बोल रहे हैं।

अध्यक्षः मैं आपसे सिर्फ निवेदन कर रहा हूं। किसने 20 मिनट बोला? आपको भी 21 मिनट हो गए। कृपया एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, कृपया आपको हमारा भी थोड़ा सा ध्यान रखना चाहिए। जितना टाइम आप मेरे से बहस कर रहे हैं , मैं इतने में अपनी बात बोल देता।

11.08.2022/1315/केएस/वाईके/2

अध्यक्षः 3.00 बजे मुख्य मंत्री जी ने उत्तर देना है। अभी बाकी सदस्य भी बोलने वाले हैं इसलिए कृपया वाइंड अप कर दें।

श्री राम लाल ठाकुरः मुख्य मंत्री जी ने तो आधा घंटा पहले ही बोल दिया है। यह कोई बजट थोड़े ही है कि बजट के ऊपर मुख्य मंत्री जी ने बोलना ही है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया आप एक मिनट में कन्क्लूड करिए ।

श्री राम लाल ठाकुरः फिर एक मिनट भी बोलने की क्या ज़रूरत है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं। कृपया करके आगे को ऐसा मत करो (***)।

अध्यक्षः ठीक है। अब माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, कुछ मर्यादा की वरिष्ठ माननीय सदस्यों से हमें उम्मीद रहती है। चेयर के खिलाफ इस प्रकार के शब्द का इस्तेमाल करना कि आपका अन्तिम सत्र है, किसका अंतिम सत्र होगा, यह कोई नहीं जानता। सिर्फ यह लोग ही जानते हैं लेकिन चेयर को इस तरह से कहना ठीक नहीं है क्योंकि चेयर को हाउस चलाना है। राम लाल ठाकुर जी, अध्यक्ष जी ने आपको 21 या 22 मिनट का समय दिया और मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा समय आपको ही दिया है। आपने बिना रोके-टोके बेहतर ढंग से अपनी बात कही। आपने बहुत अच्छे सुझाव भी दिए और मैं आपकी बात को बड़े ध्यान से सुन रहा था लेकिन मैं समझता हूं कि इस तरह के शब्दों का जो इस्तेमाल हुआ है, उनको एक्सपंज करना चाहिए।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप पूरे 21 मिनट बोले हैं और इस प्रकार के शब्दों की मैं आपसे अपेक्षा नहीं करता।

(***)अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

11.08.2022/1315/केएस/वाईके/2

श्री राम लाल ठाकुरः अध्यक्ष जी, हमने गालियां नहीं निकाली। हमने कहा कि यह सभी का अंतिम सत्र है।

अध्यक्षः ठीक है, चलो अच्छा है लेकिन यह गालियों की तरह ही होता है।

अब इस माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजन के लिए अपराह्न 2.15 बजे तक स्थगित की जाती है।

11-08-2022/1420/av/ag/1

(सदन की बैठक दोपहर के भोजनोपरांत 14.20 बजे(अपराह्न) पुनः आरम्भ हुई।)

अध्यक्ष : चर्चा पुनः आरम्भ करने से पहले माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री कुछ कहना चाहते हैं और उसके उपरांत डॉ0 राजीव बिन्दल जी चर्चा में भाग लेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री : अध्यक्ष महोदय, अभी जो चर्चा चल रही है उसमें माननीय सदस्य श्री राम लाल ठाकुर जी ने सिविल सप्लाई डिपार्टमैंट के अंतर्गत जिन मिलों को गंदम की सप्लाई होती है; उनके बारे में प्रश्न खड़ा किया था। मैं माननीय सदस्य के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हम मिलों को गंदम की पिसाई के लिए एलोकेशन उनकी क्षमता के अनुसार करते हैं। हमारे बिलासपुर में चार छोटी आटा मिल्स हैं जिनकी क्षमता कुल मिलाकर 1010 मीट्रिक टन है और पूरे जिला में 1555 मीट्रिक टन

गंदम की एलोकेशन की जाती है। उसके बावजूद पूरे बिलासपुर जिले की मिल्स में जो विभाग की ओर से अलोकेशन हुई है उसमें से उनके पास बहुत सारी पेंडेंसी बची है।

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1425/टी0सी0वी0/ए0जी0-1

माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री .... जारी

महीने के अंतिम सप्ताह में हर फ्लोर मील से डी0एफ0एस0सी0 उनसे जानकारी प्राप्त करते हैं कि जितनी गेहूं हमने उनको पिसाई के लिए दी है उतनी उन्होंने पिसाई की है या नहीं की है। जितनी उनके पास पेंडेंसी होती है उसके अनुसार उनकी अगली एलोकेशन कम की जाती है और दूसरे जिलों में जहां जरूरत होती है वहां उसकी सप्लाई की जाती है। यह व्यवस्था बिलासपुर के लिए ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में है। माननीय सदस्य ने यह प्रश्न किया था इसलिए मैं यह जानकारी इनको देना चाहता था।

11.08.2022/1425/टी0सी0वी0/ए0जी0-2

अध्यक्ष : डॉ0 राजीव बिंदल जी चर्चा में भाग लेंगे।

डॉ0 राजीव बिन्दल (नाहन) : अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष द्वारा जो अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है और आपने इसमें मुझे बोलने का समय दिया, आपका आभार । कांग्रेस पार्टी के बहुत वरिष्ठ सदस्य यहां पर विराजमान हैं। इनमें बहुत से सदस्य 5-6 टर्म से इस माननीय सदन के सदस्य हैं। कुछ लोग मंत्री भी रहे हैं। ऐसी भी क्या जल्दी थी, दो-अढ़ाई महीने के बाद चुनाव आ रहा है। आपने सरकार हटानी है तो जनता के बीच में जाकर सरकार हटाने का फैसला करिए। लोकतंत्र के अंदर सरकार बनाने का अधिकार उसी दल को है जिसके पास माननीय विधायकों की संख्या बहुमत में होती है। यह इस टर्म का आखिरी विधान

सभा सत्र है। आपने यह अविश्वास प्रस्ताव सरकार की नाकामयाबियों को उजागर करने की नीयत से रखा है। अगर अविश्वास प्रस्ताव रखना ही था तो बहुमत बनाकर रखते ताकि अविश्वास प्रस्ताव कामयाब होता और आपको इस सदन में कामयाबी मिलती। आज शाम को ही आपका अविश्वास प्रस्ताव गिर जाएगा और भारतीय जनता पार्टी उस अविश्वास प्रस्ताव के ऊपर ओवर पॉवर करके फिर सत्ता में रहेगी तो आपको इसका क्या लाभ होगा? मुझे यह बात समझ नहीं आई। जब आपने अविश्वास प्रस्ताव दे दिया तो फिर आप इस्तीफा क्यों मांग रहे हैं?

(माननीय उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

जब आपने अविश्वास प्रस्ताव दे दिया है तो माननीय उपाध्यक्ष जी यहां पर बैठे हैं वे हैड काउंट करवाएंगे और अगर आपके पक्ष में हैड-काउंट होगा तो सरकार आउट हो जाएगी। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव देने का कोई कारण समझ नहीं आता।

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1430/NS/AS/1

डॉ0 राजीव बिन्दल ..... जारी

यह एक राजनीतिक रूप से आपसे एक टैक्टिकल एरर हो गई है और इसको मान लेना चाहिए। आपमें से किसी-न-किसी का जो नेतृत्व का द्वंद चला हुआ है, उसमें से आपको कोई ड्रैग करके ले गया और आप उसके साथ चले गए। यहां पर हमें ये थोड़ी-सी समस्या दिखाई दे रही है। हमारे यहां पर एक बहुत अच्छे मित्र हैं जो Communist Party of India (Marxist) से संबंध रखते हैं और ये इनके बहकावे में आ गए। वैसे तो ये बड़े समझदार, संघर्षशील हैं। जब कांग्रेस की सरकार बनती है तो कांग्रेस की सरकार के खिलाफ भी ज़बरदस्त हल्ला बोलते हैं और ऐसा हल्ला बोलते हैं कि तब कांगेस वाले इनको कहीं पर अपने पास प्लेसमैंट नहीं देते हैं। आज जो 23 का हैड काउंट हुआ उसके अंदर सबसे बड़ी भूमिका अगर किसी ने निभाई तो आदरणीय सिंघा जी ने निभाई। आज भी ताकत के रूप में कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े हुए। मैं आपको भाई एक बात कहना चाहता हूं कि ये चुनाव के

अंदर भी आपके साथ होने वाले नहीं हैं चाहे वह ठियोग या किसी अन्य स्थान का मामला होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, हाईवे पर ट्रक चलते हैं तो उनके पीछे बहुत कुछ लिखा होता है, कई प्रकार के नारे लिखे होते हैं। तो ट्रक के पीछे लिखा एक स्लोगन मुझे आपके 'No-Confidence Motion' के ऊपर अच्छे से समझ आ रहा है। एक ट्रक के पीछे एक गाड़ी वाला होर्न बजा रहा है और उस ट्रक में स्लोगन लिखा हुआ था कि दम है तो पार कर नहीं तो इंतजार कर।' इसलिए मैं भी यहां कहना चाहूंगा कि चुनाव आ गए 'दम है तो पार कर नहीं तो इंतजार कर।' यहां पर नो कॉन्फिडैंस मोशन दे कर क्या होगा। समस्या बी0जे0पी0 सरकार, मंत्रि परिषद या मुख्य मंत्री से नहीं है। समस्या कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व की है। ये नेतृत्व की लड़ाई को ले करके वास्तव में विधान सभा के अंदर जो मुद्दे आने चाहिए थे, उन मुद्दों से ध्यान भटका करके और कहीं इसको सेट करने का प्रयास कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष : मेरा विपक्ष के मित्रों से आग्रह है कि समय का अभाव है इसलिए बीच में इंट्रप्ट न करें।

डॉ0 राजीव बिन्दल : कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय स्तर के ऊपर भी समस्या नेतृत्व की है। मैं यहां पर पुरानी बात नहीं कहूंगा। आप आज की अखबार देखें, इसमें बहुत बड़ी खबर लगी

है कि आदरणीय श्री राहुल गांधी जी नहीं तो और कौन होगा राष्ट्रीय अध्यक्ष। एक पार्टी जो राष्ट्रीय स्तर के ऊपर अपना अध्यक्ष निर्धारित नहीं कर पा रही है तो प्रदेश में कहां से निर्धारण होगा? वहां पर नियन्त्रण नहीं हो पा रहा है तो यहां पर समाधान कैसे होगा? इसलिए मैं सिंघा साहब से कहना चाहूंगा कि सिंघा साहब की पार्टी में एक महासचिव ही पूरे देश को हिला देता है और इनका महासचिव सबसे ज्यादा शक्तिशाली होता है। मैं जिस जिले में जाता हूं वहां पता लगता है कि ये 'ए' महासचिव, 'बी' महासचिव, 'सी' महासचिव है और जब पूछते हैं तो पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी का महासचिव है। तब गिनती ध्यान में नहीं आती कि ये कितने सारे हैं? यह नेतृत्व की समस्या है। सुखविन्द्र भाई eagerness, haste, अति उत्साह आदि एक्सीडेंट का कारण होता है।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.08.2022/1435/RKS/एएस-1

डॉ. राजीव बिन्दल... जारी

इसलिए अति उत्साह में मत रहिए क्योंकि इससे एक्सिडेंट होता है। अभी चार राज्यों के भीतर भयानक एक्सिडेंट हुआ। ...व्यवधान... आप बिहार की बात सुनिये। 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना।' वहां पर कांग्रेस का तो नाम ही नहीं है। वहां पर बी.जे.पी. और जे.डी.यू. ही हैं। मैं कल रात टी.वी. पर बहस देख रहा था जिसमें एक कांग्रेस का नेता कह रहा था कि हमें भी कहीं पर चटंकी मिल जाएगी। यानी 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना।' यह जो हेस्ट है उसमें आप कुछ भी बोले जा रहे हैं। अगर एक नेता ने बोल दिया तो दूसरा उसका समर्थन करने चल पड़ा और दूसरे ने कह दिया तो तीसरा उसके पीछे चल पड़ा। इस तरह समर्थन करते-करते आपका घोषणा-पत्र भी तैयार हो गया। उस घोषणा-पत्र को न किसी ने लिखा, न पढ़ा और न ही देखा। लेकिन वह घोषणा पत्र मीडिया में छाया हुआ है। श्री राम लाल ठाकुर जी ने कर्ज़ से बात शुरू की थी इसलिए मैं अंतिम बात को पहले बोलना चाहूंगा। आज रक्षा बंधन का दिन है। आपने घोषणा की कि हम बहनों को 1500 रुपये प्रति माह पेंशन देंगे। इस प्रदेश में बहनों की संख्या करीब 30 लाख है। अगर हम 30 लाख बहनों को 1500 रुपये महीना पेंशन देंगे तो इसके लिए 450 करोड़ रुपये प्रति माह खर्च किए जाएंगे और इस तरह इसके लिए एक वर्ष में 5500 करोड़ रुपये का प्रावधान करना पड़ेगा। कांग्रेस की सरकार में पेंशन का कुल बजट 400 करोड़ रुपये था लेकिन आज आप 5500 करोड़ रुपये की घोषणा कर रहे हैं जोकि ठीक नहीं है। आप इस तरह प्रदेश की जनता का मजाक मत बनाइए। एक ने कहा और दूसरा उसका समर्थन करने चल पड़ा। कहीं तो कुछ चिंतन होना चाहिए। जहां पर नेतृत्व की समस्या है वहां स्वाभाविक रूप से चिंतन की भी समस्या होगी। कैसा प्रदेश होना चाहिए, कैसे प्रदेश चलना चाहिए इस चीज की आपको कोई परवाह नहीं है। यहां पर मेरे भाई ने कहा कि राम राज्य होना चाहिए। राम राज्य की क्या कल्पना है? हर व्यक्ति को खाना, दवाई, पीने-का-पानी और राज्य का संचालन

मिलना चाहिए। श्री जय राम ठाकुर की सरकार में वास्तव में राम राज्य है। आज हर व्यक्ति को खाना,

11.08.2022/1435/RKS/एएस-2

दवाई और पीने-का-पानी मिल रहा है। यही राम राज्य है। अगर फिर भी किसी को राम राज्य नहीं लग रहा है तो यह उसकी मानसिक परेशानी हो सकती है। इस राम राज्य में गरीब लोगों की सेवा, अच्छी शिक्षा, चिकित्सा सुविधा और स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व वाली इस सरकार में गत साढ़े चार वर्षों में 77 हैल्थ सब-सेंटर, 70 प्राइमरी हैल्थ सैंटर, 52 सी.एच.सी., 23 सिविल होस्पिटल और 5 मैडिकल ब्लॉक नये खोले गए हैं।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1440/बी.एस./डी0सी0/-1

श्री राजीव बिन्दल जारी...

कृपया सुनिए, 52 सी0एच0सी0 नए खोले गए, 23 नए सिविल अस्पताल खोले गए। पांच मैडिकल ब्लॉक्स नए खोले गए। मेरे छोटे भाई विनय जी आप डॉक्टर्ज की बात कर रहे हैं कांग्रेस की सरकार ने पांच साल में वर्ष 2012-17 तक 350 डॉक्टर्ज की भर्ती की थी लेकिन आदरणीय जय राम जी की सरकार ने 905 डॉक्टर्ज की भर्ती कर दी है और वे सारे-के-सारे फील्ड में हैं और 500 डॉक्टर्ज चुनाव से पहले और आने वाले हैं। यह आदरणीय जय राम जी की सरकार है। विपक्ष ने पूछा कि डॉक्टर्ज कहां हैं? एक भी प्रश्न पिछले साढ़े चार साल के अंदर डॉक्टर्ज के रिक्त पदों के बारे में विपक्ष की ओर से नहीं पूछा गया। ...व्यवधान...

उपाध्यक्ष : आदरणीय विनय जी कृपया बैठ जाइए। आपको भी बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री राजीव बिन्दल : कांग्रेस की तरफ से हैल्थ इश्योरेंस के नाम पर कुछ भी नहीं। आज आयुष्मान जनता की सेवा एक माध्यम बना है। इसमें 4,32,000 गरीबों के कार्ड बने हैं और उन्हें 195 करोड़ रुपये का लाभ मिला है। हिमकेयर में 6,31,000 कार्ड बनें और इसमें लगभग 10 लाख लोगों का स्वास्थ्य बीमा पांच लाख रुपये का किया गया। इसमें 310 करोड़ रुपये का लाभ लोगों को दिया गया। कांग्रेस कहती है कि सरकार नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि वैक्सीनेशन में प्रदेश देश में अब्बल आया दूसरी बार भी अब्बल और तीसरी बार में भी देश भर में अब्बल आया है। कांग्रेस ने क्या दिया? 80 साल से ऊपर वालों को पेंशन जब पंचायत में ढूंढने गए तो पांच आदमी भी नहीं मिले। आदरणीय जय राम जी ने क्या दिया? 70 साल में पेंशन, 65 साल में पेंशन और अब 60 साल में पेंशन। आप लोगों को जनता को जवाब देना पड़ेगा। हमारी सरकार ने 750 लाख लोगों को पेंशन दी गई। यह सेवा का करिशमा राम राज्य है। आपने 80 साल से ऊपर की पेंशन दी।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें। 3.00 बजे मुख्य मंत्री जी का उत्तर आना है।

11.08.2022/1440/बी.एस./डी0सी0/-2

श्री राजीव बिन्दल : किसान की बिजली 30 पैसे, गरीब को बिजली 125 यूनिट शून्य पैसे, गांव का पानी फ्री यह है राम राज्य और गरीब की सेवा। आपके 70 साल में सात लाख कनेक्शन और आदरणीय जय राम की सरकार में आठ लाख कनेक्शन यह है जय राम राज्य। ...व्यवधान...आज ओ0पी0एस0 की बात हो रही है। वर्ष 2003-08 तक इनकी सरकार, वर्ष 2012-17 तक इनकी सरकार आप ओ0पी0एस0 दे देते आपको किसने रोका था। अब कहां से देंगे, अब कोई विश्वास करने वाला नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो अविश्वास प्रस्ताव है यह केवल और केवल कांग्रेस पार्टी की फ्रस्ट्रेशन है इनकी कुंठा है इनकी आपसी व्यथा है। आपसका जो मतभेद है उसका परिणाम है और इन्होंने पूछा कि

आपका लीडर कौन होगा तो जय राम ठाकुर जी फिर से हमारा लीडर और मुख्य मंत्री होगा।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1445/डी.सी.-एन.जी./1

डॉ0 राजीव बिन्दल जारी.....

यह अविश्वास प्रस्ताव महत्वहीन है। इतना कह कर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया आपका धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

उपाध्यक्ष : मेरा दोनों पक्ष के माननीय सदस्यों से निवेदन है कि अभी बोलने वालों की सूची बहुत लम्बी है। 17 माननीय सदस्य विपक्ष की ओर से और 12 माननीय सदस्य सत्तापक्ष की ओर से बोलने वाले शेष हैं। आप दोनों पक्ष एक-एक वक्ता फाइनल कर लें क्योंकि 03.00 बजे मुख्य मंत्री जी ने उत्तर भी देना है। ...व्यवधान... पिछले कल अध्यक्ष जी ने तय किया था कि 03.00 बजे मुख्य मंत्री जी उत्तर देंगे। ...व्यवधान... कृपया बैठ जाएं। ...व्यवधान... ठीक है। दोनों पक्षों से दो-दो माननीय सदस्य 5-5 मिनट बोलेंगे ऐसा तय हुआ है। अब मैं चर्चा में भाग लेने के लिए माननीय सदस्य श्री हर्षवर्धन चौहान जी को आमंत्रित करता हूं।

11-08-2022/1445/डी.सी.-एन.जी./2

श्री हर्षवर्धन चौहान (शिलाई) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद। यह बहुत महत्वपूर्ण इश्यू है और कांग्रेस विधायकों द्वारा सरकार के विरूद्ध जो अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अभी माननीय सदस्य डॉ0 राजीव बिन्दल जी कह रहे थे कि अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, हम जानते हैं कि हमारे पास संख्या बल नहीं है और हम इस

सरकार को नहीं गिरा सकते। लेकिन इस प्रस्ताव के माध्यम से हम जनता की भावना व पीड़ा को इस माननीय सदन में आपके माध्यम से सरकार के समक्ष रखना चाहते हैं। आज जनता बहुत दुःखी है। प्रदेश का किसान, बागवान, कर्मचारी या अन्य कोई भी वर्ग हो वह इस सरकार से परेशान है। आज 70 साल के इतिहास में महंगाई व बेरोज़गारी अपनी चरम सीमा पर है। जनता को जो पीड़ा है हम उसे यहां पर रखना चाहते हैं। आप इस अविश्वास प्रस्ताव को समय सीमा में बांध कर 2-3 घण्टे में समेटना चाहते हैं। यदि आपकी कोई उपलब्धियां हैं तो आप यहां पर उनका बखान करें। लेकिन हमें भी तो अपनी बात रखने दीजिए। अभी माननीय उद्योग मंत्री जी ने ठीक कहा और वे मानते हैं कि कांग्रेस पार्टी की सरकार प्रदेश में बनने जा रही है। क्योंकि वह हम में से कभी किसी को मुख्य मंत्री बनने के लिए कह रहे थे और कभी किसी को। यह स्पष्ट है और हिमाचल की जनता को भी पता है कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने जा रही है। सरकार के मंत्री भी इस बात को जानते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मंत्रीगण कानून की बात करते हैं और सरकार को ठीक ढ़ंग से चलाने की बात करते हैं। लेकिन माननीय उद्योग मंत्री जी अभी कह रहे थे कि बस तो तब चलेगी जब मंत्री बोलेगा। जनता बोलेगी तो बस नहीं चलेगी। विधायक बोलेगा तो बस नहीं चलेगी। मंत्री या भाजपा का कोई नेता बोलेगा तो बस चलेगी। इस प्रकार से आप हिमाचल प्रदेश की सरकार को चला रहे हैं, it is an example and it is on record in Himachal Pradesh Vidhan Sabha जोकि मंत्री जी ने स्वयं बोला है।

11-08-2022/1445/डी.सी.-एन.जी./3

उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश किस ओर जा रहा है? Himachal Pradesh is going from bad condition to worst. आप कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। आपको हिमाचल की जनता ने सत्ता में बिठाया और आपको पांच साल काम करने का मौका दिया था लेकिन आज हिमाचल किस ओर जा रहा है? माननीय सदस्य श्री राम लाल ठाकुर जी अभी लोन के बारे में कह रहे थे। आज प्रदेश पर लोन कितना बढ़ गया है। अभी मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि हिमाचल प्रदेश पर लगभग 64000 करोड़ रुपये का

लोन है। लेकिन आज 'पंजाब केसरी' में लिखा गया है, कि "गम्भीर वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा राज्य, सरकार कर्ज़ के लिए एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में संशोधन कर सकती है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1450/SS-HK/1

श्री हर्षवर्धन चौहान क्रमागत :

एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में संशोधन कर सकती है। सूत्रों के अनुसार मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में देर सायं हुई मंत्री परिषद् की बैठक में इससे संबंधित संशोधन के मौसदे को मंजूरी प्रदान की गई। इस मंजूरी के बाद अब सरकार संशोधन विधेयक को मंजूरी के लिए मौजदा मानसून सत्र में प्रस्ताव ला सकती है। मुख्य मंत्री जी, आप मुझे बताओ कि आपको एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में संशोधन करने की क्या जरूरत पड़ गई? जो आपका 2022-23 का बजट था इसमें आपने क्या लिखा था? 2022-23 के बजट में आपने लिखा था कि 'The loan of Himachal Pradesh is Rs. 63,200 crores as on 21.02.2022.यह आपकी बजट की किताब है। If government fully avails the limit of loan, it will be Rs. 69,476 crores on 31st March, 2022. मेरी बात सुनिए। आपकी लोन की लिमिट 31 मार्च, 2022 तक 69000 करोड़ रुपये है। तो फिर आपको एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में संशोधन करने की क्या ज़रूरत पड़ गई? आप कह रहे हैं कि हिमाचल प्रदेश का लोन 64 हजार करोड़ रुपये है तो फिर आप एफ0आर0बी0एम0 एक्ट को क्यों अमैंड कर रहे हो? आपके पास ऑलरेडी लिमिट है। आपकी लिमिट 69 हजार करोड़ रुपये है। उपाध्यक्ष महोदय, हम मुख्य मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि हिमाचल प्रदेश का एक्चुअल लोन कितना है? प्रधान मंत्री जी का कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश उनका दूसरा घर है। What the Hon'ble Prime Minister has given to Himachal Pradesh? The Hon'ble Prime Minister has come seven times in Himachal Pradesh. Even this year he has visited Shimla and Dharamshala. मैं मुख्य मंत्री जी से जानना

चाहूंगा कि क्या हिमाचल प्रदेश को कोई फाइनेंशियल पैकेज मिला? "नहीं मिला।" इंडस्ट्रीयल पैकेज मिला? "नहीं मिला।" आप ड्रग्स बल्क पार्क की बात करते हो। इस सदन के अंदर साढ़े चार साल से ड्रग्स बल्क पार्क का रोना रो रहे हो। आपको ड्रग्स बल्क पार्क नहीं मिला। आपको सॉफ्ट लोन नहीं मिला। आपने 65 हजार करोड़ रुपये के 68 नेशनल हाइवेज की घोषणा की, उसमें क्या किया? मुख्य मंत्री जी, मैं आपको कहूंगा कि आप भी हिमाचल प्रदेश की मांग प्रधान मंत्री के समक्ष उठाने में असफल रहे। आपने

11.08.2022/1450/SS-HK/2

धर्मशाला-शिमला की जनसभा में जो हिमाचल प्रदेश की पीड़ा, दर्द व मांग है उसको नहीं रखा। आपने प्रधान मंत्री के गुणगान गाए। बहुत अच्छी बात है। मगर हिमाचल प्रदेश की क्या ज़रूरत है उसका आपने उल्लेख नहीं किया।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि सत्ता कैसे हासिल की जाए, मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि हम तो 25 साल के लिए आ गए। मगर हर पांच साल बाद सरकार जनता के दरबार में जाती है और जनता उसे चुनती है। मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आपमें इतनी डैस्प्रेशन क्यों है, आप कानून की धज्जियां क्यों उड़ा रहे हो? जब चुनाव नज़दीक थे तो आप वीरभद्र सिंह जी को कहते थे कि वीरभद्र सिंह रेवड़ियों की तरह स्कूल बांटते हैं। आज हमारा शिक्षा का स्तर इतना अच्छा इसलिए है क्योंकि उन्होंने स्कूल खोले। आप मुझे बताओ, अभी बिंदल जी कह रहे थे कि इतनी पी0एच0सी0 खोल दीं, इतने हेल्थ सब-सेंटर खोल दिए, इतने स्कूल व दफ्तर खोल दिए; आपको इतनी डैस्प्रेशन क्यों है? आप सत्ता हासिल करने के लिए हिमाचल प्रदेश को कंगाल कर दो, उसकी आपको फिक्र नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, अभी मुझे बोलते हुए सात मिनट हुए हैं।

उपाध्यक्षः पांच मिनट ही तय हुए हैं।

श्री हर्षवर्धन चौहान : मैं मुख्य मंत्री जी से कहना चाह रहा हूं कि हिमाचल प्रदेश में पिछले 6 महीने में आपने कम-से-कम 2000 इंस्ट्रियूशन खोले हैं। हर संस्थान को खोलने के लिए एक पैमाना है चाहे वह पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 या स्कूल है। मगर आप कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हो। आप पी0एच0सी0 खोल रहे हो, इस पंचायत में भी पी0एच0सी0 और

साथ लगती पंचायत में भी पी0एच0सी0 खोल रहे हो। एक पी0एच0सी0 खोलने के लिए 10 हजार की आबादी चाहिए। आपको सी0एच0सी0 खोलने के लिए 25 हजार की आबादी चाहिए। मगर आप कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। मुख्य मंत्री जी, जुब्बल-कोटखाई में आपने दो सब-डिवीजन खोले। उसका यह परिणाम हुआ कि आपके उम्मीदवार की जुब्बल-कोटखाई में जमानत भी जब्त हो जाती है। मैं आपको कहना चाहूंगा कि जिन चुनाव क्षेत्रों में आप टारगेट कर रहे हो, उनके परिणाम आपके सामने आएंगे।

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1455/KS/HK/1

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी---

आप शिलान्यास कर रहे हो। मुख्य मंत्री जी 6 महीने से हर चुनाव क्षेत्र में डेढ़- डेढ़, दो-दो सौ करोड़ रुपये के शिलान्यास कर रहे हैं। करिए, बहुत अच्छी बात है, आप करो मगर आप डेढ़-दो सौ करोड़ रुपये के फाऊंडेशन स्टोन ले कर रहे हो जबकि उनके लिए बजट का प्रावधान शून्य है। मुख्य मंत्री जी, मेरे चुनाव क्षेत्र में आपने 21 प्रोजैक्ट्स के आई.पी.एच. और पी.डब्ल्यू.डी. के शिलान्यास किए जिनकी कॉस्ट 139 करोड़ रुपये है मगर जब मैंने इस सम्बन्ध में यहां पर मुख्य मंत्री जी और आई.पी.एच. मिनिस्टर से प्रश्न पूछा कि उनके लिए कितना बजट प्रोविज़न है तो 139 करोड़ रुपये की प्रोजैक्ट की कॉस्ट के मुताबिक बजट में सिर्फ 16 करोड़ रुपये बताए गए, वह भी मेरी विधायक प्राथमिकता की स्कीमों में। ...व्यवधान... आज आप हिमाचल प्रदेश के लोगों को शिलान्यास के माध्यम से गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करें।

श्री हर्षवर्धन चौहानः आप क्या सोच रहे हो कि हिमाचल प्रदेश की जनता बेवकूफ है, क्या हिमाचल प्रदेश की जनता नहीं जानती? उपाध्यक्ष जी, अभी हिमाचल प्रदेश में चार उप-चुनाव हुए।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया वाइंड अप करें। पांच मिनट ही तय हुए थे। अब हो गया। कृपया समाप्त करें।

श्री हर्षवर्धन चौहानः उपाध्यक्ष जी, अभी तो मेरे 10 मिनट भी नहीं हुए। हिमाचल प्रदेश में चार उप-चुनाव हुए। मुख्य मंत्री जी कहते थे कि मण्डी हमारी है और तीन विधान सभा के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को शून्य मिला। हिमाचल प्रदेश की हवाएं व फिज़ाएं क्या बोल रही हैं, यह इस बात का सबूत है।

11.08.2022/1455/KS/HK/2

अगर इम्प्लॉयमेंट की बात करें तो आप इसमें भी असफल रहे हैं। आपने जो भी नौकरियां देने की कोशिश की है, आज मैं कह सकता हूं कि उनमें से अधिकतर नौकरियां कोर्ट में लटकी हुई हैं। चाहे जे.बी.टी. है, डॉक्टर की भर्ती है,

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें। ये सारे विषय आ गए हैं।

श्री हर्षवर्धन चौहानः 870 शास्त्री जो एक साल से इंतज़ार कर रहे हैं, उनका मामला कोर्ट में लटका है। जे.ओ.ए. (आई.टी.) का मामला दो सालों से कोर्ट में लटका है। ...व्यवधान... भारद्वाज जी, आपने शिक्षा विभाग में मल्टी टास्क वर्कर जिसको कि हाई कोर्ट ने नियम-12 स्ट्रक डाउन किया था, आपकी सरकार ने नियम-18 नया अनकॉस्टिच्यूशनल एण्ड वॉयड लाकर आपने अप्वाइंटमेंट शुरू की जिसको हाईकोर्ट ने रोका है। आज आपकी यह स्थिति है। पुलिस के बारे में ज़िक्र हुआ। हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार 10 लाख के पेपर बिके हैं। अभी मुकेश जी ने ठीक कहा कि बड़े-बड़े अधिकारी हैं जिन्होंने पेपर बेचे हैं लेकिन आपने तो छोटे-छोटे लोगों को पकड़ कर जेल में डाल दिया। बड़े-बड़े अधिकारी जिन्होंने पेपर बेचा है और जो अपने आप लॉ के पेपर में नकल मारते हुए पकड़े गए हैं उनको तो आप पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड का चेयरमैन बना रहे हो।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया बातों को रिपीट न करें। अब समाप्त करें।

श्री हर्षवर्धन चौहानः आपकी क्या परख है, आपकी क्या पहचान है? आज आप छोटे मगरमच्छों को पकड़ रहे हैं लेकिन आपको बड़े मगरमच्छों को पकड़ने की ज़रूरत है।
उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, बस हो गया। अब बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री श्री सुख राम चौधरी जी चर्चा में भाग लेंगे।

11.08.2022/1455/KS/HK/3

श्री हर्षवर्धन चौहानः उपाध्यक्ष जी, मुझे वाइंड अप तो करने दो। दूसरे सदस्यों को आपने 15-15 मिनट दिए हैं।

उपाध्यक्षः कन्क्लूड हो गया, ऐसा नहीं होता। हमने सभी को पांच-पांच मिनट कहा था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने 3.00 बजे उत्तर देना है उसके बाद मैं किसी को नहीं बुलवा पाऊंगा। फिर आपकी तरफ से कोई और नहीं बोल सकेगा। सत्ता पक्ष से भी सिर्फ एक ही बोलेगा उसके बाद माननीय मुख्य मंत्री जी का उत्तर आएगा। समय तय हुआ है। ऐसे नहीं होता है।...व्यवधान.. ठीक है, आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री हर्षवर्धन चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, जो यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, यह जनता की आवाज है, जनता की पीड़ा है। हम चाहते हैं कि अभी भी आपके पास दो-ढाई महीने का समय है, आपको ईश्वर सदबुद्धि दें और जो कमियां हैं, गल्तियां हैं, त्रुटियां हैं और जो जनता की पीड़ा है, उनको भी ठीक करने का अभी आपके पास थोड़ा सा समय है अतः हम उम्मीद करेंगे कि इस ओर आप और ध्यान देंगे। उपाध्यक्ष जी, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

11.08.2022/1455/KS/HK/4

मुख्य मंत्रीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बहुत आराम से सुन रहा था और मैं सोच रहा था किरे हर्षवर्धन जी इस सदन के बहुत पुराने सदस्य हैं। ये कुछ जिम्मेदारी के साथ बात करेंगे मगर मैंने देखा कि किसी बात का कोई तारतम्य ही नहीं था। आप हमको यह ज्ञान बांट रहे हैं, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11-08-2022/1500/av/YK/1

चर्चा क्रमागत--------

मुख्य मंत्री--------- **जारी**

कि आपका कोड ऑफ कंडक्ट 12 तारीख को लगा था और 10 तारीख को आपने 21 कॉलेज खोले थे। ...व्यवधान... उनके लिए बजट प्रावधान 1 लाख रुपये किया गया। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में कॉलेज का शिलान्यास कर दिया गया। वहां कॉलेज के लिए न जमीन थी, न फॉरैस्ट क्लीयरैंस और न बजट प्रावधान; यानी कुछ भी नहीं किया गया था। आप कहते हैं कि हमने धज्जियां उड़ा दीं लेकिन मैं तो यह कहता हूं कि आपने तो अपनी सरकार के समय में नियमों व कानून की बखियां उधेड़ दी थी। फिर उस पर आप लोग यह कहते थे कि हम तो थोक के व्यापारी हैं। यानी एक बच्चा भी होगा तो भी स्कूल खोलेंगे और हमारे समय में यदि हम दूरदराज के क्षेत्रों बच्चों के लिए अस्पताल या स्कूल खोल रहे हैं तो इसमें क्या बुराई है। मेरे पास इस वक्त केवल जल शक्ति विभाग से संबंधित एक कागज है जोकि अभी माननीय मंत्री जी के पास उपलब्ध था। आपके निर्वाचन क्षेत्र में जे0जे0एम0 56.50 करोड़ रुपये, ए0डी0बी0 के 1800 करोड़ रुपये, एन0डी0बी0 30.50 करोड़ रुपये हैं। माननीय सदस्य श्री हर्ष वर्धन जी का निर्वाचन क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ है और उसको देखकर मुझे अपना निर्वाचन क्षेत्र याद आता है। इसलिए मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि वहां विकास की बहुत जरूरत है। आप शिलाई निर्वाचन क्षेत्र का 5वीं बार नेतृत्व कर रहे हैं और आप चैक कर लेना कि जितने काम वहां इस सरकार के कार्यकाल में हुए हैं उतने पहले कभी नहीं हुए। हमने उस निर्वाचन क्षेत्र का विकास अपने निर्वाचन क्षेत्र की तरह किया और वह इसलिए किया क्योंकि वहां विकास कार्यों की बहुत जरूरत है। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि आप विरोध जरूर कीजिए परंतु यदि तथ्यों पर आधारित बातें करेंगे तो अच्छा रहेगा। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, बोलिए

11-08-2022/1500/av/YK/2

शहरी विकास मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री) : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ एक बात ठीक करनी है। यहां पर माननीय सदस्य ने मल्टी टास्क वर्कर्ज के बारे में बात की है कि वह अनकॉंस्टिच्यूशनल है। उसमें रूल-12 स्ट्रक डाउन कर दिया था। हाई कोर्ट ने पहली वॉटर करियर की पॉलिसी जिसमें रूल-12 मुख्य मंत्री के पास डिस्क्रिशनरी था, वह पॉलिसी इनके टाइम में स्ट्रक डाउन की थी। उसके बाद इन्हीं के टाइम में वह मामला सुप्रीम कोर्ट में फाइल हुआ और इन्हीं के टाइम में सुप्रीम कोर्ट ने उसमें स्टे दी है। वह मामला जब स्टेड है तो उसको अनकॉंस्टिच्यूशनल कैसे कह सकते हैं। नई पॉलिसी बनाई गई है और नई पॉलिसी में रूल-18 है। पहले रूल-12 था मगर अब रूल-18 है। जब तक कोर्ट में चैलेंज नहीं हुआ, जब तक अनकॉंस्टिच्यूशनल नहीं हुआ तब तक how a Member can say in this House that it is unconstitutional? I just want to correct him. ...व्यवधान... मैं ये बातें जजमैंट के आधार पर बोल रहा हूं।

श्री हर्षवर्धन चौहान : उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी की जानकारी अधूरी है। रूल-12 कॉंग्रेस सरकार के समय में था और उसको हाई कोर्ट ने स्ट्रक डाउन किया था तथा फिर वह सुप्रीम कोर्ट में गया। आपने फिर उस रूल-12 जिसको हाई कोर्ट ने स्ट्रक डाउन किया था उसी को आपने रूल-18 बना दिया और यह कहा कि

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1505/टी0सी0वी0/वाई0के0-1

श्री हर्षवर्धन चौहान ... जारी

मुख्य मंत्री को अप्वाईंट करने की पावर है जो हाईकोर्ट ने स्ट्रकडाउन की है ...व्यवधान... उपाध्यक्ष महोदय, जब लोगों ने हाइकोर्ट में याचिका दायर की और रूल-18 को चैलेंज

किया तो सरकार के ऐ0जी0 ने हाइकोर्ट में कहा कि रूल-18 के माध्यम से हम कोई अप्वाइंटमैंट नहीं करेंगे। Because it was illegal and unconstitutional. ...व्यवधान... रूल-18 स्ट्रक डाउन हो चुका है। आपने रूल-18 में कोई अप्वाइंटमैंट नहीं की है। आप गलत बोल रहे हैं।

उपाध्यक्ष : अब चर्चा में बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एंव ऊर्जा मंत्री भाग लेंगे। माननीय मंत्री जी समय का ध्यान रखें।

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एंव ऊर्जा मंत्री : आदरणीय उपाध्यक्ष जी, हमारे विपक्ष के मित्रों ने कल सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था। मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपको कांग्रेस पार्टी के 2-3 उदाहरण देना चाहता हूं कि यह सत्ता में आने के लिए कहां तक चले जाते हैं? जब हिमाचल प्रदेश में आदरणीय शांता कुमार जी प्रदेश के मुख्य मंत्री थे, कर्मचारियों की बहुत लम्बी हड़ताल चली। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में "नो वर्क नो पे" लागू कर दिया था। जब हिमाचल प्रदेश में विधान सभा का चुनाव हुआ तो मैं उस समय सरकारी कर्मचारी था। उस समय कांग्रेस का छोटे-से-छोटा कार्यकर्ता कहता था कि हमारी सरकार बनाओ और कैबिनेट की पहली बैठक में कमर्चारियों से नो वर्क नो पे हटा देंगे। आज हिमाचल प्रदेश के कर्मचारी आप लोगों से इसके बारे में पूछ रहे हैं, उस समय हिमाचल प्रदेश में आपकी सरकार 2/3 बहुमत से बनी थी, आपने यह नो वर्क नो पे नहीं हटा पाए। दूसरी बार फिर चुनाव हुआ आपकी पार्टी के एक बहुत बड़े नेता ने बेरोजगारी भत्ते के लिए हिमाचल प्रदेश में संघर्ष यात्रा निकाली और वह कहता था कि हमारी सरकार बनाओ, हम 18 साल से 45 साल के बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देंगे। यह कांग्रेस पार्टी के घोषणा-पत्र में भी था। आपकी प्रदेश में सरकार बन गई, आपने कहा था कि इसको कैबिनेट की पहली बैठक में लाएंगे, इसके लिए दूसरी कैबिनेट बैठक की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पत्रकारों ने उस समय के मुख्य मंत्री से पूछा कि बेरोजगारी भत्ते का क्या बना क्योंकि यह आपने अपने

घोषणा-पत्र में रखा था। उन्होंने कहा कि यह उस मंत्री का घोषणा-पत्र है, यह कांग्रेस का घोषणा-पत्र नहीं है और हमने यह कमिटमेंट नहीं की है। आप कहते कुछ है और करते कुछ हो। आजकल आप बेरोजगारों की संघर्ष यात्रा निकाल रहे हैं। आपने लोगों से

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1510/NS/AG/1

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री ..... जारी

वायदे किए जिसको आप सत्य वचन बोलते हैं और हिमाचल प्रदेश के लोग इसको असत्य वचन बोलते हैं। आजकल आपने हिमाचल प्रदेश के बेरोज़गारों को भ्रमित करने की यात्रा निकाल रखी है। हम हिमाचल प्रदेश में बेरोज़गारी खत्म करेंगे और बेरोज़गारों को रोज़गार देंगे क्योंकि कांग्रेस पार्टी को सत्ता से इतना मोह है कि सत्ता के बगैर कांग्रेसी रह नहीं सकते हैं। इसलिए आप लोग बेरोज़गारों की यात्रा निकाल रहे हो। आपने अपने समय में कितने लोगों को रोज़गार दिया, मैं पिछले पांच सालों का बिजली बोर्ड का उदाहरण यहां देना चाहूंगा। आपने पांच सालों में 3157 लोगों को रोज़गार दिया और हमने 4894 लोगों को रोज़गार दिया है। आपसे ज्यादा रोजगार हमने दिया है। बिजली बोर्ड की भर्ती हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से हुई है। बैक डोर से कोई भर्ती नहीं हुई है। हमने शत-प्रतिशत भर्ती की है। इसलिए आप जो बड़े-बड़े उदाहरण देते हो तो आप हिमाचल प्रदेश में मशहूर हैं। आम आदमी से पूछ लो कि चिट्टों पर भर्ती देने वाली कौन-सी पार्टी है? उसमें कांग्रेस पार्टी का नाम आएगा। कांग्रेस पार्टी चिट्टों पर भर्ती देने वाली पार्टी के नाम से जानी जाती है। आपके समय में कोई घोटाला हो जाए तो आप उसमें कोई एक्शन नहीं लेते हैं। आपके समय नीट का पेपर लीक हुआ तो आपने कुछ नहीं किया। जब लोग माननीय उच्च न्यायालय में गए तब आपने भर्ती रद्द की। वर्ष 2016 में पुलिस भर्ती का पेपर लीक हुआ आपने तब भी भर्ती रद्द नहीं की, आपने रिजल्ट निकाल कर भर्ती कर दी। आप अपने समय में नहीं देखते कि क्या करते हैं?

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं भ्रष्टाचार की बात करता हूं। कांग्रेस के मित्रों को भ्रष्टाचार के बारे में ज्यादा बोलने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है। मैं आपको छोटा-सा उदाहरण देना चाहता हूं। ...व्यवधान... हिमाचल प्रदेश के लोग जानते

हैं कि स्कूटर पर 10 टन सेब किसने ढोया था? सूमो गा़डियों, तेल के टैंकरों में आपने सेब ढो दिया। अगर आप स्कूटर पर 15 टन सेब ढो सकते हैं तो गाड़ियों की जरूरत क्या है? कांग्रेस वाले मोटर साइकिल ले लो उस पर सेब ढो दिया करो, उस पर सारी सामग्री ढोया करो। इसलिए आपकी असलियत को लोग जानते हैं। आप इस बात की चिंता मत कीजिए। हिमाचल प्रदेश में आदरणीय

11-08-2022/1510/NS/AG/2

जय राम ठाकुर जी ने बेहतरीन काम किया। सामाजिक पैंशन की उम्र 80 से 60 साल की है, 450 करोड़ रुपये से बजट 1375 करोड़ रुपये हो जाए, हिमाचल प्रदेश के 7.50 लाख लोगों को नई पैंशनें लग जाए तो इसी आधार पर हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। आज 0 से 125 यूनिट मुफ्त करने पर 20,69,905 उपभोक्ताओं में से 14,62,130 उपभोक्ताओं का बिल जीरो आया है। हिमाचल प्रदेश में 41,66,979 रुपये की सब्सिडी दी गई है। सब जानते हैं कि आप किसानों के कितने हितैषी हो? हिमाचल प्रदेश में जब आपकी सरकार आती है तो आप बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। पिछली बार जब हिमाचल प्रदेश में आपकी सरकार बनी तो उस समय धूमल जी की सरकार में किसानों की बिजली 50 पैसे प्रति यूनिट थी तो आपने किसानों की बिजली 1 रुपये प्रति यूनिट कर दी थी। मैं, आदरणीय जय राम ठाकुर जी का किसानों की ओर से धन्यवाद करना चाहता हूं क्योंकि इन्होंने पहले टयूब वैलों से सिंचाई की बिजली की कीमत 1 रुपये से घटा कर 50 पैसे प्रति यूनिट की और इस बजट में 50 पैसे से 30 पैसे प्रति यूनिट कर दी है। हिमाचल प्रदेश के लोगों को बिना एन0ओ0सी0 के बिजली का कनैक्शन नहीं मिलता था

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

11.08.2022/1515/RKS/एजी-1

बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री... जारी

और जब कनैक्शन मिल भी जाता था तो उस टैम्परेरी कनैक्शन का बिल सात रुपये प्रति यूनिट आता था। हमने हिमाचल प्रदेश में बिना एन.ओ.सी. के टैम्परेरी कनैक्शन्ज देने शुरू

किए। हम एन.ओ.सी. क्यों दें क्योंकि नक्शा पास करने की जिम्मेदारी नगर निगम, टी.सी.पी., नगर परिषद् और नगर पंचायत की होती है? हमने एन.ओ.सी. के बिना मीटर स्थापित करना शुरू किए। हमने हिमाचल प्रदेश में लगभग 58 हजार लोगों को बिना एन.ओ.सी. के मीटर स्वीकृत किए। जिन उपभोक्ताओं को पहले 7 रुपये प्रति यूनिट बिजली का बिल आता था आज वे लोग एक या डेढ़ रुपये प्रति यूनिट बिजली का बिल दे रहे हैं। हिमाचल प्रदेश की सरकार गरीब व आम व्यक्ति की सरकार है। हिमाचल प्रदेश के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि एफ.सी.आई. के माध्यम से धान की खरीद किस वर्ष शुरू हुई। आदरणीय जय राम ठाकुर जी की सरकार ने प्रदेश में सात अनाज मंडियां स्थापित की हैं जिनमें किसानों के धान की शत-प्रतिशत खरीद हो रही है। पहले किसानों का धान हरियाणा, पंजाब या उतर प्रदेश की मंडियों में जाता था लेकिन अब इसकी खरीद हिमाचल प्रदेश में ही हुई है। इस बार गेहूं की शत-प्रतिशत खरीद भी हिमाचल प्रदेश की अनाज मंडियों में ही हुई है। ...व्यवधान... श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व वाली यह सरकार मजदूर हितैषी सरकार है। आपने अपने समय में मजदरों की कितनी मजदूरी बढ़ाई थी? हमने गत साढ़े चार वर्षों में मजदूरों की मजदूरी आपसे दोगुना बढ़ाई है। आप डॉक्टर्ज की बात कर रहे हैं। आपके समय में भी डॉक्टर्ज की संख्या पर्याप्त नहीं थी। आपने जाते-जाते कई स्कूल और कॉलेज खोल दिए और जहां पर पटवार सर्कल की मांग की गई वहां आपने सब-तहसील खोल दी। इस तरह आपने हिमाचल प्रदेश के लोगों को ठगने का प्रयास किया है। आपने नो वर्क, नो पे और बेरोजगारी के नाम पर लोगों के साथ धोखा किया है। आपने कहा कि हम प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन या भत्ता देंगे। अगर आप पांच हजार रुपये पेंशन की घोषणा भी करेंगे तो लोग आप पर विश्वास नहीं करेंगे क्योंकि आपने लोगों के साथ हमेशा धोखा ही किया है। हिमाचल प्रदेश में पुनः श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

11.08.2022/1515/RKS/एजी-2

उपाध्यक्ष : अब श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु : उपाध्यक्ष महोदय, जनता की आवाज के रूप में कांग्रेस पार्टी ने इस सरकार के खिलाफ इस सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। सरकार ने पौने चार वर्षों में जो कारगुजारियां की हैं जिसके कारण आज जनता सड़कों पर उतरी है और हमारे पास संख्या बल कम होते हुए भी इस प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। इस सरकार में न तो ईमानदारी बची है और न ही पारदर्शिता। मुख्य मंत्री जी ने जो पहले राम राज्य की कल्पना की थी उसमें हमारा यह मानना है कि ' अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।'

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1520/बी.एस./ए0एस0/-1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी...

इस सरकार के मुख्य मंत्री और मंत्री बताएं कि पिछला जब मानसून सत्र था तो हिमाचल प्रदेश के ईमानदार मुख्य सचिव, अनिल खाची जी को क्यों हटाया गया? इसका जवाब मुख्य मंत्री जी को देना पड़ेगा। मुख्य मंत्री जी जब चर्चा का उत्तर देंगे तो अवश्य इस पर भी जवाब देंगे। आप देखिए कि मानसून सत्र चल रहा था सत्र के बीच एक दम सूचना आती है कि उन्हें सत्र से पहले हटा दिया गया और श्री अनिल खाची जी को चुनाव आयोग का चेयमैन बना दिया गया। इस सरकार में ईमानदारी नाम की कोई चीज नहीं है। इसमें एच शब्द उड़ ही गया है। फिर एक और व्यक्ति को मुख्य सचिव बनाया गया जिस प्रकार की परंपरा अपनाई जाती है। प्रधान मंत्री जी के कार्यालय से मुख्य मंत्री जी को चिट्ठी आती है कि आपके मुख्य सचिव पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। मुख्य मंत्री जी तीन महीनों तक उस चिट्ठी में बैठे रहते हैं उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। तीन महीने के बाद मुख्य मंत्री जी को दिल्ली पी0एम0ओ0 कार्यालय में बुलाया जाता है और इन्हें कहा जाता है कि आप मुख्य सचिव के खिलाख क्यों एक्शन ले रहे हैं? इनके मिलने की तारीख भी हम बता देंगे। मैं भी दिल्ली थी वे मुझे मिले यह हिमाचल सदन की बात है। मैंने भी देखा है कि वहां पर मुख्य सचिव के लिए नया कमरा बना है उसमें दो कमरे और एक डायनिंग रूम अलग से है और वेटिंग रूम भी अलग से है। हमने भी उनसे बात की और कहा कि वे पी0एम0ओ0

जा रहे हैं। अगले दिन खबर आती है कि मुख्य सचिव साहब को हटा दिया गया है। इसके बाद जो परमोशन में मुख्य सचिव बनने हैं उन्हें नहीं बनया गया बेचारे धीमान साहब, इन्फोमेशन कमीशन के लिए एप्लाई किया हुआ है ये मुख्य सचिव बन जाते हैं। अब मुख्य सचिव को क्यों हटाया गया? इसका जवाब देना पड़ेगा। यदि आप जवाब नहीं देते तो हम देंगे। उनके खिलाफ एक शिकायत गई और उसमें क्या लिखा गया कि एक सीमेंट कंपनी है जो चंबा में सिमेंट प्लांट लगाना चाहती है। आपके मुख्य सचिव बोलते हैं कि अगर सीमेंट प्लांट लगाना है तो मेरी पुत्र वधु के जो कुड़म हैं उनके नाम पर मुम्ब्ई में एक फ्लैट खरीदो। उसमें 4 करोड़ रुपये के फ्लैट खरीदने की बात की गई। जब इस बात की इन्क्वायरी पी0एम0ओ0 ने की तो मुख्य मंत्री जी लाचार थे। इन्हें मजबूरी में मुख्य सचिव को हटाना पड़ा। क्या ऐसी सरकारी जनता के विश्वास में रह

11.08.2022/1520/बी.एस./ए0एस0/-2

सकती है जिसने प्रति दिन लोंगें के आंदोलन हो रहे हैं। हम जानते हैं कि हम इस सरकार को नहीं गिरा सकते। लेकिन जनता की अदालत में ये जरूर गिरेंगे। यह रिवाज इनका नहीं बनेगा। मुख्य मंत्री जी तो चुनाव जीत जाएंगे परंतु विधायक के तौर पर इस सदन में इस तरफ बैठेंगे। पता नहीं कितने मंत्रियों को टिकट मिलेंगे या नहीं मिलेंगे। जो दो मंत्री पहले बोल रहे थे मुझे तो लगता है कि उनका टिकट भी कट रहा है। क्योंकि वे इतनी जोर से बोल रहे थे। वे हमारी चर्चा कर रहे थे। मुकेश जी और मेरी चर्चा कर रहे थे वे अपने मुंह से मुकेश जी को मुख्य मंत्री बना रहे हैं ओरों को मुख्य मंत्री बना रहे हैं। इससे पता चलता है कि यह सरकार कितनी भयभीत है। करोना महामारी का नाम हमने पहले कभी नहीं सुना था। यह कैसी सरकार है जिस सरकार में कोरोनाकाल में बद्दी में रेमडेसवियर के टीके बने और उस समय रेमडेसवियर इंजेक्शन नहीं मिल रहा था। इस सरकार के उद्योग मंत्री को भी बताना चाहिए, उस समय 7000/- रुपये का एक टीका था और वह भी नकली था। इसकी जांच किसने की, इसकी जांच हरियाणा सरकार ने की और इसकी जांच हुई, तब पता चला कि ये तो नकली टीके हैं1 इससे कई लोगों की मौत हो रही है और कई अन्धे हो रहे हैं**। यह सरकार उन लोगों की जान से खेली तो क्या हिमाचल की जनता इन्हें माफ करेगी। कोरोनाकाल में जितनी जानें गई हैं, वे सरकार की लापहवाही से गई हैं। इसलिए**

कांग्रेस पार्टी ने इस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। यही नहीं, फिर क्या उस नकली दवराई की फैक्ट्री में पूछा गया कि हमसे तो लाइसेंस ही नहीं लिया गया, फिर

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...।

11-08-2022/1525/ए.एस.-एन.जी./1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी.....

आपने उसके ख़िलाफ क्या क्रीमिनल कार्रवाई की? कुछ नहीं किया और उसे छोड़ दिया गया। इसी प्रकार पुलिस भर्ती में भी हुआ। माननीय श्री सुख राम जी कह रहे थे कि मैनें जो नियुक्तियां की हैं वे सभी सब-ऑर्डिनेट सिलैक्शन बोर्ड से की हैं क्योंकि मुझे जेल नहीं जाना है। पुलिस का काम राज्य की सुरक्षा से सम्बंधित होता है। पुलिस का काम मुख्य मंत्री, मंत्री और जनता की सुरक्षा करना होता है। लेकिन पुलिस ने पेपर स्वयं करवाया। उसे छपवाने भी पुलिस के अधिकारी गए। पेपर का वितरण भी पुलिस के अधिकारियों ने किया। 76000 लोगों से 700 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से फीस ली गई। गरीब आदमी नौकरी की तलाश में सोचता है कि सरकारी रोज़गार मिल जाएगा तो मेरे परिवार का भला हो जाएगा। क्या कारण है कि आज तक पुलिस का कोई अधिकारी या जवान पकड़ा नहीं गया? पकड़ा तो सिर्फ चौकिदार या गोरखे को। मैं कहना चाहता हूं कि इसमें पुलिस अधिकारी सम्मलित पाए गए हैं। मुख्य मंत्री जी पुलिस अधिकारियों ने एक एजंसी के माध्यम से पेपरों को बेचा है जिसमें पेपर का दाम 3 से 5 लाख रुपये रखा गया था। मुख्य मंत्री जी गरीब, यूवा व बेरोजगारों के साथ धोखा हुआ है। अच्छी बात है कि आपको रात 11.00 बजे पता लगा और आपने एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए कहा। जो आई.जी./एस.पी. इन्टरव्यू ले रहे थे उन पर तीन दिन तक दबाव डाला गया कि परिणाम घोषित करो। मुख्य मंत्री जी क्या आपने इस बात की जांच करवाई? मुख्य मंत्री जी आप झूठे मुख्य मंत्री हैं। आपने कहा था कि हम सी.बी.आई. से जांच करवाएंगे लेकिन अभी

आपने रिप्लाई में कहा कि हमने न केस को बंद किया है और न ही सी.बी.आई. को कोई आदेश दिया है। हम आपसे चाहते हैं कि इस प्रकार के पेपर सब-ऑर्डिनेट सिलैक्शन बोर्ड के माध्यम से होने चाहिए। यह पेपर जिस पुलिस अधिकारी के संरक्षण में हुए उसके विरूद्ध आपकी सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

11-08-2022/1525/ए.एस.-एन.जी./2

जो अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होता है और उसके विरूद्ध सरकार आंखें बंद करके सोई रहे तो वह सरकार भी भ्रष्टाचारी होती है। आपकी ढ़ाई दिन की बादशाहत शेष रह गई है। ढ़ाई दिन के बाद आपकी सरकार वापिस नहीं आएगी।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने डॉक्टर्स के 500 पदों पर भर्ती करने की बात कही और कहा कि 300 पदों को सीधी भर्ती और 200 पदों को पब्लिक सर्विस कमीशन से भरेंगे। यह एक नियम ही नहीं बना पा रहे हैं। आपको जितने भी डॉक्टर्स की भर्ती करनी है वे सभी सब-ऑर्डिनेट सिलैक्शन बोर्ड के तहत होनी चाहिए। लेकिन आप उनका वॉक-इन-इन्टरव्यू करना चाह रहे हैं तो आपने पब्लिक सर्विस कमीशन क्यों बनाया है?

मुख्य मंत्री जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आज सरकार का ऐसा कोई भी विभाग नहीं है जिसमें भ्रष्टाचार न हो रहा हो। यदि आप आंखें मूंद लोगे तो कुछ नज़र नहीं आएगा। यदि आप अपने कान बंद कर लोगे तो कुछ सुनाई नहीं देगा। आप आंखें मूंद कर और कान बंद करके बैठे हुए हैं। यह निश्चित है कि आपने भाजपा को डूबो देना है और अपने आप जीत कर आना है क्योंकि दो व्यक्तियों के क्षेत्र में ही लोगों को नौकरियां मिली हैं। एक धर्मपुर और दूसरा सिराज। आपके राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी तो बार-बार कह रहे हैं कि आधे विधायकों को टिकट नहीं मिलेंगे और उसमें मंत्री भी शामिल हैं। चाहे श्री बिक्रम ठाकुर हो या श्री राकेश पठानिया, इनका टिकट कटने वाला है। मैं कहना चाहता हूं कि जब इनका टिकट कटेगा तो हमने कांग्रेस पार्टी के दरवाजे इनके लिए खुले रखे हैं। मुख्य

मंत्री जी व इनका आंतरिक सर्वे भी यह बात जानते हैं कि नूरपुर और जसवां परागपुर में क्या हाल हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, एक माननीय सदस्य जो अभी कुछ समय पहले ही भाजपा में गए थे वे बेचारे दुःखी होकर वापिस चले गए और माननीय सदस्य श्री प्रकाश राणा जी अकेले रह गए।

11-08-2022/1525/ए.एस.-एन.जी./3

उन्होंने भाजपा से त्याग पत्र दे दिया क्योंकि उन्हें भाजपा की बैठक में ही नहीं बुलाया था। वे बोलते हैं कि मेरी अपनी गरिमा, अपना स्वाभिमान है। इसी प्रकार इनके अनेक मंत्री हमारे सम्पर्क में हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अंत में कहना चाहता हूं कि

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1530/SS-DC/1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु क्रमागत :

उपाध्यक्ष महोदय, मैं अंत में कहना चाहता हूं कि आपके सत्तापक्ष के सदस्य बार-बार बोल रहे थे कि ओ0पी0एस0 के लिए पैसा कहां से आयेगा। जब क्लास-। और क्लास-॥ ऑफिसर्ज़ को पेंशन मिल सकती है, विधायकों को पेंशन मिल सकती है तो इतने प्रूडेंटली हम भी सोच सकते हैं कि हमने अपने सरकारी कर्मचारियों को, जिन्होंने इस प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिन्होंने इस प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत किया; उनको ओ0पी0एस0 के तहत सरकारी पेंशन कांग्रेस पार्टी उपलब्ध करवाएगी।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस सरकार से यही कहूंगा कि ख्याली पुलाव पकाने बंद कर दो। आपमें से आधे लोग हमारे सम्पर्क में हैं, आधे हमारे सम्पर्क में आएंगे। यह बात ठीक है कि माननीय मुख्य मंत्री और महेन्द्र सिंह जी ने नौकरियां देकर अपनी कुर्सियां पक्की की हुई

हैं। इतनी नौकरियां आपके क्षेत्र में लगी हैं आप पीछे वाले जोर-जोर से चीखते रहिए कि राम राज्य है। यह राम राज्य नहीं है बल्कि भ्रष्ट राज्य है। यहां अंधेर नगरी चौपट राजा वाली बात चरितार्थ होती है यानी आंखें बंद की हुई हैं लूट सको तो लूट। इस प्रकार का राज है।

इन्हीं शब्दों के साथ, हमने जनता के विश्वास को साथ लेकर जब जनता हमारे पास आई, सचिवालय के बाहर बागवान धरना दे रहे थे, किसान सड़कों पर थे, कर्मचारी संगठन ओ0पी0एस0 को लेकर सड़कों पर था, मजदूर सड़कों पर थे, जब सारी जनता सड़कों पर थी तो उसके बाद जब आपने जनता का विश्वास खोया, चार बाई-इलैक्शन खोए, मुख्य मंत्री जी ने अपनी लोक सभा सीट पर चुनाव हारा तो यह अविश्वास प्रस्ताव हमारा अधिकार बनता था। इस संदर्भ में हम अविश्वास प्रस्ताव लाए। हम संख्या बल में कम हैं लेकिन हमारी आवाज़ जनता की आवाज़ है। इसलिए हम इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। धन्यवाद।

11.08.2022/1530/SS-DC/2

उपाध्यक्ष : अब चूंकि माननीय मुख्य मंत्री का उत्तर आना है और सिंघा जी तो आपकी तरफ ही हैं, इन्होंने भी यही विषय रखना होगा। कॉंटैंट रिपीट हो रहा है। सिंघा जी, मेरा निवेदन है कि मैंने पहले ही कहा था। इनके जो शब्द हैं कि विलुप्त प्रजाति है, मैंने कहा कि आप ऐसा मत बोलो। चर्चा का उत्तर 3.00 बजे आना है, यह तो तय हो गया है। ...व्यवधान... फिर मैं सिंघा जी को नहीं बुलाऊंगा।

(माननीय अध्यक्ष पदासीन हुए।)

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में हमारे अंतिम वक्ता श्री राकेश सिंघा जी, जैसे इस माननीय सदन ने तय किया है, अपनी बात रखेंगे। सिंघा साहब, सुनिए। आप मेरी तरफ देखिए। आप अभी बैठिए। उसके बाद मुख्य मंत्री जी इस सारी चर्चा का बड़े विस्तार से उत्तर देंगे। अब श्री राकेश सिंघा जी अपना वक्तव्य शुरू करें।

श्री राकेश सिंघा (ठियोग) : अध्यक्ष महोदय, जो इस सदन के अंदर नियम-278 के तहत प्रस्ताव लाया गया - "A motion expressing No-Confidence in the Council of Ministers." इस पर मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं और मैं आपसे विनती करना चाहता हूं

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1535/केएस/डीसी/1

श्री राकेश सिंघा जारी---

कि आप मुझे बता दें कि मैंने अपनी बात कितने समय के अंदर समाप्त करनी है लेकिन मेरी रिक्वेस्ट है कि आप मुझे 15 मिनट दें।

अध्यक्ष महोदय, मैं जानता हूं कि सदन का न्यूमेरिकल स्ट्रेंथ इस प्रकार का है कि यह जो नो कॉंफिडेंस मोशन मूव किया गया है, it is bound to fail. लेकिन जिस समय मैंने साइन किए, उसके पीछे मेरी मन्शा यह थी कि जो आज बहुत से हिमाचल प्रदेश के ज्वलंत मुद्दे हैं, जो सम्भव नहीं था कि चार दिन के सदन के अंदर उठ सकते थे, उस दृष्टि से और सिर्फ उस दृष्टि से नहीं, दो महीने बाद क्या होगा आज कोई डैफिनेटली नहीं बोल सकता लेकिन सत्ता पक्ष की कोशिश होगी दोबारा आना और विपक्ष का प्रयत्न होगा कि वह सत्ता पक्ष में जाएं। लोकतांत्रिक प्रणाली में ये तौर-तरीके अख्तियार किए जाते हैं और इसमें किसी को बुरा नहीं मानना चाहिए। मेरा मानना है कि जो आज सबसे ज्वलंत मुद्दा प्रदेश के अंदर है, जिसको कांग्रेस पार्टी ने ऑलरेडी उठाया है, ये कर पाएंगे नहीं कर पाएंगे, मैं कहना नहीं चाहता, but they have expressed their will. लेकिन मैं उस प्रश्न को लेकर कहना चाहता हूं कि यह जो ओ.पी.एस. का प्रश्न है, मैं समझता हूं कि यह आज हिमाचल प्रदेश में सैंट्रल क्वैश्चन बन गया है और कोई भी इस पर करैक्ट डिसिज़न लिए बिना जनता के मन में ख़रा नहीं उतर पाएगा। मैं इतना कहना चाहता हूं कि इस सदन के अंदर जब भी बिलों को ले कर चर्चा होती है, मैं हर बिल को नज़दीकी से बड़े ध्यान से पढ़ता हूं और आपसे भी विनती करता हूं कि मुझे समय दें। मैं रैफर कर रहा हूं, यह जो बिल वर्ष

2006 में लाया गया था, Himachal Pradesh Civil Services Contributory Pension Rules, 2006 ये रूल्ज़ आए। उसका एक्ट पहले आया, मैं कह नहीं सकता क्योंकि उस समय मैं यहां पर इस माननीय सदन के अंदर नहीं था लेकिन आप देखिए कितनी बड़ी त्रुटि रह गई। अध्यक्ष महोदय, पुराने रूल्ज़ में हमने क्या कहा, आप मौका दें तो मैं बड़ा संक्षेप में कहना चाहता हूं। इसमें कहा गया, 'and whereas, while making the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 inapplicable to the appointments made on or after 15-5-2003 the intention of the Government was to notify the Contributory Pension Scheme for such Government servants;

यह वर्ष 2006 में हमने लाए लेकिन हमने पुराने रूल 2003 में समाप्त कर दिए लेकिन तीन वर्ष के लिए एक ट्रांज़िटरी पीरियड रखा, एक ऐसा पीरियड रखा जिसमें कोई नियम नहीं

11.08.2022/1535/केएस/डीसी/2

था। मुझे बताएं क्या कोई भी किस्म की चुनी हुई सरकार ऐसी अनुमति दे सकती है? कोई भी सदन क्या ऐसी अनुमति दे सकता है? यह जो हाउस है, it constitutes of the Ruling Party Leader and the Leader of Opposition और हमारा दायित्व है, जब हमें चुनकर भेज दिया तो हम क्या ऐसी अनुमति दे सकते हैं? मैं कहना चाहता हूं कि जय राम जी, आप हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं। मैं नहीं कह सकता कि आप क्या करना चाहते हैं और क्या नहीं करना चाहते लेकिन मैं यहां पर एक बात सांझा करना चाहता हूं कि यह तर्क गलत दिया जा रहा है कि it is not possible कि हम ओल्ड पैंशन रूल्ज़ को रीइंस्टेट नहीं कर सकते क्योंकि जो हमारा Provident Fund Regulatory Development Authority और जो National Securities Depository Limited है, वह अनुमति नहीं है, मैं इस बात से, इस तर्क से सहमत नहीं हूं। आप मुझे एक्सप्लेन कीजिए कि

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11-08-2022/1540/av/HK/1

चर्चा क्रमागत--------

श्री राकेश सिंघा--------- **जारी**

वह अनुमति नहीं है और मैं इस तर्क से सहमत नहीं हूं। आपने स्वयं करके दिया इसलिए आप मुझे एक्सप्लेन कीजिए कि विद्या उपासक वर्ष 2000 में भर्ती हुए थे। वर्ष 2007 में उनको नियमित किया गया और वर्ष 2007 के बाद वे न्यू पैंशन स्कीम के तहत आए। लेकिन वे कोर्ट गए और वर्ष 2015 में हाई कोर्ट ने निर्णय दिया, उसी हाई कोर्ट के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगाई और आज सारे-के-सारे ओल्ड पैंशन स्कीम के तहत आ गए हैं। अगर विद्या उपासक ओल्ड पैंशन स्कीम के तहत आ सकते हैं तो आप बताएं कि क्या बाधा है, क्या इसमें पोलिटिकल विल का प्रश्न पैदा हो रहा है या एडमिनिस्ट्रेटिव विल का प्रश्न खड़ा हो रहा है कि हम इसका समाधान करने में सक्षम नहीं हो रहे हैं। मैं यहां माननीय सदस्य श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु से सहमत हूं। आज प्रश्न यह नहीं है कि यह रेजोल्यूशन डिफीट होगा या पास होगा; प्रश्न यह है कि सदन के बाहर जो लोगों की आवाज में पीड़ा दिख रही है उस पीड़ा को यह सरकार रिड्रेस कर पाएगी या नहीं। मैं समझता हूं कि अगर यह पीड़ा रिड्रेस नहीं होगी तो कोई भी सरकार नहीं रह पाएगी। आज इस सदन के बाहर अनगिनत किस्म के आंदोलन चल रहे हैं तथा वे आने वाले समय में और तेज होंगे। मैं डॉक्टर मनमोहन सिंह जी को बहुत ध्यान से सुनता था। वे वर्ल्ड बैंक से आए और वर्ष 1991 में हमने इस देश में जो नव-उदारवाद विकास का रास्ता अपनाया; वह हमारी सबसे बड़ी भूल थी। आज यह उसी का नतीजा है। उसी का नतीजा कृषि कानून और अग्निपथ योजना है जिसके तहत अग्नि वीरों की भर्ती होगी और वे सरहद पर काम करेंगे मगर उनको पेंशन नहीं होगी। This is the new path of development. इस न्यू लिबरल पाथ को आवाम ने चुनौती दी है। मैं कभी नहीं सोचता था कि देश के प्रधान मंत्री जो बड़े जोर-शोर से बोलते हैं कि मैं कभी झुकूंगा नहीं; तो देश और दुनिया के जो कॉर्पोरेट घराने हैं यानी जो हमारे खेत और खलियान पर कब्जा करना चाहते थे; वहां उनको झुकना पड़ा। उस नव-उदारवाद विकास की नीति तथा जनता

11-08-2022/1540/av/HK/2

की आक्षांओं और पीड़ा के माध्यम से वह टकराव आने वाले समय में बहुत तीखा होने वाला है। उसको फिर कोई नहीं रोक पाएगा। देश और प्रदेश की मेहनतकश जनता आने वाले समय में रास्ता तय करेगी कि जो चुनी हुई सरकारें होंगी उन्हें किस पथ पर चलना है। इसके अतिरिक्त, मैं यह कहना चाहता हूं कि राइडर का प्रश्न वर्ष 2012 में आया था। हम इसको वर्ष 2012 से सही नहीं कर पाए और यह निर्णय बहुत ही अन्यायपूर्वक लिया गया है। माननीय जय राम जी, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि यह अन्यायपूर्वक है और आपके स्वभाव के हिसाब से मैं उम्मीद कर सकता हूं कि आप न केवल ओ0पी0एस0 करेंगे बल्कि इस राइडर के प्रश्न को भी समाप्त करेंगे। इतना कहते हुए मैं कुछ प्रश्नों को स्किप करना चाहता हूं। इसके अतिरिक्त एस0एम0सी और रिवाइज्ड पेंशन वर्ष 2016 का प्रश्न भी है। मगर जिस तरीके से आप कल भड़के वैसी उम्मीद मैं किसी मुख्य मंत्री से नहीं कर सकता हूं। आपका

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1545/टी0सी0वी0/एच0के0-1
श्री राकेश सिंघा .... जारी

जो एन0एच0एम0 का कर्मचारी है, वह आज का प्रश्न नहीं है। समान काम के लिए समान वेतन होगा यह सुप्रीम कोर्ट ने एक बार नहीं बार-बार कहा है। यदि कोई डॉक्टर जिसने एम0बी0बी0एस0 की है और वह एन0एच0एम0 के माध्यम से आएगा और उसी तरह का दूसरा डॉक्टर जो हैल्थ डिपार्टमेंट के जरिए आएगा, उनके लिए दो किस्म के वेतन नहीं हो सकते। यह वर्ष 1993 में तय हो गया है। उस समय मैं इस सदन में था तो एक रेट लेबर डिर्पाटमैंट देता था और दूसरा रेट फाइनेंस डिर्पाटमेंट देता था और जो डेलीवेजर था उसका वेतन 19 रुपये से 46 रुपये हो गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि there cannot be two wages. इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से विनती करना चाहता हूं कि यह जो 108 और 102 का प्रश्न है, 12-12 साल सर्विस दी और हाईकोर्ट ने कहा कि आपको न्यूनतम वेतन 15000/- रुपये देना पड़ेगा लेकिन उनको नौकरी से निकाल दिया गया ।

Can a social welfare state allow such a thing? क्या आप उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं करेंगे और हम इसमें चुनी साधेंगे। मैं जब तक जिन्दा हूं और इस सदन में हूं, मैं अपनी बात को रखूंगा और जोरदार तरीके से रखूंगा। हमें हाईकोर्ट के निर्णय मानना चाहिए। आप बताएं कि उनकी क्या गलती है जिन्होंने कोरोना के समय में मरीजों को ढोया और आज आपने उनको नौकरी से निकाल दिया? आज माननीय मंत्री जी नहीं बैठे हैं, मैंने पिछले सत्र में भी कहा था the principal employer is the government and they have to implement. उसके बाद इनके पक्ष में हाईकोर्ट ने फैसला दिया लेकिन फिर भी हम इसको करने के लिए तैयार नहीं है। प्रश्न तो बहुत-सारे हैं लेकिन मैं इस बात को कभी नहीं भूल सकता कि हमारे प्रदेश के किसान-बागवान के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा है। मैं यह नही कह रहा हूं कि अन्याय यहीं से शुरू हुआ, अन्याय लम्बे समय से हो रहा है लेकिन अब तो इसकी हद ही हो गई है। इसलिए सरकार के खिलाफ जब यह रेज्योल्यूशन मूल हो रहा है तो मैं यह कहना चाहता हूं कि आज एक-एक बागवान ने मन बना लिया है कि सिर्फ नो कांफिडेंस मोशन नहीं, they have prepared to reject the government. अभी भी समय है जो त्रुटियां हैं उनको पूरा किया जा सकता है। शोघी में एक बैरियर लगाया है, वह इलीग्ल बैरियर है, उस पर कर लिया जाता है और सिर्फ सेब के बागवानों से लिया जाता है

और किसी से नहीं लिया जाता है। हमारे देश के संविधान का आर्टिकल-14 यह कहता है कि आप भेदभाव नहीं कर सकते हैं। फिर भी यदि आप इसको रखना चाहते हैं तो बागवानों ने मन बना लिया है कि उस बैरियर को उखाड़ देंगे लेकिन मैं आपसे विनती करना चाहता हूं कि सेब-किसानों के साथ ऐसा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनका बहुत बड़ा हिस्सा कर्ज़ में डूब गया है।

एन0एस0 द्वारा ... जारी

श्री राकेश सिंघा..... जारी

जो प्रस्ताव इस सदन में नेता प्रतिपक्ष ने पेश किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं और सरकार से भी यह अपेक्षा रखता हूं कि जो पोसिबल है उस पोसिबिलिटी में न्याय करने की कोशिश करे क्योंकि कल्याणकारी राज्यों में चुनी हुई सरकारों की बहुत बड़ी जिम्मेवारी होती है। इसलिए उस जिम्मेवारी को सरकार निभाए। मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और 'नो कॉन्फिडैंस' के लिए सदन में अपनी बात रखता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष : श्री राकेश सिंघा जी के वक्तव्य के साथ ही नियम-278 के अंतर्गत मंत्रि परिषद में अविश्वास प्रस्ताव को ले करके प्रातः 11.00 बजे पूर्वाह्न से चर्चा शुरू हुई थी और इसका समय 03.00 बजे अपराह्न तक निर्धारित किया गया था। अब 03.45 बज गए हैं। अब सारी बात विपक्ष व सत्ता पक्ष के वक्ताओं के द्वारा पूर्ण हो गई है। ...व्यवधान... सुनिए, माननीय सदस्य। जो इस माननीय सदन में तय होता है उसकी पालना अक्षरशः की जानी चाहिए। अब इस चर्चा का माननीय मुख्य मंत्री जी उत्तर देंगे। ...व्यवधान...

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य और सी0पी0आई0एम0 के श्री राकेश सिंघा जी अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे)

...व्यवधान...

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे)

अध्यक्ष : ...व्यवधान... माननीय सदस्य बैठिए। कृपया बैठिए। माननीय सदस्य, प्लीज बैठिए। ...व्यवधान.. कृपया बैठ जाइए.....

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी

11.08.2022/1555/RKS/एचK-1

अध्यक्ष... जारी

कृपया बैठ जाइए। माननीय सदस्य कृपया बैठ जाइए। ...व्यवधान ... आपके दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री जी है और सदन के नेता यहां बैठे हैं। ...व्यवधान ... मैंने एक-एक सदस्य को बोलने की बात कही थी। ...व्यवधान ... यहां पर भी लंबी सूची है। ...व्यवधान ...

आप बैठ जाइए। कल और परसों भी विधान सभा सत्र है आप किसी भी समय अपनी बात रख सकते हैं। ...व्यवधान ... कृपया बैठिए। ...व्यवधान ... सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष और संसदीय कार्य मंत्री के सामने यह बात हुई है। ...व्यवधान ... आप ऐसा न करें। संसदीय कार्य मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

संसदीय कार्य मंत्री : आप माननीय अध्यक्ष के साथ इस तरह बात नहीं कर सकते। हमारी संख्या ज्यादा है इसलिए हमें बोलने के लिए ज्यादा समय मिलेगा। आप अपनी मर्जी से कुछ नहीं बोल सकते। आपको नियमानुसार ही बोलना पड़ेगा।

अध्यक्ष : श्री मुकेश अग्निहोत्री जी आप अपने दल के सभी सदस्यों को समझा दिया करें। अब माननीय मुख्य मंत्री इस चर्चा का उत्तर देंगे।

(कांग्रेस विधायक दल के सदस्य नारेबाजी करने लगे।)

(कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य और सी.पी.आई.(एम) के श्री राकेश सिंघा जी सदन से बहिर्गमन कर गए।)

11.08.2022/1555/RKS/एचK-2

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे मालूम था कि इन्होंने आखिर में यही करना है। अगर विपक्ष कुछ विषयों पर सही मायने में गंभीर है तो उन्हें चर्चा करने के लिए अवसर देना चाहिए और इसके लिए आपने व्यवस्था भी दी।। नियम-278 के अंतर्गत अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए उनके पास आवश्यक संख्या थी इसलिए आपने नियमों के अनुसार यह व्यवस्था दी। आपने यह प्रस्ताव स्वीकार किया और इस पर चर्चा करने के लिए माननीय सदन को अनुमति दी।

श्री बी.एस.द्वारा जारी

11.08.2022/1600/बी.एस./ए0जी0/-1

मुख्य मंत्री जारी...

आपने प्रस्ताव स्वीकार किया और चर्चा के लिए यहां इस मान्य सदन को आदेश दिया और हमने भी इस बात को बड़ी सहजता और सरलता से स्वीकार किया है कि नियमों के अन्तर्गत जो प्रावधान है उसका हम भी सम्मान करते हैं और सम्मान करने के साथ-साथ जो भी बात इन्होंने कहनी है वे अपनी बात कहें। उन्हें अधिकार भी है हम उसका जवाब देंगे। लेकिन विचित्र तब लगता है जब इतने महत्वपूर्ण विषय पर इन्होंने प्रस्ताव लाया। आम तौर पर यह प्रस्ताव सहजता और सरलता से नहीं आता है। इस प्रस्ताव में जो गंभीरता उनकी तरफ से दिखनी चाहिए थी वह शून्य थी। आज दोपहर के भोजन के समय मुझे इनके साथी मिले तो वे पश्चाताप कर रहे थे और कह रहे थे कि हमने अपनी ही फजीहत कर डाली है। उनका कहना था कि जिस तरह से हमें अपने विषयों को रखना था उन्हे कोई भी सदस्य नहीं रख पा रहा है और न ही उन विषयों पर गंभीरता बन पा रही है और न ही वे तथ्य पर बोल पा रहे हैं। यह सारी बातें मुझे कांग्रेस के नेता ही बाता रहे थे। वे भले ही धीमी या चोरी-छिपी आवाज में बोले हों लेकिन उसके बावजूद उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। सिर्फ एक-दो नेताओं के दबाव के कारण कि यह करना ही करना है। क्यों करना है? क्यों कि उन्हें लग रहा है कि हम चुनाव के नजदीक पहुंच रहे हैं और चुनाव के नजदीक पहुंच रहे हैं तो हमें कुछ मुद्दों को उठा करके सरकार के खिलाफ एक माहौल खड़ा करना है और खबर और चर्चा बनेगी। इस प्रकार से उन्होंने सारे विषय को उठाने की कोशिश की है। अध्यक्ष महोदय, हमें कोई आपत्ति नहीं है स्वाभाविक रूप से जब वे बोलेंगे तो खबर बनेगी लेकिन यह भी मान करके चलना चाहिए कि जब वे मुद्दे को उठाएंगे तो इसका जवाब मिलेगा तो वह भी खबर बनेगी। मैं सभी मंत्रीगण और अन्य सदस्यों ने जिन्होंने सत्ता पक्ष की ओर से इस चर्चा में पक्ष रखा है वह बहुत प्रभावी ढंग से रखा है। मैं उनको बधाई देता हूं और उनका धन्यवाद करता हूं क्योंकि जिस तरह की उन्होंने उम्मीद भी नहीं की थी उस तरह का जवाब उनको दिया गया है। यानी की मैं कह सकता हूं कि सही शब्दों में कहना हो तो मुंह तोड़ जवाब उन्हें सरकार की ओर से दिया गया है। समय के निर्धारण को ले करके बाहर उठना। अध्यक्ष महोदय, आपने अनुमति दी उसके बाद जो नियमानुसार व्यवस्था है उसके अनुरूप आपने सदन का संचालन किया है।

11.08.2022/1600/बी.एस./ए0जी0/-2

हमारी संख्या उनकी तुलना में दुगनी है फिर भी हमने आधे से कम समय लिया। जितना समय उन्होंने लिया उससे कम समय हमारे साथियों ने लिया। होना तो यह चाहिए था कि वे वहां से एक सदस्य बोलता और यहां से दो सदस्य बोलते। इस सारे विषय को ले करके हम चाहते हैं कि विपक्ष को जो भी अवसर मिले उस अवसर के मुताबिक वे अपनी बात कहें।

अध्यक्ष महोदय, सचमुच मुझे कुछ विषयों को ले करके निराशा है कि ज्यों-ज्यों चुनाव नजदीक आ रहे हैं उस पार्टी में नेतृत्व के इस प्रकार का बिखराव आ गया कि सब नेता बनना चाह रहे हैं। सब अपने-अपने तरीके से घोषणाएं कर रहे हैं। एक नेता घोषणा कर देता है दूसरे नेता कहते हैं कि हमारे साथ तो चर्चा ही नहीं हुई। मैं देख रहा था कि विपक्ष के नेता ने घोषण कर दी, मुझे मालूम नहीं किससे उन्होंने चर्चा की और चर्चा के बाद उन्होंने कह दिया कि हिमाचल प्रदेश में हमारी सरकार बनेगी तो हमारी सरकार बनने के बाद हम 18-60 साल की बेटियों के लिए 1500 रुपये प्रति माह देंगे। एक उन्ही की पार्टी के नेता हैं वे भाषण देते हैं कि पांव उतना पसारिए जितनी चादर हो cut your coat according to your cloth जो हम कर सकते हैं वहीं हमें करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी एक बहुत जिम्मेवार पार्टी है। फिर इस बात के लिए होड़ लग गई कि यह तो अपमान हो गया।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1605/ए.जी.-एन.जी./1

मुख्य मंत्री जारी.....

और बहुत जूनियर नेता ने कर दिया। इस बात को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष रखा गया। कांग्रेस पार्टी के प्रभारी को मैन्यूप्लेट किया गया और कहा गया कि आपको यही बोलना है क्योंकि बोलने में कुछ नहीं जाता। मैं देखा रहा हूं कि इनकी वही स्थिति है जो पंजाब में चन्नी साहब की थी। एक दौर आया जब ये कहते थे कि चन्नी साहब ने ये कर दिया, चन्नी साहब ने वो कर दिया। उसके बाद चन्नी साहब दो जगह से चुनाव लड़े और

दोनों जगहों से निपट गए। यही परिस्थिति इनकी भी है। इनमें होड़ लगी हुई है। एक नेता कुछ बोलता है तो दूसरा नेता कुछ और बोलता है। वह इनकी पार्टी का विषय है और उसमें मैं नहीं जाना चाहता।

अध्यक्ष महोदय, कुछ लोग जो जिम्मेदार हैं और वर्षों से इस माननीय सदन में हैं। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे ठीक बोलेंगे। अभी माननीय सदस्य जी बोल रहे थे कि वे मुझे पी.एम.ओ. में अप्पोइंटमेंट दिलावा देंगे। वे तो ऐसे बोल रहे हैं जैसे मैंने उनसे पूछ कर अप्पोइंटमेंट लेनी है।

अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन की एक व्यवस्था है और जो व्यक्ति इस सदन में अपना पक्ष नहीं रख सकता उसके बारे में नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने एक अधिकारी का जिक्र यहां पर किया। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव को बदल दिया गया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी सरकार के समय में मुख्य सचिव को नहीं बदला गया था? क्या उनकी सरकार में भी चार-चार अधिकारियों को बाईपास करके मुख्य सचिव नियुक्त नहीं किया गया था? यदि हमने किसी मुख्य सचिव को बदला है तो उन्हें सम्मानजनक स्थान भी दिया है। जहां पर उन्हें पूरे सम्मान के साथ लम्बे समय तक काम करने का अवसर प्राप्त होगा। मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि एक व्यवस्था के अनुसार जब अधिकारी अपना पक्ष इस माननीय सदन में नहीं रख सकता तो हमें इस प्रकार से बात करने से परहेज करना चाहिए।

11-08-2022/1605/ए.जी.-एन.जी./2

अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेताओं द्वारा यहां पर जो बातें कही गई मैं उनका जवाब विस्तार से देना चाह रहा था लेकिन वे लोग यहां पर नहीं हैं इसलिए मैं कुछ ही बातों का जिक्र करना चाहूंगा। वे अपराध की बात कह रहे थे तो उसके लिए मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि अपराध करने वाला केवल अपराधी होता है। किसकी सरकार है और

किसकी नहीं, उन सब बातों से उसे कोई लेना-देना नहीं होता। मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार के दौरान अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में कांग्रेस सरकार की तुलना में बहुत ज्यादा मामलों पर कार्रवाई की गई है। आज अधिकांश दोषी जेलों में बंद हैं। यदि मैं विस्तार से तुलना करूंगा तो बहुत ज्यादा समय लग जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन में कहना चाहता हूं कि कांग्रेस के लोगों ने यहां पर तथ्यों पर बात नहीं कही है। उनके कथनों को हम तथ्यों के साथ जवाब देना चाहते हैं। लेकिन वे फैक्ट्स पर बोलते ही नहीं हैं। माननीय श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने कहा गगरेट में एक युवती की हत्या हो गई। मैं कहना चाहता हूं कि उसके दोषी विकास दूबे को दिनांक 07 अप्रैल, 2021 को गिरफ्तार कर लिया गया था। दिनांक 03 अप्रैल, 2022 को माननीय न्यायालय में उसका चालान भी प्रस्तुत कर दिया गया है। परवाणू के अंतर्गत उन्होंने कहा कि

श्री एस.एस. द्वारा जारी.....

11.08.2022/1610/SS-DC/1

मुख्य मंत्री क्रमागत :

महिलाओं का शव बरामद हुआ। उसमें मामला दर्ज हुआ, जितेन्द्र पाल व दिनेश कुमार को दिनांक 11 फरवरी 2022 को गिरफ्तार किया। अब वे जेल की सलाखों के पीछे हैं। अभियोग का अन्वेषण पूर्ण होने पर उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने जोगिन्द्रनगर का जिक्र किया। उसमें मृतका के पति शिव कुमार को अभियोग के तहत दिनांक 08.09.2021 को गिरफ्तार किया गया। मामला आगे न्यायालय में विचाराधीन है। इसी तरह से उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय में 354 कत्ल हुए। मैं कहना चाहता हूं कि पूर्व सरकार में 542 कत्ल हुए थे। उन्होंने कहा कि 1574 बलात्कार हुए। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि उनकी सरकार में 1282 बलात्कार हुए थे। उसके बावजूद मैं यह जरूर कहना चाह रहा हूं कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के

अनुसार consensual sex in live in relationship के मामलों को लेकर अभियोगों में बढ़ोतरी हुई है। इस तरह के केसिज आने की वजह से मामलों के नम्बर में थोड़ी बढ़ोतरी दिखाई देती है। पहले इस तरह का प्रावधान न होने के वजह से उसमें मामला दर्ज नहीं होते थे।

इसी तरह से आगे बढ़ करके अगर हम एन0डी0पी0एस0 की बात कहें तो मैं थोड़ा स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमने एक्ट में प्रावधान किए हैं। अभियोगों के पंजीकरण में कांग्रेस शासनकाल की तुलना में 78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यानी कि हमने मामले दर्ज किए जबकि पिछली सरकार में मामले ही दर्ज नहीं होते थे। 34 प्रतिशत से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीज़र के मामले में भी 40 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की गई है। तात्पर्य यह है कि हमने सख्त कार्रवाई की है। इसलिए मैं इस बात को ज़रूर कहना चाहूंगा, जैसा ये कहते हैं कि कानून-व्यवस्था नहीं है, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में कानून-व्यवस्था को क्या हुआ है? हम सौभाग्यशाली हैं कि हम हिमाचल प्रदेश में रहते हैं जिसको देवभूमि कहा जाता है। अपने राजनीतिक मकसद के लिए हमको हिमाचल प्रदेश की

11.08.2022/1610/SS-DC/2

छवि को खराब नहीं करना चाहिए। हां, जो गलत करते हैं उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई जरूर होगी।

जहां तक दूसरी बात को लेकर कहा गया कि लोग सड़कों पर आ गए हैं। अध्यक्ष महोदय, सही मायने में यह सच्चाई है कि कांग्रेस पार्टी सड़क पर आ ही गई है। उसके अलावा इनके पास कोई जगह बची भी नहीं है। अगर इनके राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर के बहुत सारे नेता ई0डी0 के दायरे में आए हैं तो उसमें हम दोषी कैसे हो सकते हैं! कोई सबूत होंगे और ई0डी0 तो एक एजेंसी है वह कानून के मुताबिक कार्रवाई करेगी। इनके नेता इस प्रकार के काम करें और उसके बाद सारे कांग्रेस के लोग उनको बचाने के लिए सड़कों पर आ जाएं तो इससे कानून अपनी कार्रवाई बंद नहीं कर सकता है। मुझे लगता है कि उनकी

सबसे बड़ी परेशानी यही है। अगर हजारों करोड़ रुपये के घोटाले हुए हैं और उसमें ई0डी0 ने कार्रवाई की है तो मैं समझता हूं कि वह गलत नहीं है। कानून अपना काम करेगा, इस सारे विषय को लेकर मैं इतना ही कहना चाह रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, मुझे किसी ने एक शेर लिख कर दिया है मैं उसे अर्ज करना चाहता हूंः-

"सच बातों पर चुप्पी और झूठी बातों पर चिल्लाए हैं,
सच बातों पर चुप्पी और झूठी बातों पर चिल्लाए हैं;
ये वही कांग्रेस के लोग हैं जो घर से बेघर होकर आए हैं।"

यानी कि इनके पास कोई ठिकाना नहीं है। बेघर होने का मतलब है कि सत्ता में नहीं रहे हैं। अब बेचारे बेघर हो गए हैं। अब घर की तलाश कर रहे हैं। इसलिए मैं इतना ही कहना चाह रहा हूं कि अब इनको घर की तलाश में 20-25 साल लगेंगे। एक दिन मुझे बड़ा आनंद आ रहा था कि इनकी ही पार्टी की अध्यक्षा सिरमौर जिले में जाकर अपनी पार्टी के साथियों को भाषण दे रही थीं। कहने लगीं कि अब की बार नहीं आए तो 25 साल तक नहीं आएंगे। शायद मुझे लगता है कि उन्होंने सच्चाई भांप ली है।

उन्होंने आना कहां से बल्कि कांग्रेस पार्टी देश में ही खत्म हो गई है। बचा ही कुछ नहीं है

जारी श्रीमती के0एस0

11.08.2022/1615/केएस/एएस/1

मुख्य मंत्री जारी----

मैं इतना ही कहना चाह रहा हूं कि अभी उनको घर की तलाश में थोड़ा वक्त लगेगा, 20-25 साल लगेंगे। मुझे बड़ा आनन्द आ रहा था, एक दिन इनकी ही पार्टी की अध्यक्षा सिरमौर जिले में जा कर भाषण दे रही थी । कहने लगी कि अबकी बार नहीं आए तो 25 साल तक नहीं आएंगे। मुझे लगता है कि शायद इन्होंने सच्चाई भांप ली है। जिन दो राज्यों में इनकी सरकारें हैं वे धक्के से चल रही हैं और कब तक रहेगी, मालूम नहीं है। हिमाचल प्रदेश में जहां ये इस बात को कहने की कोशिश कर रहे हैं कि हम आएंगे तो यह तो ये पंजाब के

लिए भी कहते थे कि चन्नी साहब आएंगे लेकिन वे नहीं आए। ये तो यह भी कहते थे कि हम उत्तराखंड में आएंगे लेकिन वहां भी नहीं आए। मणिपुर और गोवा में भी नहीं आए। एक प्रदेश में जहां थे वहां से भी चले गए। अध्यक्ष महोदय, हमने आज से ही नहीं बल्कि पहले दिन से रिवाज़ बदलने की बात कही है और हमने कैबिनेट की पहली बैठक से ही हिमाचल प्रदेश में रिवाज़ बदलने की रिवायत शुरू की। इस देवभूमि में सरकार बदलने के बाद एक रिवाज़ बन गया था कि फ्लां-फ्लां नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करो, पूर्व सरकार के निर्णयों को रद्द करो लेकिन हमने कहा कि इस रिवाज़ को बदलना चाहिए और हमने हिमाचल प्रदेश में पहले दिन से इसकी शुरूआत की । हमने रिवाज़ बदलने की शुरूआत उस दिन से की है जिस दिन हमारी सरकार हिमाचल प्रदेश में बनी। टोपियों पर जो राजनीति होती थी, हमने कहा कि चाहे किसी भी रंग की टोपी हो, वह हिमाचल की शान और पहचान है इसलिए हमने वहां से रिवाज़ बदलने की शुरूआत की। आज हमारे विपक्ष के मित्रों को सबसे ज्यादा परेशानी तब हुई जब हमने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जो पांच साल बाद सरकार बदलने का रिवाज़ बना है, इस बार उस रिवाज़ को भी हम बदलेंगे। इससे ये बहुत ज्यादा परेशान हो गए हैं। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि अब की बार यह हो कर रहेगा।

11.08.2022/1615/केएस/एएस/2

अध्यक्ष महोदय, एक विषय पर हमारे कई मित्र बोले और विपक्ष के नेता भी बोले। हमारे एक मित्र जो कि अपनी पार्टी से इस माननीय सदन में अकेले हैं, ये कई बार किसी के साथ भी जुड़ जाते हैं और उनके साथ जुड़ जाते हैं जो उनका भला नहीं कर सकते। एक बार हो गया सो हो गया, वह कोई अलग परिस्थिति थी लेकिन आज के दौर में अगर परिस्थितियों को देखें तो उनका भला उनके साथ रह कर नहीं हो सकता। ये ओ.पी.एस. की बात कर रहे थे। मैं कर्मचारियों का सम्मान करता हूं। अपनी मांग रखने का सभी को अधिकार है। अपने बेहतर भविष्य के लिए सभी कल्पना करते हैं और प्रयत्न करते हैं। उसमें कुछ भी गलत नहीं है लेकिन जहां तक ओ.पी.एस. की बात है, क्या यह हमने शुरू की,

बात तो यह भी है और इसका कौन जवाब देगा? उस वक्त हिमाचल प्रदेश में हमारी सरकार नहीं थी जब ओ.पी.एस. बंद करके एन.पी.एस. को लागू किया गया था। कर्मचारियों को गुमराह करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सुखराम चौधरी जी ने बहुत सही कहा कि जब पूर्व में जब ये विपक्ष में थे तो एक बार इन्होंने नारा लगाया था कि हम बेरोज़गारी भत्ता देंगे और घोषणापत्र में उसको शामिल किया लेकिन क्या जो घोषणापत्र में इन्होंने बातें कही हैं उनको ये पूरा करने की स्थिति में होंगे? अभी जो ये घोषणा किए जा रहे हैं कि 18 साल से 60 साल तक की महिलाओं को हम 1500 रुपये हर महीने देंगे, उन सारी चीज़ों का मुझे लगता है कि लोग मज़ाक उड़ाते हैं। जो पांच चीजों का अभी ज़िक्र किया, मैं डिटेल में नहीं जाना चाहता। उन सारी चीज़ों को लोग अच्छी तरह से समझ गए हैं। अभी इनका घोषणा पत्र आना बाकी है। उसके बावजूद जो उससे पहले ही इन्होंने घोषणाएं शुरू कर दी हैं उसका कोई औचित्य नहीं है, उसमें कोई भी सत्यता नहीं है। अध्यक्ष महोदय, राजस्थान व छत्तीसगढ़, इन दो प्रदेशों में इनकी सरकार बची है जो हिचकोले खाते हुए चल रही है। उन्होंने ओ.पी.एस. की बात कही है।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

11-08-2022/1620/av/DC/1

मुख्य मंत्री जारी

उन दोनों मुख्य मंत्रियों से हमारा भी मिलना हुआ और हमने इस बारे में उनसे बात की थी। उन्होंने इस बारे में कागजी कार्रवाई शुरू तो की है लेकिन हकीकत यह है कि अब वे भी इस बात को महसूस कर चुके हैं कि इसको लागू करना बहुत कठिन है। कर्मचारियों का पैसा पी0एफ0आर0डी0ए0 में जाता है और उन्होंने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि हमारे पास जो पैसा है वह हमने मार्किट में इंवैस्ट किया हुआ है। उस पैसे को वापिस करने का नियम में कोई प्रावधान नहीं है। जब नियम में ही उस पैसे को वापिस लेने का प्रावधान नहीं है तो यह उनके सामने सबसे बड़ा प्रश्न पैदा हो गया है और वे उसका समाधान करने

की स्थिति में नहीं हैं। इस पर मैं अब विस्तार से बात करने की आवश्यकता महसूस नहीं करता हूं। मैं ओ0पी0एस0 के संदर्भ में केवल इतना ही कहना चाह रहा हूं कि हम सारे विषय पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रहे हैं और हमने इसके लिए एक समिति का गठन किया है। हमारे प्रदेश की वित्तीय स्थिति को देखते हुए इसमें क्या रास्ता निकल सकता है; हम सारी बातों को लेकर के इस बारे में विचार कर रहे हैं। मगर उसके बावजूद काँग्रेस पार्टी के लोग इस बात को जिस सहजता और सरलता से कह रहे हैं मुझे लगता है कि यह काम इतना सरल नहीं है बल्कि बहुत ही कठिन काम है। सिर्फ राजनैतिक मकसद से इस बात को उठाना और इसका लाभ लेना; मेरे हिसाब से बिल्कुल भी उचित नहीं है। काँग्रेस पार्टी ने इस मसले को जिस राजनैतिक मकसद से उठाया है उसमें मेरा सभी कर्मचरी भाई-बहनों से निवेदन है कि आप काँग्रेस पार्टी की नीयत को समझते हुए इस पर गंभीरता से विचार करें। हमने इस मामले को केंद्र सरकार से भी उठाया है और इसमें जो कुछ भी बेहतर हो सकता है; हम उसके लिए

11-08-2022/1620/av/DC/2

कोशिशें कर रहे हैं। इन्होंने यहां एक बात और कही कि हिमाचल बेच दिया। ए0डी0बी0 के प्रोजैक्ट के लिए जो लोन लिया गया था वह इनकी ही सरकार के समय का है। इनकी ही सरकार के दौरान उसमें जो शर्तें मानी गई थीं उनके अंतर्गत बड़ा स्पष्ट कहा गया था कि out source, O&M of six facilities to private sector यानी ए0डी0बी0 के जो प्रोजैक्ट दिए जा रहे हैं उसमें से कम-से-कम 6 स्थानों पर प्राइवेट सैक्टर को संचालन के लिए देने होंगे। यह बात उन्होंने अपनी शर्तों में कही थी और ये शर्तें इनकी ही सरकार के समय में मानी गई हैं जिस पर इन्होंने हस्ताक्षर किए थे। हमने तो केवल 6 में से 3 ही स्थानों पर किया है। उनको यह जानकारी होनी चाहिए थी। उन्होंने यहां पर शिव धाम मण्डी के बारे में भी बात कही। सबसे बड़ी परेशानी तो उनको यह महसूस हो रही है कि हम मण्डी में शिव धाम क्यों बना रहे हैं। हमने वहां शिव धाम के निर्माण का फैसला इसलिए लिया ताकि आने वाले समय में उसकी पर्यटन की दृष्टि से पहचान बढ़े और उसके साथ-साथ वह धार्मिक

आस्था का केंद्र भी बने। उनका कहना यह है कि 18 करोड़ रुपये की बजाय उसका कार्य 38 करोड़ रुपये में कैसे अवार्ड कर दिया।

टी सी द्वारा जारी

11.08.2022/1625/टी0सी0वी0/डी0सी0-1
माननीय मुख्य मंत्री ... जारी

अध्यक्ष महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में हमारा जो उस व़क्त शेड्यूल रेट था वह 2009 का था लेकिन बाद में जब शेड्यूल रेट 2020 का लगा तो उसकी कॉस्ट 38 करोड़ रुपये बनी। मुझे मालूम नहीं है कि उनके कितने लोग इस बात को समझेंगे? विपक्ष के माननीय सदस्य बार-बार कहते हैं कि लोन ले लिया। आपने हालात ही ऐसे पैदा किए हैं जिसके कारण हमें लोन लेना पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश की वर्तमान में जो वित्तीय स्थिति है उससे हम भी चिंतित है लेकिन यदि कोविड का संकट न होता तो हम बहुत-सारी चीज़ों को बेहतर कर सकते थे और हम शायद और भी कम लोन लेते। इसके बावजूद भी भारत सरकार से लोन लेने की हमारी जो लिमिट थी उसमें से भी हमने 5384 करोड़ रुपये ऋण कम लिया है। जबकि पूर्व सरकार ने अपने समय में 5 साल के कार्य काल में 19200 करोड़ रुपये का ऋण लिया। हमारी सरकार ने अभी तक 16998 करोड़ रुपये का ऋण लिया है यानी हमने उनसे कम ऋण लिया है। अगर हम लोन में वृद्धि दर की बात करें तो उनके कार्यकाल में 67 परसेंट की इंक्रीज थी और हमारे कार्यकाल में सिर्फ 35 परसेंट की इंक्रीज है। यह भी एक बहुत बड़ा आंकड़ा है जिसको उनको समझना चाहिए। विपक्ष का हर कोई सदस्य खड़ा हो जाता है कि 80 हजार करोड़ रुपये का ऋण ले लिया और कोई तो 90 हजार करोड़ रुपये की बात कह देते हैं। कई बार कई जिम्मेवार लोग इस तरह की बात करते है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में अब जी0एस0टी0 एकत्रित करने में सुधार हुआ है। जी0एस0टी0 कंपनसेशन के कारण

हमें थोड़ा नुकसान जरूर हो रहा है, इसमें कोई दोराय नहीं है लेकिन धीरे-धीरे हमारी इकोनोमी पटरी पर आने की स्थिति में हो पा रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं महंगाई की बहुत ज्यादा बात नहीं करना चाहता हूं। अगर मैं पेट्रोल और डीजल की बात करूं तो कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान पेट्रोल पर

11.08.2022/1625/टी0सी0वी0/डी0सी0-2

मूल्यवर्धित कर (वैट) की दर 27 प्रतिशत और डीजल पर 16 प्रतिशत थी। वर्ष 2021 में भारत सरकार ने दिनांक 4.11.2021 से पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की। उसी के साथ आगे बढ़कर प्रदेश सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल के मूल्य पर 7 रुपये की कमी के फलस्वरूप प्रदेश में पेट्रोल के सकल मूल्य में 12 रुपये तथा डीजल के सकल मूल्य में 17 रूपये की कमी आई। अगर हम डीजल की बात कहे तो चण्डीगढ़ में डीजल की कीमत 84.26 पैसे हैं और हिमाचल प्रदेश में 83.02 रुपये हैं, पंजाब में 84.25 पैसे और हरियाणा में 90.05 पैसे हैं यानी पंजाब हरियाणा की अपेक्षा पेट्रोल डीजल के रेट में हिमाचल में तुलनात्मक दृष्टि से कम हैं।

एन0एस0 द्वारा ... जारी

11-08-2022/1630/NS/HK/1

मुख्य मंत्री ..... जारी

अध्यक्ष महोदय, जहां तक सेब की बात रहती है तो इस बारे में इतना ही कहना चाहूंगा कि सेब के आंदोलन में कुछ लोगों ने इसका नेतृत्व करके एक संदेश देने की कोशिश की है। मैं भी सेब उत्पादक क्षेत्र से हूं। मेरे क्षेत्र में भी सेब की पैदावार होती है। पिछले कुछ अरसे से पेकेजिंग मटीरियल कोस्ट बढ़ने के कारण बागवानों में थोड़ी निराशा और नाराज़गी हुई है। लेकिन उससे ज्यादा कांग्रेस पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के मित्र इस बात में लगे हुए हैं कि उससे राजनैतिक फायदा कैसे लिया जाए? ये उस आड़ में बैठे हुए हैं। पेकेजिंग मटीरियल में 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत बढ़ौतरी हुई यानी 6 प्रतिशत बढ़ौतरी हुई। हमने कहा कि इसको प्रदेश सरकार काम्पन्सेट करेगी। इसके लिए हमने बैठक की। मैं दावे के साथ कह

सकता हूं कि आज से पहले हिमाचल प्रदेश में पेकेजिंग मटीरियल में इस प्रकार से बागवानों की मदद के लिए सरकार कभी आगे नहीं आई जिस प्रकार से वर्तमान सरकार ने आगे आ करके कहा कि हम 6 प्रतिशत का लोड अपने ऊपर ले लेंगे। मैंने इसके लिए प्रधान मंत्री जी, वित्त मंत्री जी और गृह मंत्री जी से स्वयं बात की तथा इसे सीधा ग्रोअर को देंगे। इसे हमने बड़ा स्पष्ट किया है कि जो सरकार के सामने जी0एस0टी0 का बिल प्रस्तुत करेंगे उनको हम देंगे। बहुत सारे बागवानों ने कहा कि यह उचित है और यह तरीका ठीक है। लेकिन इसके बावजूद लोगों की भावनाओं को भड़काने के लिए जिस तरह राजनीतिक मकसद से प्रयत्न किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है।

अध्यक्ष महोदय, एम0आई0एस0 03.50 रुपये बढ़ाया है। बागवानों की स्प्रे और fungicides की जो पेमेंट्स पैंडिंग थी उनको भी हमने रिलीज करने के लिए कह दिया है। इसके बावजूद भी उनका मकसद एक ही चीज़ को ले करके है कि हम राजनैतिक दृष्टि से कैसे इसका लाभ ले सकें? इसके लिए वे प्रयत्न कर रहे हैं और यह उचित नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कुछ माननीय सदस्यों ने पर्यटन के बारे में भी कहा है कि 'नई राहें नई मंजिलें' योजना के माध्यम से कुछ नहीं हुआ। मैं इस बारे में इतना ही कहना चाहता हूं कि 'नई राहें नई मंजिलें' योजना हमने हिमाचल प्रदेश में शुरू की है जिसके माध्यम से हम हिमाचल प्रदेश में नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन्ज़ को आइडेंटिफाइ

11-08-2022/1630/NS/HK/2

करके उनको डवल्प करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी के तहत मेरे विधान सभा क्षेत्र के जंजैहली में ए0डी0बी0 का प्रोजेक्ट 'नई राहें नई मंजिलें' शुरू किया गया था और इसका काम शुरू हो गया है तथा हम इसका उद्घाटन करके आए हैं। बैजनाथ में पैरा ग्लाइडिंग का इन्फ्रास्ट्रक्चर बन करके तैयार होने वाला है और सितम्बर माह तक बन कर तैयार हो जाएगा तथा हम इसका भी उद्घाटन करने की स्थिति में होंगे। इसके अतिरिक्त पौंग बांध, लारजी, कोल बांध या पंडोह बांध में सब जगहों पर वॉटर स्पोर्ट्स शुरू हो जाएंगी और इससे पर्यटकों को घूमने की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सकती है। इसके लिए हम प्रयत्न कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर ग्लोबल इन्वेसटर मीट को ले करके प्रश्न खड़ा किया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट को ले करके माननीय उद्योग मंत्री ने बड़े विस्तार से बात कही है। मैं

उस बारे में अब नहीं कहना चाहता हूं। 'Ease of Doing Business' में हम 16वें स्थान पर थे और हम 7वें स्थान पर आए। ग्लोबल इन्वेस्टर मीट में हिमाचल प्रदेश में जो बैस्ट पोसिबल किया जा सकता था वह किया है। ये कोविड महामारी के कारण प्रभावित हुआ है लेकिन इसके बावजूद भी जब प्रधान मंत्री जी आए तो 28,000 करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग हुई और उससे पहले हमारी ग्राउंड ब्रेकिंग अमित शाह जी और जे0पी0 नड्डा जी के माध्यम से 13,500 करोड़ रुपये की फर्स्ट फेज़ में हो गई थी। इसमें पहले से बेहतर हुआ है। अध्यक्ष महोदय, ये जिन चीज़ों को जिक्र कर रहे हैं कि हम बिजली फ्री कर देंगे या हम ये फ्री कर देंगे तो मैं उस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। इनकी बातों पर कौन विश्वास करे? वर्तमान में हमारी सरकार है और हमने सरकारी बसों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत किराया तय किया है और इसे लागू कर दिया है। आज रक्षा बंधन के दिवस पर महिलाओं वा मातृ शक्ति को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। बहनों का आशीर्वाद सब भाइयों पर बना रहे इसके लिए प्रार्थना भी करता हूं।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी

11.08.2022/1635/RKS/एचK-1

मुख्य मंत्री... जारी

पिछले कल रक्षा बंधन के समारोह में मातृ शक्ति बड़ी संख्या में आई थी। उन्होंने तीन-चार चीजों के लिए सरकार का धन्यवाद भी किया। हमने महिलाओं के लिए बसों में आने-जाने की व्यवस्था, बेटियों के लिए शगुन योजना के अंतर्गत 31 हजार रुपये, सैल्फ हैल्प ग्रुप के लिए 25000 रिवोल्विंग फंड व 4 प्रतिशत पर लॉन तथा मुख्य मंत्री स्वावलंबन योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। उन्होंने इन सब बातों के लिए सरकार का धन्यवाद किया है। जैसे बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री जी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के 14.62 लाख उपभोक्ताओं को 125 यूनिट फ्री बिजली का लाभ मिला है। इस तरह हमने अपना व्यावहारिक पक्ष करके दिखा दिया है। मैं पुलिस भर्ती के मामले में पहले भी कह चुका हूं लेकिन इनको अपने समय के घोटालों की याद नहीं रहती। हमारे साथियों ने इनके समय में हुए पी.एम.टी. घोटाले का जिक्र किया। यह घोटाला वर्ष 2006 में

हुआ था। इनकी पूरी कोशिश थी कि यह टैस्ट रद्द नहीं होना चाहिए। आखिरकार कुछ लोग कोर्ट में गए और उसके बाद इस टैस्ट को रद्द करना पड़ा। मुझे लगता है कि इन्हें यह बात याद नहीं आ रही है। उस वक्त पैसे से प्रश्न पत्र बेचे गए थे और इन्हें इस बात की जानकारी होनी चाहिए। उस वक्त हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने इस प्रश्न पत्र की छपाई मैक्सवैल प्रिंटिंग प्रैस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से करवाई थी। जगजीत सिंह, मशीनमैन ने अपने सहयोगी राम बहादुर बैहलिया के साथ आपराधिक षडयंत्र किया और राम बहादुर बैहलिया ने यह प्रश्न पत्र आदर्श को दिया एवं लखनऊ से दिल्ली आए। यह चुराया गया प्रश्न पत्र दिनांक 23-24 मई, 2006 को को दिल्ली में तीन अभ्यर्थियों को पढ़ाया गया। तदुपरांत यह प्रश्न पत्र सहयोगियों की मदद से दिल्ली से चण्डीगढ़ तथा चण्डीगढ़ से शिमला तक पहुंचाया गया। दिनांक 25.05.2006 को आरोपी पी.के.मिश्रा द्वारा यह प्रश्न पत्र शिमला में अन्य अभ्यर्थियों को पढ़ाया गया। अभियोग अन्वेषण के दौरान 104 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जिसमें 24 आरोपी

11.08.2022/1635/RKS/एचK-2

हिमाचल प्रदेश, 9 उत्तर प्रदेश, 13 बिहार, 3 हरियाणा और इस प्रकार अलग-अलग प्रदेशों से कई आरोपी पकड़े गए। लेकिन इनके समय में इस प्रकार की बातों को दबाने का पूरा प्रयत्न किया जाता था। हमारे समय में इस प्रकार की दो घटनाएं हुई हैं जिनमें हमनें दोनों रिटन टैस्ट रद्द कर दिए हैं। हमने पारदर्शिता से काम किया है और आज की तारीख में हमारे ऊपर कोई भी अंगुली नहीं उठा सकता। दोषियों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से सी.बी.आई. को मामला रिकॉमेंड किया गया है। सी.बी.आई. का अपना एक असैसमेंट है और हम सी.बी.आई. को इंवैस्टिगेशन के लिए बाध्य नहीं कर सकते। यह मामला सी.बी.आई. के पास है और सी.बी.आई. इन सारी चीजों का आकलन कर रही है। पारदर्शिता से इंवेस्टिगेशन हो इसके लिए हमने तत्काल प्रभाव से एस.आई.टी. का गठन किया और उसके बाद यह मामला सी.बी.आई. को दिया।

हमने नये सिरे से परीक्षा का आयोजन किया और मुझे खुशी है कि हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में यह भर्ती प्रक्रिया सम्भवतः पूर्ण हो चुकी है।

श्री बी.एस.द्वारा जार

11.08.2022/1640/बी.एस./वाई0के0/-1

मुख्य मंत्री जारी...

अध्यक्ष महोदय, जिन मसलों को ले करके हमारे विपक्ष के लोग यहां अपनी बात कहने की कोशिश कर रहे थे मुझे उसमें कोई दम नहीं दिखा। मैं समझता हूं कि चीखने-चिल्लाने से बहुत ज्यादा समस्या का समाधान नहीं होता है। वे खबर बनाने की कोशिश कर रहे हैं और वे खबर बनाने में थोड़ी देर के लिए कामयाब हो सकते हैं लेकिन हकीकत यह है कि हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के शासन के दौरान जो बेस्ट पोसिबल किया जा सता था ईमानदारी के हिसाब से, चाहे वह विकास कार्य की बात है हमने हर क्षेत्र में विकास किया है। कोई विधान सभा क्षेत्र नहीं है जहां मेरा दो-तीन या इससे भी अधिक बार जाना हुआ है और वहां सैंकड़ों करोड़ों रुपये के शिलान्यास न हुए हों। सभी जगह समान विकास कार्य हुए हैं। जो हमारे विपक्ष के साथी हैं कई उनमें से ऐसा बोलते हैं कि हम सत्ता में रहे परंतु हमारी सरकार के दौरान यह काम नहीं कर पाए। मैं आदरणीय हर्षवर्धन चौहान जी से कहना चाहता हूं कि वे आंकड़ा निकालें मैं इस बात को दावे के साथ कह सकता हूं कि कांग्रेस सरकार में भी उतने विकास कार्य नहीं हुए हैं जितने हमारी सरकार में वहां हुए हैं। उस क्षेत्र में हमने कार्य किया क्योंकि वहां कार्य की आवश्यकता है। वहां पर संस्थान खोलने और अन्य कार्य करने की बात है वह हमने किए हैं। एक नहीं अनेक क्षेत्र हैं जहां दूसरे दल का विधायक है परंतु हमने क्षेत्र की आवश्यकता को देख करके काम किया है। मैं यही कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में हमारी सरकार का कार्याकाल पूर्ण होने जा रहा है और आने वाले समय में जब चुनाव होगा चुनाव के बाद मैं पूरे दावे के साथ कह सकता हूं कि ईमानदारी के साथ जिस प्रकार से सरकार चला करके हर क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए ईमानदार कोशिश की है। हम निश्चित रूप से कोशिश करेंगे कि यह पांच का रिवाज बदल कर छोड़ेंगे और भारतीय जनता पार्टी की सरकार को फिर से सत्ता में ला करके छोड़ेंगे। यही मैं उन मित्रों को कहना चाहता हूं और जो अविश्वास पस्ताव

उन्होंने प्रस्तुत किया इसकी कभी कल्पना भी नहीं थी कि वे इतने हल्के में अपना पक्ष रखेंगे और हमारा जवाब सुने बिना बाहर चले जाएंगे। यह एक व्यवस्था रहती है कि जब इस तरह का प्रस्ताव आता है तो चर्चा होती है और जब सदन में उसका जवाब दिया जाता

11.08.2022/1640/बी.एस./वाई0के0/-2

है तो उसे भी सुन लिया जाता है उसके बाद यदि कोई बात रहती है तो वाकआउट की परिस्थिति आती है परंतु वे इससे पहले ही चले गए। इसका सीधा अभिप्राय है कि वे राजनीतिक मकसद से जो कर रहे हैं वह मकसद उन्हे हासिल नहीं होने देंगे। जो प्रस्ताव उन्होंने प्रस्तुत किया है मैं उसका विरोध करता हूं और मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि वे इस बात को समझ लें कि वक्त उनके लिए बहुत अच्छा नहीं है क्योंकि पूरे देश में जो हालात और परिस्थितियां बनी हुई हैं स्वाभाविक रूप से उनके लिए हिमाचल प्रदेश में बहुत अनुकूल परिस्थितियां होंगी यह उनकी कोरी कल्पना होगी। इतनी बात कहते हुए पक्ष के सभी माननीय सदस्यों का मैं धन्यवाद करता हूं जिन्होंने अपनी बात बहुत प्रभावी ढंग से इस माननीय सदन में रखी और सरकार का पक्ष बहुत मजबूती के साथ रखा और विपक्ष का संख्या बल के आधार पर जो प्रस्ताव है वह तो गिरा-ही-गिरा पंरतु तर्क के आधार पर भी हमारे सभी साथियों ने एक-एक प्रश्न का जवाब यहां पर दिया उसके लिए मैं सभी साथियों को धन्यवाद करता हूं, अध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद॥

अध्यक्ष : शहरी विकास मंत्री कुछ कहना चाह रहे हैं।

शहरी विकास मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री के उत्तर के बाद आप प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। उससे पहले में एक बात रिकार्ड में लाना चाहता हूं कि विपक्ष ने इस सदन का समय भी बर्बाद किया है और लोकतंत्र की मर्यादाओं के विपरीत काम किया है।

श्री एन0 जी0 द्वारा जारी...

11-08-2022/1645/वाई.के.-एन.जी./1

शहरी विकास मंत्री जारी.....

मर्यादाओं के विपरीत काम किया है। नियम-278 के अंतर्गत अविश्वास प्रस्ताव आता है और उसमें एक/तिहाई का हैड काउंट होता है। उसकी चर्चा के बाद वह वोट के लिए आता है और उसमें भी हैड काउंट करके पारित होगा या नहीं, ये सदन की संख्या बल पर निर्भर करता है। यदि इन्हें मंत्री मण्डल में अविश्वास था तो अभी यहां पर वोटिंग के लिए मौजूद रहना चाहिए था। लेकिन ये सदन को छोड़कर चले गये। इसका अर्थ यह हुआ कि उन्होने नियम-278 को मिसयूज़ किया है। जिसकी मैं तीव्र निंदा करता हूं और ये लोकतंत्र के विपरीत है। वैसे भी लोकतंत्र में कोई इनकी श्रद्धा नहीं है। ये लोग स्चयं जानते हैं कि आपातकाल के दौरान कैसे इन्होंने लोकतंत्र का गला घौंटा था। आज भी लोकतंत्र के विपरित इन्होंने आचरण किया है। जब ये बोलते हैं तो लंग्स पावर के साथ-साथ सुनने की भी हिम्मत रखनी चाहिए। वह हिम्मत इनमें नहीं थी और इन्होंने नियमों का मिसयूज़ करके इस सदन की मर्यादाओं के विपरीत काम किया जोकि निंदनीय है।

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात स्पष्ट करनी है और जिस तरह से वे एक आंकड़ा प्रस्तूत कर रहे थे, विशेषतः पुलिस भर्तियों के विषय पर। तो मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार के दौरान पब्लिक सर्विस कमीशन में केवल 74 भर्तियां हुईं हैं। मैं रिकॉर्ड पर लाना चाहता हूं कि दिनांक 01-01-2018 से दिनांक 30-06-2022 तक कुल 2,245 भर्तियां पब्लिक सर्विस कमीशन के माध्यम से की गई हैं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि दिनांक 01-01-2018 से लेकर अभी तक हिमाचल प्रदेश स्टाफ सिलैक्शन कमीशन, हमीरपुर के माध्यम से 11,666 भर्तियां की गई हैं। इस प्रकार से कुल 13,911 भर्तियां हमारी सरकार के दौरान की गई हैं। वे जो कहना चाह रहे थे वह तथ्य पर आधारित नहीं था।

अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी के उत्तर के साथ ही यह चर्चा समाप्त होती है।

तो क्या माननीय सदस्य अपना अविश्वास प्रस्ताव वापिस लेने के लिए तैयार हैं? वे नदारत हैं या अनुपस्थित हैं। क्या माननीय सदन की अनुमति है कि अविश्वास प्रस्ताव वापिस किया जाए?

(अविश्वास प्रस्ताव वापिस हुआ।)

तो प्रश्न यह है कि "This House expresses No-Confidence in the Council of Ministers."

(प्रस्ताव अस्वीकार।)

"This House expresses No-Confidence in the Council of Ministers." ध्वनिमत से गिर गया।

अध्यक्ष : अब समस्त माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 12-08-2022 को दोपहर 01.00 बजे विधान सभा परिसर के गेट नम्बर-1 पर माननीय सदस्यों का ग्रुप फोटोग्राफ होगा। कृपया समय का ध्यान रखें। इसके अलावा "आजादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य पर तिरंगा फहराया जाएगा। माननीय राज्यपाल जी ने माननीय मंत्रीमण्डल के सदस्यों एवं विधान सभा के सदस्यों के सम्मान में दिनांक 12-08-2022 को रात्रि 08.00 बजे राजभवन में रात्रिभोज का आयोजन किया है। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

अब इस माननीय सदन की बैठक शुक्रवार, 12 अगस्त, 2022 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है।

दिनांक : 11 अगस्त, 2022 **यशपाल शर्मा**
शिमला - 171004 **सचिव।**